रांची एक्सप्रेस
61
साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज
नया मिजाज

रांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-123 | कोलकाता, सोमवार 1 जुलाई 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

शिक्षा से भी ज्यादा शादी पर खर्च करते हैं भारतीय

साल में 10 लाख करोड़ का है भारतीय विवाह उद्योग, हैरान कर रही रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विवाह उद्योग का आकार लगभग 10 लाख करोड़ रुपये है, जो खाद्य और किराना के बाद दूसरे स्थान पर है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा गया कि आम हिंदुस्तानी शिक्षा की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। भारत में सालाना 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख शादियां होती हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने एक रिपोर्ट में कहा, भारतीय विवाह उद्योग अमेरिका (70 अरब अमेरिकी डॉलर) के उद्योग के आकार का लगभग दोगुना है। हालांकि, यह चीन (170 अरब अमेरिकी डॉलर) से छोटा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में खपत श्रेणी में शादियों का दूसरा स्थान

है। अगर शादी एक श्रेणी होती, तो वे खाद्य और किराना (681 अरब अमेरिकी डॉलर) के बाद दूसरी सबसे बड़ी खुदरा श्रेणी होती। भारत में शादियां भव्य होती हैं और इनमें कई तरह के समारोह और खर्च होते हैं। इससे आभूषण और परिधान जैसी श्रेणियों में खपत बढ़ती है और अप्रत्यक्ष रूप से ऑटो तथा इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को लाभ मिलता है। खर्चीली शादियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद, विदेशी स्थानों पर होने वाली आलीशान शादियां भारतीय वैभव को प्रदर्शित करती रहती हैं। जेफरीज ने कहा, हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होने के साथ, भारत दुनिया भर में सबसे बड़ा विवाह स्थल है। कैट के अनुसार इसका आकार 130 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। भारत का विवाह उद्योग अमेरिका के मुकाबले लगभग दोगुना है और प्रमुख उपभोग श्रेणियों में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय शादी कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बेहद भव्य तक होती हैं। इसमें क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि भारत में विवाह पर शिक्षा स्नातक तक) की तुलना में दोगुना खर्च किया जाता है, जबकि अमेरिकी जैसे देशों में यह खर्च शिक्षा की तुलना में आधे से भी कम है।

यूक्रेन जंग के बीच दोस्त पुतिन से मिलेंगे मोदी!

- पीएम मोदी के लिए रूस है खास, जल्द जा रहे मॉस्को

मॉस्को (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ एक दिवसीय शिखर सम्मेलन के लिए जल्द ही मॉस्को की यात्रा करने वाले हैं। पीएम मोदी ऐसे समय में मॉस्को पहुंच रहे हैं, जब पुतिन पिछले दो साल से ज्यादा समय से यूक्रेन की जंग में उलझे हुए हैं। इसके

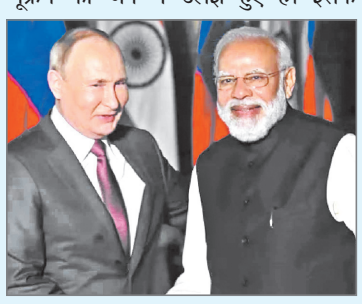

बावजूद परिणाम उनकी आशा के अनुरूप नहीं रहा है। अमेरिका से मिले अत्याधुनिक हथियारों के चलते यूक्रेन ने रूस से कड़ा मुकाबला किया है। हाल के दिनों में यूक्रेन ने अमेरिकी निर्मित ड्रोन से रूस के भीतरी इलाकों में हमले किए हैं। यहां तक कि उसने मॉस्को के बाहरी इलाकों तक भी अपनी पहुंच बनाई है। दूसरी तरफ पश्चिमी देश पुतिन को अलग-थलग करने के कूटनीतिक प्रयास भी जारी रखे हुए हैं।

जनता के संदेश को समझ नहीं रहे मोदी, उपाध्यक्ष पद भी नहीं दिया

- सोनिया गांधी ने बोला हमला, कहा-'इंडिया' टकराव नहीं चाहता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा

चुनाव में जनादेश के संदेश की अनदेखी कर रहे हैं और टकराव को महत्व देना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ऐसे पेश आ रहे हैं कि मानो कुछ बदला ही नहीं है। उन्होंने अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में यह आरोप भी लगाया कि लोकसभा में 1975 के आपातकाल की निंदा की गई ताकि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी सरकार के हमले से ध्यान हटाया जा सके। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, ''4 जून, 2024 को हमारे देश के मतदाताओं ने अपना फैसला स्पष्ट और जोरदार तरीके से सुनाया।

फ्रांस के चुनाव में जीत सकती है 'मुस्लिम विरोधी' पार्टी

- भारत के दोस्त मैक्रों को उल्टा पड़ गया मध्यावधि चुनाव का दांव

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले दौर के लिए रविवार को मतदान जारी है और यह अनुमान जताया जा रहा है

कि नाजी युग के बाद, सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी एवं धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है। दो चरणों में हो रहे संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होंगे। चुनाव परिणाम से यूरोपीय वित्तीय बाजारों, यूक्रेन के लिए पश्चिमी देशों के समर्थन और वैश्विक सैन्य बल एवं परमाणु शस्त्रागार के प्रबंधन के फ्रांस के तौर-तरीके पर काफी प्रभाव पड़ने की संभावना है। कई फ्रांसीसी मतदाता महंगाई और आर्थिक चिंताओं से परेशान हैं और वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व से भी निराश हैं।

रोजगार के वास्ते मोदी सरकार खोलेगी अपना खजाना

मिडिल क्लास पर रहेगा फोकस, आम बजट की तैयारी शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी आम बजट के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की तैयारी में है। इसको लेकर वित्त मंत्रालय के स्तर पर लगातार बैठकें चल रही हैं। माना जा रहा है कि इस बार का बजट युवा, रोजगार, महिला, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग पर केंद्रित होगा। इसके लिए सरकार जहां आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज को जारी रखेगी वहीं 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का रास्ता भी साफ करेगी। भाजपा ने चुनाव से पहले घोषणा की थी कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मुहैया कराया

जाएगा। अब बजट के माध्यम से पैसे का आवंटन करने की तैयारी है। इस तरह सरकार अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी बजट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस बार युवाओं के लिए रोजगार पर भी विशेष ध्यान रहेगा। आम चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक न आने के बाद से भाजपा सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष के अंत में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जिसमें भाजपा को लगता है कि अगर युवा वर्ग नाराज हुआ तो नुकसान उठाना पड़ सकता है।

महिलाओं को लेकर भी बड़े ऐलान संभव

रोजगार के लिए महिला स्वयं सहायता समूह को सेवा क्षेत्र से जोड़ने का रास्ता खुल सकता है। इससे निम्न और मध्यवर्ग की महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। क्योंकि स्वयं सहायता समूह में इन्हीं वर्गों की महिलाएं सबसे ज्यादा कार्यरत हैं। महिलाओं की जन सुविधा के लिए सरकार बड़े शहरों में सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय बनाने को लेकर भी अलग से योजना ला सकती है। वहीं, देशभर में महिलाओं के सामने सर्वाइकल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और ओस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारी की बड़ी समस्या है, जिसके लिए सरकार राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्वास्थ्य प्रोग्राम संचालित करने का ऐलान भी कर सकती है।

सरकार की वित्तीय स्थिति बेहतर

जानकार मानते हैं कि इस बार सरकार की वित्तीय स्थिति काफी अच्छी है। जीएसटी समेत अन्य कर संग्रह तेजी से बढ़ रहा है। अप्रैल महीने में जीएसटी का अब तक का उच्चतम 2.10 लाख करोड़ रुपये का कर संग्रह हुआ। हालांकि, इसमें मई महीने में थोड़ी गिरावट आई थी लेकिन उसके बावजूद 1.73 लाख करोड़ रुपये सरकार के खजाने में आया। इस तरह से बाकी मदों से भी सरकार की आमदनी बढ़ी है। इसलिए सरकार वित्तीय स्थिति को देखते हुए अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए अपनी जनकल्याणकारी और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए बजट में बड़े ऐलान कर सकती है।

एक युग का अंत...

कप जिताकर रोहित-विराट का टी-20 से रिटायरमेंट

जडेजा ने भी टी-20 से ले लिया संन्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 विश्व कप 2024 का विजेता बनने के साथ ही टी20 इंटरनेशनल

- राहुल द्रविड़ के कोचिंग करियर पर भी लगा पूर्ण विराम

क्रिकेट के एक युग का अंत हो गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने जहां टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया वहीं भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने भी टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया है। वहीं, भारत का विजयी अभियान पूरा होने के साथ ही राहुल द्रविड़ के

कोचिंग करियर पर भी पूर्ण विराम लग गया। राहुल द्रविड़ का भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में कार्यकाल आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक ही था। बारबाडोस में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने उन आलोचकों को चुप करा दिया, जिन्होंने उसके बिग-मैच टेम्परामेंट पर सवाल उठाए थे और क्रिकेट में आर्थिक महाशक्ति होने के बावजूद खिताब जीतने में विफल रहने पर मजाक उड़ाया था। रोहित शर्मा ने बताया कि फाइनल की जीत का टीम के लिए क्या मायने है, खासकर पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से दिल तोड़ने वाली हार मिलने के बाद। इस टी20 विश्व कप की तरह भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी फाइनल से पहले तक अपराजित था, लेकिन बारबाडोस में टीम इंडिया ने वह मुकाबला जीत लिया।

नागालैंड की महिलाओं ने रच दिया इतिहास

20 साल बाद हुए निकाय चुनाव में लहराया परचम

कोहिमा (एजेंसी)। नागालैंड ने दो दशक बाद हुए शहरी स्थानीय निकाय के चुनाव में महिलाओं ने इतिहास रच दिया है। यहां कुछ 278 सीटों में से 102 पर महिलाओं ने जीत दर्ज की है। आठ महिलाओं ने सामान्य सीट पर जीत दर्ज की है। 26 जून को यहां चुनाव करवाए गए थे। 2004 के बाद पहली बार यहां स्थानीय निकाय के चुनाव हुए जिनमें 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित थीं। राज्य के चुनाव आयुक्त टी जॉन लोंगकुमार ने कहा कि यह चुनाव नगा महिलाओं का था। नगालैंड में महिलाओं के आरक्षण के लिए संघर्ष करने वाली ऐक्टिविस्ट रोजमेरी जुविचु ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला इस चुनाव के लिए बड़ा वरदान बन गया। राज्य में 24 नगर निकायों, तीन नगर पालिका परिषद और 21 नगर परिषदों में चुनाव करवाया गया था। 2.23 लाख वोटर में से 81 फीसदी ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक इस चुनाव में निर्वाचित सबसे युवा और सबसे ज्यादा उम्र वाली प्रत्याशी भी महिला ही हैं। सबसे युवा प्रत्याशी 22 साल की नजानरहोनी आई मोझुई हैं जो कि भंडारी नगर परिषद से बीजेपी की उम्मीदवार थीं। इस चुनाव में 238 महिलाओं

ने नामांकन फाइल किया था। वहीं इस चुनाव में पूर्वी नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) ने हिस्सा नहीं लिया था। छह जिलों में फैली सात नागा जनजातियों की शीर्ष संस्था ईएनपीओ ने 16 मई को स्थानीय निकाय चुनावों में भाग न लेने की घोषणा की थी और फ्रंटियर नागालैंड क्षेत्र (एफएनटी) की अपनी मांग दोहराई थी। यह पार्टी 2010 से पृथक राज्य की मांग कर रही है तथा उसका दावा है कि नगालैंड के पूर्वी भाग के छह जिलों की वर्षों से उपेक्षा की गई है। इन चुनावों में सत्ताधारी एनडीपीपी को सबसे ज्यादा 153 सीटों पर जीत हासिल हुई।

भारतीयों को चांद पर ले जाने की तैयारी में इसरो

- मेगा रॉकेट 'सूर्या' तैयार कर रहा संगठन, चीफ ने बताया पूरा प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की नजरें फिर से

चंद्रमा पर हैं। अब इस प्राकृतिक उपग्रह पर इंसानों को भेजने की तैयारी है। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने भविष्य के मिशनों और नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल के बारे में बात की। एनजीएलवी को मनुष्यों को चांद पर ले जाने के मकसद से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम सूर्या नाम का नया रॉकेट बना रहे हैं। फिलहाल इसकी डिजाइन पर काम जारी है। इसमें (लिक्विड ऑक्सीजन) और मीथेन पर आधारित नया इंजन लगाया जाएगा। इसमें लोअर स्टेज के लिए लिक्विड ऑक्सीजन और मीथेन इंजन होंगे अपर स्टेज में क्रायोजेनिक इंजन का इस्तेमाल होगा। एस सोमनाथ ने कहा कि भारत का मेगा-रॉकेट सूर्या मौजूदा रॉकेटों की तुलना में काफी बड़ा होगा। लो अर्थ ऑर्बिट पेलोड क्षमता 40 टन से अधिक होगी, जो कि मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के लिए बहुत जरूरी है। यह सूर्या रॉकेट है जिससे उम्मीद है कि 2040 तक चंद्रमा की सतह तक लेकर जाएगा।

पासपोर्ट घोटाला मामले में सीबीआई का बड़ा ऐक्शन

32 अधिकारियों और एजेंटों के खिलाफ किया केस दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने शनिवार को महाराष्ट्र में 33 जगहों पर छापेमारी की। भारी रिश्वत के बदले संदिग्ध पासपोर्ट जारी करने के आरोप में 32 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने मुंबई में आज यह जानकारी दी। सीबीआई ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि इस संबंध में शिकायत मिली थी। इसके बाद जांच एजेंसी ने नासिक के अलावा मलाड और लोअर परेल में पासपोर्ट सेवा केंद्रों में पासपोर्ट विभाग के 14 अधिकारियों के खिलाफ मुंबई और नासिक में 12 मामले दर्ज किए। सीबीआई की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि जिन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है, उनमें 14 पासपोर्ट सहायक, पीएसके के सीनियर पासपोर्ट सहायक और बाकी 18 बाहरी सुविधा एजेंट/दलाल शामिल हैं। ये सभी संयुक्त रूप से भ्रष्टाचार गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके अलावा मुंबई का क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अन्तर्गत आने वाले दोनों शहरों में 33 स्थानों पर छापे मारे गए। आरोपी एक-दूसरे के नियमित संपर्क में थे। ये लोग अपर्याप्त/अधूरे दस्तावेजों के साथ संदिग्ध पासपोर्ट जारी करने या पासपोर्ट आवेदकों के व्यक्तिगत विवरण में हेरफेर करने की साजिश रचते थे। सीबीआई टीम ने विदेश मंत्रालय के पासपोर्ट सेवा कार्यक्रम प्रभाग के सतर्कता अधिकारियों और आरपीओ के अधिकारियों के साथ छापेमारी की।

हम 100 में से 75 लाए, वो 25 में खुद को पास बता रहे

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि हमें 100 में 85

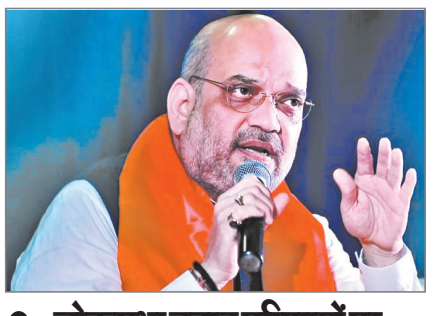

- लोकसभा चुनाव परिणामों पर अमित शाह का कांग्रेस पर हमला

नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत गए। शाह ने कहा कि अकेले भाजपा को चुनाव में पूरे इंडिया ब्लॉक के बराबर सीटें मिली हैं। शाह ने कहा कि आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे। अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह ने दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनावों के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

भूपेंद्र यादव जेडएसआई के 109वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए

कोलकाता,एजेन्सी। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव रविवार को कोलकाता में भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (जेडएसआई) के 109वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए । वे इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह , MoEFCC, मुख्य अतिथि थे। वन महानिदेशक और विशेष सचिव, MoEFCC, जितेंद्र कुमार भी शामिल हुए और सभा को संबोधित किया। बुधवार को कोलकाता प्रेस क्लब में एक कर्टेन-रेजर प्रेस कॉन्फ्रेंस में , जेडएसआई की निदेशक धृति बनर्जी ने 1-3 जुलाई, 2024 को होने वाले एनिमल टैक्सोनोमिक समिट-2024 और वार्षिक पशु और पौधों की खोजों पर दो पुस्तकों के साथ-साथ फौना ऑफ इंडिया चेकलिस्ट पोर्टल के लॉन्च पर प्रकाश डाला। बनर्जी ने बताया कि एनिमल टैक्सोनोमिक समिट-2024 का उद्देश्य उन्होंने यह भी घोषणा की कि भारतीय जीव-जंतुओं की सूची पोर्टल दुनिया की पहली पूर्ण जीव-जंतुओं की सूची होगी, जिससे भारत प्रलेखित जीवों की व्यापक सूची तैयार करने वाला पहला देश बन जाएगा। पशु खोज-2023 में भारत से 600 से अधिक नई पशु प्रजातियाँ और नए रिकॉर्ड शामिल हैं, जबकि पौधों की खोज में देश से 300 से अधिक नई पौधों की प्रजातियाँ और नए रिकॉर्ड शामिल हैं, जिन्हें भारत के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं द्वारा प्रकाशित किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण रिलीज़ में लक्षद्वीप में जीव-जंतुओं की विविधता की वर्तमान स्थिति, भारत के जीव-जंतु-109 बारकोड, होवरफ़्लाइज़ की सूची, मस्किडे की सूची, गोवा के महत्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों की पक्षी-जंतुओं की विविधता और पश्चिमी घाटों के पतंगों और तितलियों पर पुस्तिका और भारत की वनस्पति श्रृंखला शामिल होंगी।

आईसीएआर-एनबीएफजीआर, लखनऊ और जेडएसआई , कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पहली बार भारतीय मछलियों का बारकोड एटलस और शिलादित्य चौधरी और केतन सेनगुप्ता की पुस्तक आरओएआर - सेलिब्रेटिंग 50 इयर्स ऑफ प्रोजेक्ट टाइगर का भी विमोचन किया जाएगा। राज्य मंत्री इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ जूलॉजी (आईएसजेड) का शुभारंभ करेंगे, जिसका उद्देश्य जैव विविधता की वैश्विक समझ और संरक्षण में योगदान देने के लिए व्यक्तियों और संस्थानों की क्षमता को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में जीवों के संसाधनों की खोज और संरक्षण पर जोर देने वाले संदेश शामिल होंगे,हमारे पर्यावरण की सुरक्षा का महत्व, और ंस्ढ्ढके योगदान के लिए ंस्ढ्ढ और विश्वविद्यालयों (जैसे विद्यासागर विश्वविद्यालय, बरहामपुर विश्वविद्यालय, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय), राष्ट्रीय संस्थानों -केंद्रीय संस्थान, पिलानी, गोवा) और घाना वन्यजीव सोसायटी , अफ्रीका के बीच बेहतर समन्वय और आम जनता को लाभ पहुंचाने के लिए 10 से अधिक समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

पर्यावरणीय मुद्दों और नागरिकों तक पहुंचने के ंस्ढ्ढ के प्रयासों पर प्रकाश डालने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रदर्शित किया जाएगा। एनिमल टैक्सोनोमिक समिट-2024 ंस्ढ्ढ द्वारा आयोजित किया जा रहा दूसरा शिखर सम्मेलन है । शिखर सम्मेलन के दौरान, तीन व्यापक विषयों के तहत विचार-विमर्श किया जाएगा- टैक्सोनॉमी, सिस्टमैटिक्स और विकास; पारिस्थितिकी और पशु व्यवहार; और जैव विविधता और संरक्षण । तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन में भारत और विदेश के प्रख्यात वक्ताओं और विशेषज्ञों द्वारा 20 से अधिक पूर्ण/मुख्य व्याख्यान, साथ ही 142 मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ शामिल होंगी। शिखर सम्मेलन का समापन 3 जुलाई, 2024 को होगा। शिखर सम्मेलन की सिफारिशों को जैव विविधता संरक्षण से संबंधित भारत सरकार को अवगत कराया जाएगा।

ZSI की स्थापना 1 जुलाई, 1916 को कोलकाता में एक प्रमुख शोध संस्थान के रूप में की गई थी और वर्तमान में यह केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। ंस्ढ्ढ सर्वेक्षण और अन्वेषण के माध्यम से भारत के जीव संसाधनों का दस्तावेजीकरण करता है, जिससे देश की असाधारण रूप से समृद्ध जीव विविधता के बारे में ज्ञान बढ़ता है।

ग्राम पंचायत के भाजपा प्रमुख, तृणमूल कांग्रेस नेता और चार अन्य से हथियार जब्त

मालदा,एजेनसी। शुक्रवार रात मालदा जिले में एक ग्राम पंचायत के भाजपा प्रमुख, तृणमूल कांग्रेस के एक नेता और चार अन्य को कथित तौर पर एक बन्दूक और गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें संदेह है कि पंचायत प्रमुख और तृणमूल नेता आग्नेयास्त्र बेचने वाले एक गिरोह से जुड़े हुए हैं। सूत्रों ने कहा कि मानिकचक पुलिस को सूचना मिली थी कि हरिपुर फुटबॉल मैदान के पास एक मंदिर के पास अवैध आग्नेयास्त्र बेचे जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ÷पुलिस को देखकर वहां इकट्ठा हुए कुछ लोग भाग गए। हालांकि, पुलिस उनमें से छह को पकड़ने में सफल रही और उनके पास से सात एमएम की पिस्तौल, दो मैगजीन और आठ राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए।÷ मानिकचक ब्लॉक के नजीरपुर ग्राम पंचायत के प्रमुख देबाशीष मंडल और टीएमसी की युवा शाखा की स्थानीय ब्लॉक समिति के सदस्य श्रावण मंडल उन छह लोगों में शामिल थे जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। हमें संदेह है कि वे अवैध आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद के व्यापार में शामिल थे। हमारे अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं,÷ मानिकचक पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक पार्थसारथी हलदर ने कहा। सूत्रों के अनुसार, संजीब मंडल और अनंत मंडल, जिन्हें भी गिरफ्तार किया गया है, देबाशीष को बन्दूक और गोला-बारूद बेचने के लिए मौके पर पहुंचे थे। सूत्रों ने कहा कि पंचायत प्रमुख ने सौदे के लिए संजीब को 12,000 रुपये नकद दिए थे, और यह राशि भी जब्त कर ली गई। पुलिस ने मौके से दो मोटरसाइकिल और पांच सेलफोन भी अपने कब्जे में लिए। भाजपा के मालदा (दक्षिण) संगठनात्मक जिले के महासचिव गौरचंद्र मंडल ने कहा कि देबाशीष की गिरफ्तारी पंचायत प्रमुख के पद से उन्हें हटाने के लिए तृणमूल द्वारा रची गई साजिश का हिस्सा थी। गौरचंद्र ने कहा, ÷तृणमूल पंचायत में विकास परियोजनाओं को रोकना चाहती है।÷मालदा जिले के तृणमूल नेता बबला सरकार ने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के एक वर्ग के झारखंड और बिहार में बन्दूक तस्करों से संबंध हैं। ÷पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। हमारी पार्टी गिरफ्तार तृणमूल नेता के साथ खड़ी नहीं होगी।

हिंदुस्तान पार्क के स्थानीय लोगों की पार्किंग संबंधी समस्याओं के खिलाफ अपील

कोलकाता,एजेन्सी। कोलकाता नागरिकों के एक समूह ने केएमसी आयुक्त धवल जैन और कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल को पत्र लिखकर सड़कों और फुटपाथों पर बेरोकटोक पार्किंग के कारण दक्षिण कोलकाता के एक इलाके में स्थानीय लोगों की दुर्दशा पर प्रकाश डाला है। संकरी गलियों के दोनों ओर कारों की पार्किंग के कारण हिंदुस्तान पार्क में न केवल पैदल चलना या गाड़ी चलाना एक चुनौती है, बल्कि निवासियों ने पार्किंग के कारण होने वाले यातायात जाम और हॉर्न बजाने के कारण होने वाले ध्वनि प्रदूषण की भी शिकायत की है। ÷कोलकाता में नागरिक सेवाओं की गुणवत्ता पर मुख्यमंत्री के 'आक्रोश' के रूप में मीडिया द्वारा वर्णित संदर्भ में, हम यह पत्र आपको संयुक्त रूप से लिख रहे हैं क्योंकि हम जो सेवा चाहते हैं - पार्किंग नियमों का सख्त प्रवर्तन - वह आप दोनों कार्यालयों से संबंधित है। एक गैर सरकारी संगठन के रूप में हमारे अनुभव में पब्लिक के संस्थापक सदस्य प्रदीप कक्कड़ ने लिखा, ÷हिंदुस्तान पार्क, एक आवासीय इलाका जिस पर शहर को गर्व है, में हमारे अवलोकन से पता चलता है कि पार्किंग नियमों के कमजोर प्रवर्तन से कई तरह की समस्याएं पैदा हो रही हैं।÷ जिन मुद्दों पर प्रकाश डाला गया है, उनमें दोपहिया वाहनों को पार्क करने के लिए फुटपाथों का अवैध उपयोग, संकरी सड़कों के दोनों ओर कारों और दोपहिया वाहनों की पार्किंग, जिससे उपलब्ध स्थान कम हो जाता है और असहनीय स्तर तक हॉर्न बजाना, कानून के अनुसार खाली जगह छोड़ने के बजाय सड़क के कोनों तक वाहनों की पार्किंग और पार्किंग अटेंडेंट द्वारा आधिकारिक दर से दोगुना शुल्क लेकर ड्राइवरों को लूटना शामिल है। दक्षिण कोलकाता का एक विशिष्ट इलाका हिंदुस्तान पार्क, जो लेखिका नवनीता देब सेन, भाषाविद् और शिक्षाविद् सुनीति कुमार चट्टोपाध्याय और पूर्व सीएम ज्योति बसु जैसे लोगों का घर था, दुकानों और रेस्तरां वाले एक वाणिज्यिक केंद्र में बदल गया है, जिसके परिणामस्वरूप कारों की आमद हुई है। साथ ही, कई घरों को गिराए जाने और उनकी जगह अपार्टमेंट बनाए जाने के कारण, इलाके में कारों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है। पब्लिक ने आगे बताया कि हालांकि पत्र में एक इलाके की बात की गई है, लेकिन ये समस्याएं शहर के कई इलाकों में व्याप्त हैं, जो समान रूप से प्रभावित हैं और जहां कानूनों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है।

रायगंज सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में जूनियर डॉक्टरों के धरने से ओपीडी प्रभावित

रायगंज/ कोलकाता,एजेन्सी। रायगंज सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आरजीएमसीएच) के बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में शनिवार को आए सैकड़ों मरीज डॉक्टरों से नहीं मिल पाए, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा संचालित स्वास्थ्य प्रतिष्ठान के जूनियर डॉक्टरों ने तृणमूल कांग्रेस की महिला नेता की गिरफ्तारी की मांग को लेकर दूसरे दिन भी अपना धरना जारी रखा। इस अस्पताल में करीब 125 जूनियर डॉक्टर हैं, जिनमें से किसी ने भी शनिवार को काम शुरू नहीं किया। ओपीडी खाली रही और मरीजों को वापस लौटना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि हर दिन करीब 550 मरीज ओपीडी में आते हैं। शुक्रवार की रात एक नाबालिग लड़के के इलाज को लेकर जूनियर डॉक्टरों और लोगों के एक समूह के बीच झड़प हो गई। झड़प में कुछ जूनियर डॉक्टर घायल हो गए।

फेरीवालों ने हटाई कोलकाता की रोडवाली दूकान जानिए क्यों ?

कोलकाता,एजेन्सी। बर्ट्राम स्ट्रीट पर लगभग 15 फीट तक कब्जा करने वाले फेरीवालों ने शनिवार की सुबह अपनी जगह को घटाकर केवल 3 फीट कर लिया और पीछे की ओर डिस्प्ले शेल्फ की ऊंचाई 9 फीट से घटाकर 5 फीट कर दी, लेकिन पुलिस ने उन्हें तब तक अपनी दुकानें खोलने की अनुमति नहीं दी, जब तक कि कोलकाता नगर निगम ने उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं दे दी। बुधवार शाम से ही फेरीवालों की दुकानें बंद हैं, जब कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने इलाके का दौरा किया। शुक्रवार को महापौर फिरहाद हकीम ने मंत्रियों अरूप बिस्वास और मोलॉय घटक, शीर्ष पुलिस अधिकारी और केएमसी आयुक्त धवल जैन के साथ इलाके का दौरा किया और फेरीवालों की यूनियनों से अपनी दुकानें कम करने और सड़क पर जगह खाली करने को कहा। 15 फीट से 3 फीट- सड़क पर जगह खाली करने के लिए फेरीवालों ने अपनी दुकानें हटा लीं गरियाहाट और हातीबागान सहित शहर के अन्य हिस्सों में, फेरीवालों की यूनियनों ने स्वेच्छा से काम किया, जब यह बात फैली कि उन्हें नियमों का पालन करना होगा या बेदखल होने का सामना करना पड़ेगा।

गरियाहाट इंदिरा हॉकर्स यूनियन के महासचिव देबराज घोष ने कहा, ÷मैंने सभी हॉकर्स से कहा है कि वे स्टॉल का आकार 5 फीट × 3 फीट तक सीमित रखें, ताकि विस्थापित लोगों को समायोजित किया जा सके। मैंने सभी से स्टॉल प्लेटफॉर्म पर सामान प्रदर्शित करने और उसके ऊपर शेल्फ़ न लगाने का भी आग्रह किया है।÷ हाटीबागान में भी, हॉकर्स यूनियनों ने स्टॉल से डिस्प्ले की ऊँचाई कम करने और स्टॉल के आकार को विनियमित करने के लिए कहा है। यूनियन नेता प्रभात दास ने कहा, ÷हमने हॉकर्स से खुद को विनियमित करने के लिए कहा है क्योंकि यह समय की माँग है। हम धारा के विपरीत नहीं बह सकते।÷ न्यू मार्केट में, जहाँ अन्य राज्यों से आए प्रवासी हॉकर्स हैं, यूनियनों ने विनियमन करने और केवल उन लोगों को अनुमति देने का निर्णय लिया है जिनके पास बंगाल में पंजीकृत वैध मतदाता पहचान पत्र हैं। हॉकर्स ज्वाइंट एक्शन यूनियन के अध्यक्ष लखी नाथ शॉ ने कहा, ÷मुख्यमंत्री ने स्थानीय युवाओं के लिए आजीविका के रूप में हॉकिंग के बारे में चिंता जताई है। हम भावना की सराहना करते हैं और यह सुनिश्चित करेंगे कि बाहरी लोग यहाँ हॉकिंग न करें।÷ उन्होंने फेरीवालों से भी कहा है कि वे अपना सामान पैक करें और व्यापार के घंटों के बाद उसे साइट से हटा लें। ÷सामान सड़कों या फुटपाथों पर नहीं फेंके जाएंगे। हम अतिक्रमणकारी का टैग नहीं चाहते हैं। यह सच है कि बर्ट्रम स्ट्रीट पर, फेरीवालों के लिए एकमात्र जगह सड़क पर है, लेकिन हमने खुद को सिर्फ 3 फीट तक सीमित रखने का फैसला किया है ताकि इससे मोटर चालकों या पैदल चलने वालों को असुविधा न हो,÷ एक अन्य यूनियन नेता सनी शॉ ने कहा। बर्ट्रम स्ट्रीट के अधिकांश फेरीवालों ने भी कहा कि वे सद्भाव से अपना जीवन यापन करना चाहते हैं और उन्होंने यूनियन नेताओं की हरकतों की निंदा की, जिन्होंने शनिवार को हुमायूं प्लेस में व्यापारियों को परेशान किया और उनके साथ मारपीट की।

न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं, स्वामी नहीं सीजेआई

कोलकाता,एजेन्सी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं, स्वामी नहीं। उन्होंने न्यायाधीशों के बीच अधिक सहानुभूति की वकालत की। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को बिना किसी निर्णय के अपना काम करना चाहिए। सीजेआई ने शहर के टाउन हॉल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ÷न्यायाधीश संविधान के सेवक हैं, स्वामी नहीं।÷ ÷जब मुझे बताया जाता है कि यह न्याय का मंदिर है, तो मैं थोड़ा संकोची हो जाता हूं। एक गंभीर धारणा है कि हमें मंदिर में देवताओं के रूप में माना जाता है। मैं न्यायाधीशों की भूमिका को लोगों के सेवक के रूप में बदल रहा हूं। सर्वोच्च न्यायालय के शीर्ष न्यायाधीश ने कहा, ÷ऐसा करके, आप दूसरों के बारे में निर्णय लेने में करुणा और सहानुभूति की धारणा लाते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में निर्णय नहीं लेते हैं।÷

उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली में कई बाधाएं हैं, लेकिन प्रौद्योगिकी के आगमन के साथ उन्हें कम कर दिया गया है, जो आम लोगों के लाभ के लिए अंग्रेजी से सैकड़ों क्षेत्रीय भाषाओं का अनुवाद कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ÷तकनीक हम सभी को कुछ न कुछ जवाब दे सकती है। ज़्यादातर फ़ैसले अंग्रेज़ी में लिखे जाते हैं। तकनीक ने हमें उनका अनुवाद करने में सक्षम बनाया है। हम 51,000 फ़ैसलों का दूसरी भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं।÷ उन्होंने कहा कि कोविड-19 के दौरान तकनीक की मदद से न्यायपालिका का विकेंद्रीकरण हुआ। उन्होंने कहा कि 51,000 से ज़्यादा फ़ैसलों का अनुवाद वादियों के फ़ायदे के लिए किया गया है, जिनमें बंगाली और उड़िया में फ़ैसले भी शामिल हैं। उन्होंने संवैधानिक दायित्वों की नैतिकता को भी रेखांकित किया। सीजेआई ने ज़मानत याचिकाओं की सुनवाई में सुस्ती पर चिंता जताई और कहा कि यह ÷न्यायिक प्रणाली का मॉडल नहीं है÷। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालयों को यह भी निगरानी करनी चाहिए कि किसी व्यक्ति को ज़मानत देने के उनके आदेश का पालन किया गया या नहीं, क्योंकि नौकरशाही प्रणाली आदेश के त्वरित निपटान को प्रभावित करती है। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि आपराधिक मामले में किसी को सज़ा सुनाते समय भी न्यायाधीशों को करुणा की भावना के साथ ऐसा करना चाहिए, क्योंकि आखिरकार एक इंसान को सज़ा दी जा रही है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ÷इसलिए संवैधानिक नैतिकता की ये अवधारणाएं, जो मुझे लगता है कि महत्वपूर्ण हैं, न केवल सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के लिए बल्कि जिला न्यायपालिका के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि आम नागरिक की भागीदारी सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण रूप से जिला न्यायपालिका के साथ शुरू होती है।÷

जमीन पर 100 साल तक कब्जा करने से उस पर अधिकार नहीं हो जाता, कोलकाता हाई कोर्ट का अहम फैसला

कोलकाता,एजेन्सी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़े एक मामले में कहा कि किसी जमीन पर 100 साल तक अवैध तरीके से कब्जा करके रखने से उसपर अधिकार नहीं हो जाता। मामला कोलकाता के माजेरहाट इलाके में कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की जमीन पर अवैध कब्जे से जुड़ा है। इसे लेकर हाई कोर्ट में मामला दायर किया गया था। न्यायाधीश अमृता सिन्हा की एकल पीठ ने उक्त जमीन से अवैध निर्माण को हटाने का निर्देश दिया था।

पुलिस जब अवैध निर्माण हटाने पहुंची थी, तब उसे स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा था। अवैध निर्माण से जुड़े लोगों ने एकल पीठ के फैसले को खंडपीठ में चुनौती देते हुए कहा था कि वर्षों से वहां पर निर्माण है।

जमीन पर 100 साल तक कब्जा करने से उसपर अधिकार नहीं होता

इसपर मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम व न्यायाधीश हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने क्षोभ व्यक्त करते हुए कहा कि किसी जमीन पर 100 साल तक कब्जा करके रखने से उसपर अधिकार नहीं हो जाता। खंडपीठ ने इस मामले में राज्य सरकार व कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट को हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

कोलकाता में आठ ठिकानों पर ईडी की छापेमारी, करोड़ों रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ताबड़तोड़ कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को 2021 के मनी लॉन्ड्रिंग मामले से संबंधित कोलकाता में कई स्थानों पर छापेमारी की। पहले इस मामले की जांच सीबीआई कर रही थी। सूत्रों ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामले में जो छापेमारी की गई है उसका कुछ विदेशी संबंध भी है।

ईडी की टीमों को सुरक्षा दे रहे जवान

शहर में आठ अलग-अलग स्थानों पर समानांतर छापेमारी और तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं, जिसमें न्यू अलीपुर, जोधपुर पार्क स्थित साउथ सिटी आवासीय परिसर, लेक टाउन और जादवपुर भी शामिल है। ईडी की टीमों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवान सुरक्षा दे रहे हैं।

सूत्रों ने बताया कि मामले में मुख्य आरोप विभिन्न मल्टी-लेवल मार्केटिंग योजनाओं के तहत अवैध रूप से सार्वजनिक जमा राशि इकट्ठा करने से संबंधित है, जैसा कि सारधा समूह और रोज वैली समूह जैसे चिटफंड घोटाले के मामलों में हुआ था।

इन शहरों में की गई थी जमा वसूली

बंगाल के अलावा ओडिशा, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में भी इस तरह की जमा वसूली की गई। इन राज्यों के विभिन्न शहरों में ऑपरेटरों के दफ्तरों और एजेंटों के नेटवर्क फैले हुए हैं। इस मामले में वित्तीय संलिप्तता सैकड़ों करोड़ रुपये की है।

मेयर गौतम देब का दावा- कांग्रेस द्वारा संचालित नगर निगम का ट्रैक रिकॉर्ड वाम दलों से बेहतर

मेयर गौतम देब ने शनिवार को दावा किया कि सिलीगुड़ी नगर निगम (एसएमसी) में तृणमूल कांग्रेस द्वारा संचालित वर्तमान बोर्ड ने शहर में अनधिकृत निर्माण के मामलों को संभालने में पूर्ववर्ती वाम मोर्चा बोर्ड से बेहतर प्रदर्शन किया है।एसएमसी की मासिक बोर्ड बैठक में मेयर ने कहा, ÷जब से हमने पदभार संभाला है, हमने अवैध निर्माण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि हमने 2015 से 2021 तक नगर निकाय में सत्ता में रहने वाले वाम दलों की तुलना में कई अधिक इमारतों को ध्वस्त किया है।÷

उनके अनुसार, इस साल मार्च 2023 से 27 जून तक, टीएमसी द्वारा संचालित बोर्ड ने अवैध निर्माण के 398 मामलों की पहचान की थी। ÷हमने 2023 में 106 अनधिकृत संरचनाओं और इस साल 1 जनवरी से जून तक 69 अन्य अवैध इमारतों को ध्वस्त कर दिया था। लेकिन जब वामपंथी सत्ता में थे, तो उन्होंने अनधिकृत निर्माण के मालिकों को 64 नोटिस दिए थे और केवल 18 संरचनाओं को ध्वस्त कर सके, ÷मेयर ने एसएमसी में वामपंथी पार्षद दीप्ता करमाकर द्वारा उठाए गए एक सवाल के जवाब में कहा। देब का यह बयान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा सिलीगुड़ी में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण के लिए नबान्ना में एक प्रशासनिक बैठक के दौरान सार्वजनिक रूप से उन्हें फटकार लगाने के पांच दिनों के भीतर आया है।

शनिवार को बोर्ड की बैठक में, मेयर ने यह भी कहा कि एसएमसी उन लोगों के खिलाफ कदम उठा रही है जो पार्किंग स्थलों और छतों का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग कर रहे हैं। देब ने कहा, ÷ऐसी खबरें हैं कि लोग नालियों को कंक्रीट के स्लैब से ढक रहे हैं और फिर उस जगह का इस्तेमाल दुकानों या स्टॉल के लिए कर रहे हैं। कुछ इमारतों में, छतों को ट्रस से ढककर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इन्हें रोका जाएगा।÷ भाजपा पार्षद और एसएमसी में विपक्ष के नेता अमित जैन ने मेयर से अनुरोध किया कि वे फेरीवालों के लिए उचित पुनर्वास कार्यक्रम तैयार किए बिना उनके खिलाफ कोई कठोर कदम न उठाएं। बंगाल के अन्य शहरों की तरह, एसएमसी ने भी अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया। मेयर ने कहा, ÷हम अतिक्रमण हटाएंगे। लेकिन साथ ही, हम फेरीवालों के पुनर्वास की नीति पर भी काम करेंगे।÷

कई परीक्षाओं के पेपर लीक कर चुका है नीट सॉल्वर गैंग, जानें गिरोह का मोडस ऑपरेंडी

पटना एजेंसी। नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रही आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) की अबतक की जांच में यह जानकारी सामने आई है कि नीट के पहले भी गैंग ने बिहार की दूसरी परीक्षाओं में सेटिंग करवाई थी। इसमें सिपाही भर्ती, शिक्षक भर्ती के अलावा कुछ अन्य परीक्षाएं शामिल हैं। ईओयू ने अबतक 16 से अधिक चेक, 6 पासबुक और 5 से अधिक एटीएम कार्ड बरामद किए। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के कुछ स्लिप भी मिले हैं। इनकी तफ्तीश में 10 करोड़ रुपये से अधिक के लेनदेन के प्रमाण मिले हैं। साथ ही बरामद करीब तीन दर्जन एडमिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, अंक पत्र समेत कई प्रमाण पत्र भी मिले हैं।

पांच मई को आयोजित नीट में पेपर लीक होने की जानकारी मिलने के बाद पटना पुलिस और ईओयू की टीम ने पटना के एजी कॉलोनी, बेली रोड और राजवंशी नगर मोड़ में कई आरोपितों के ठिकानों पर छापेमारी की थी। इसमें नीतीश कुमार, अमित आनंद, अखिलेश कुमार, सिकंदर समेत अन्य के ठिकाने शामिल हैं। यहां से जो दस्तावेज और चेक मिले, उनके बारे में ईओयू का मानना है कि ये अलग-अलग परीक्षाओं में शामिल अभ्यर्थियों से लिए गए थे। कुछ सिक्योरिटी मनी, तो कुछ एडवांस के तौर पर लिए गए चेक हैं। सेटिंग के अधिकांश लेनदेन कैश में ही हुए हैं। इस वजह से जांच एजेंसी को यह पता करने में खासा समस्या आ रही है कि कितनी राशि सेटिंग के इस पूरे खेल में शामिल है। सिपाही, शिक्षक भर्ती और नीट लीक की जांच कर रही ईओयू इन गिरोहों का लिंक तलाशने में जुटी है।

अब तक की जांच में यह भी स्पष्ट हुआ है कि भर्ती परीक्षाओं के तंत्र में घुसपैठ में दो स्तरों पर गिरोह सक्रिय हैं। परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक करने वाला मुख्य माफिया या सेटर गिरोह अलग-अलग है। लेकिन दूसरे स्तर पर अभ्यर्थी खोजने, पैसा डील करने और तय होने के बाद विद्यार्थियों को फायदा पहुंचाने के मामले में सक्रिय गिरोहों के तार आपस में जुड़े हुए हैं। ऐसी आशंका है कि नीतीश, अमित आनंद और अखिलेश ने बीपीएससी शिक्षक बहाली के लिए संजीव मुखिया और उसके बेटे डॉ. शिव के गिरोह से संपर्क साध कर प्रश्न-पत्र प्राप्त किया था। वहीं, नीट का प्रश्न-पत्र प्राप्त करने के लिए उसने अतुल वत्स और अंशुल सिंह के करीबी चिंटू समेत अन्य का सहारा लिया।

आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) को नीट पेपर लीक मामले के अलावा अन्य परीक्षाओं में शामिल अभ्यर्थियों के भी दस्तावेज या चेक या पासबुक मिले हैं। ये अभ्यर्थी संबंधित परीक्षा में सफल हुए या नहीं, इसकी जांच की जाएगी। नीट के अलावा विधान परिषद नियुक्ति व सिपाही बर्थी समेत कई अन्य परीक्षाओं के अभ्यर्थियों के भी दस्तावेज बरामद हुए हैं।

मुजफ्फरपुर में रहता था अतुल: नीट पेपर लीक मामले में अतुल वत्स का नाम चर्चा में है। वह जहानाबाद के घोसी थाना अंतर्गत बंधुगंज गांव का रहने वाला है। कहा जाता है कि छह - सात साल की उम्र में ही उसका बंधुगंज (जहानाबाद) से नाता टूट गया था और वह अपने पिता अरुण केसरी के साथ मुजफ्फरपुर में रहता था। मामला उजागर होने पर अतुल के परिजनों ने इस बात की पुष्टि की है। इधर अतुल वत्स के चाचा मुरारी शर्मा, चचेरा भाई गौरी शंकर शर्मा और गांव के कुछ पड़ोसियों का कहना है कि अतुल संभवत वर्ष 1989 के बाद बंधुगंज से चला गया। उसके बाद वह यहां नहीं आया।

पेपर लीक करवाने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा लागू किये गए कानून की प्रशंसा करते हुए जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा है कि परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा नया कानून लाया गया है। इससे पेपर लीक करवाने वाले माफियाओं में बेचैनी है। उन्हें पता चल गया है कि यह कानून उनके लिए काल बनने वाला है। परीक्षाओं में गड़बड़ी करने वाले लोगों को एनडीए सरकार किसी भी कीमत पर बख्शने वाली नहीं है।

जदयू प्रवक्ता ने कहा कि इस कानून के लागू होने से परीक्षा माफिया के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वाले कुछ खास नेताओं के भी हाथ-पांव फूल गये हैं। सदमे से घिरे यह नेता अब जल्दी ही इस कानून के खिलाफ भी दुष्प्रचार करते नजर आ सकते हैं। यह लोग जान लें कि अब उनकी दाल गलने वाली नहीं है। युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर उनकी जेब भरने का यह क्षेत्र भी बंद होने वाला है।

विजय सिन्हा बोले- नीट पेपर लीक में आरजेडी की भूमिका नई बात नहीं, लालू राबड़ी राज की याद दिलाई: दरअसल तेजस्वी यादव पर बीजेपी और जेडीयू के नेता पहले से ही हमलावर हैं। तेजस्वी के सहायक प्रीतम का मास्टरमाइंड सिकंदर यादवेंदु से करीबी संबंधों को लेकर बीजेपी तेजस्वी यादव को नीट परीक्षा में धांधली प्रकरण में घसीट रही है। प्रीतम ने ही सिकंदर के लिए सरकारी गेस्ट हाउस में फोन करके कमरा बुक कराया था। इस मामले की ईओयू जांच कर रही है। प्रीतम को कभी भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

शिविर में उत्साह के साथ लोगों ने किया रक्तदा

बक्सर, एजेंसी। शहर के निजी संस्थान में आयोजित शिविर में रक्तदान करता युवक व उपस्थित सिविल सर्जन सुरेशचंद्र सिन्हा। ब्लड ब्यूटीफुल लाइफ ओनली ऑन डोनेशन ब्लड की ओर से नगर के पीपी रोड स्थित इंद्रलोक वाणी रेडियो केंद्र के प्रियेश के सहयोग से मध्य लोहंडी भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन सिविल सर्जन, रेडक्रॉस के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल और शिवजी खेमका ने किया। जिसमें दीपक अग्रवाल, संजय चौधरी, सनी जायसवाल, बिनोद माली, भारत चौधरी, डॉ.ओपी वर्मा, सहायक संतोष कुमार, जेड खान, सतेंद्र कुमार आदि ने उत्साह के साथ रक्तदान किया। इस दौरान हर उम्र लोगों में उत्सुकता देखी गई। इनके अलावा राजा बाबू, सुनील कुमार वर्मा, सुहैल सिद्दीकी, सौरभ, लालबाबू पांडेय, राजा शहनाज, बिट्टू कुमार गुप्ता, तरुण सिंह, अभिषेक लोहिया, निर्मल कुमार, मोहित कुमार, प्रभात कुमार, अखिलेस राय, राज चौधरी, आत्मानंद पांडेय आदि ने भी रक्तदान किया।

चमिली में धूमधाम से मना मां काली का वार्षिकोत्सव

बक्सर, जिले के इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत चमिली गांव में मां काली की वार्षिक पूजा धूमधाम से मनाई गई। जिसमें गांव के लोग शामिल हुए। काली मां की पूजा में प्रसाद के रूप में गुलौरा चढ़ाने की प्रथा है। साथ ही, मिठाई और फल भी चढ़ाया जाता है। उसके बाद गांव के लोग सामूहिक रूप से हवन करते हैं। यह पूजा ज्येष्ठ की पूर्णवासी को उदया तिथि में होती है। जिसमें संयोजक सह भाजपा नेता सुमन श्रीवास्तव, धन्नू लाल, सुरेन्द्र लाल, बृजेश लाल, विजय लाल, मुन्ना लाल, बबलू लाल, छोटू लाल, प्रिंस लाल, योगेन्द्र कमकर, पप्पू यादव, महेश शर्मा, रतन सिंह, राकेश यादव के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

कुलपति के लौटने के बाद होगी बिजली मुद्दे पर बैठक

भागलपुर, एजेंसी। टीएमबीयू में कुलपति प्रो. जवाहर लाल के मुख्यालय लौटने के बाद बिजली मुद्दे पर बैठक होगी। इसके लिए विवि की तरफ से बिजली विभाग को पत्र लिखा जाएगा। इसके लिए जरूरी निर्देश कुलपति ने दिए हैं, ताकि जल्द ही बिजली बिल और विवि की जमीन पर ग्रिड के किराए का समायोजन हो सके।

नाले के स्लैब के बीच लोहे की जाली से हो रही परेशानी

भागलपुर। एजेंसी। नगर निगम की ओर से विभिन्न वार्डों की नाली की सफाई के लिए स्लैब के बीच लोहे की जाली लगाई जा रही है। यह जाली लोगों के लिये परेशानी की सबब बनने लगी है। एक तो इसकी वजह से नाली काफी जल्द कूड़े से भर जा रही है। वहीं, लोहे की जाली से गाड़ियों के गुजरने के बाद दब जा रही है। इसमें लगे लोहे की सरिया भी टूट जा रही है।

अपहृत युवती का मामला प्रेम प्रसंग में तब्दील

बक्सर, एजेंसी। स्थानीय थाना में तीन माह पहले एक युवती के अपहरण को लेकर दर्ज कराया गया मामला प्रेम प्रसंग में तब्दील हो गया। पुलिसिया दबिश के बाद शनिवार को थाने में समर्पण की युवती ने रहस्य से पर्दा उठा दिया। युवती ने पिता द्वारा अपहरण के लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। पुलिस के समक्ष उसने बाजाप्ता कबूल किया कि वह अपनी मर्जी से गई थी तथा प्रेमी से मंदिर में शादी भी कर ली है। युवती के बयान के बाद प्रेम-प्रसंग के चर्चित इस मामले में पर पूरी तरह विराम लग गया।

थाना क्षेत्र के एक गांव से तीन माह पहले एक युवती अचानक लापता हो गई थी। उस वक्त परिजनों ने युवती की स्थानीय गांवों सहित करीबी रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की थी, लेकिन युवती का सुराग नहीं मिला। इसी बीच परिवार वालों को युवती के अपहरण होने की जानकारी मिली। इसके बाद युवती के पिता ने 22 मार्च को कृष्णाब्रह्म थाना में अपनी युवती के अपहरण होने का मामला दर्ज कराया दिया। पिता ने प्राथमिकी में ब्रह्मपुर निवासी पवन वर्मा को नामजद अभ्युक्त बनाया था। मामला अपहरण का होने के कारण स्थानीय पुलिस केस दर्ज कर आरोपित युवक और अपहृत युवती की तलाश में जुट गई। इसी दरम्यान, तीन माह बाद यानी शनिवार को अपहृत युवत अचानक कृष्णाब्रह्म थाना पहुंच गई।

पटना में प्रॉपर्टी डीलर की गोलियों से भूनकर हत्या, बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग

पटना एजेंसी। बिहार के पटना सिटी इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक प्रॉपर्टी डीलर की सात से आठ अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अपराधियों के अंदर इतना गुस्सा भरा था कि उन लोगों ने अरुण के शरीर में एक दर्जन तक गोलियां उतार दीं। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना पटना के नालंदा मेडिकल कॉलेज से आगे स्थित मालिया महादेव इलाके की है।

गोलीबारी से आसपास अफरा तफरी का माहौल बन गया है। घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी गई तो घटना स्थल पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने शव को गिरफ्त में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस के अनुसार यह इलाके का बड़ा जमीन माफिया था। इससे पहले भी इसके ऊपर कई आरोप लग चुके थे। इसके ऊपर मेयर सीता साहू के बेटे शिशिर पर गोली चलाने का आरोप लगा था। अरुण कुछ दिन पहले ही जेल से छूटकर आया था।

सुबह तकरीबन सात बजे अरुण अपने घर के आसपास ही था। तभी अचानक सात आठ अज्ञात लोगों ने उसे घेर लिया। अरुण इससे पहले कुछ समझ पाता कि उसके ऊपर इन बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इससे अरुण को भागने या पलटकर जबाव देने का मौका ही नहीं मिला। और दर्जन भर गोलियां लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि अरुण इलाके में होने वाले सामाजिक कार्यों में काफी सक्रीय रहता था। वह प्रॉपर्टी डीलिंग के अलावा पहले पुलिस के लिए मुखबिर का भी काम करता था। अरुण अभी कुछ समय पहले ही पटना सिटी इलाके में शिफ्ट हुआ था।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा बिहार का एक और पुल

मोतिहारी में निर्माणाधीन ब्रिज ध्वस्त

मोतिहारी एजेंसी। बिहार में पुलो के ढ़हने का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा है। अररिया व सीवान के बाद शनिवार रात पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन प्रखंड के अमवा में बन रहा आरसीसी पुल निर्माण के साथ ही भड़भड़ा कर गिर गया। पुल का निर्माण ग्रामीण कार्य विभाग ढ़ाका प्रमंडल की देख रेख में किया जा रहा था।

पुल की कुल लंबाई 17.95 मीटर है। इसके बनने में खर्च होने वाली अनुमानित लागत को 15921602 रुपये बताया जा रहा है। इस पुल को ग्रामीण कार्य विभाग की देखरेख में बनाया जा रहा है। पुल निर्माण की जिम्मेदारी धीरेंद्र कंस्ट्रक्शन को मिली थी। वही इसके निर्माण में लगा हुआ था।

गांव के लोग पुल के बनने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि पुल बनने में जिस स्तर का माल प्रयोग होना चाहिए था, वैसा नहीं किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सस्ते और घटिया क्वालिटी के माल का इस्तमाल करने के कारण ही ऐसा हुआ है। इसके पीछे एक ही वजह है और वह है भ्रष्टाचार। ग्रामीण गोविंद गुप्ता, सरोज दास,अभय सिंह, बंटी तिवारी, तूफान सिंह, बबलू कुमार, प्रदीप सिंह आदि ने बताया कि पुल निर्माण में घटिया बालू,सीमेंट एवं मानक के अनुरूप कंक्रीट का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि ढ़लाई के लिए लगाया गया सेन्ट्रिग भी कमजोर था। सेन्ट्रिग में मानक के अनुरूप पाईप का उपयोग नहीं किया गया था।

ग्रामीण कार्य विभाग के एक्सक्यूटिव इंजीनियर एस एन मंडल इससे अलग राय रखते हैं। वो कहते हैं कि पुल गिरने की वजह शरारती तत्वों की गतिविधियां है। उनने कहा कि ढ़लाई के बाद पुल के साथ छेड़छाड़ की गई है। उसके बेस के साथ किसी ने छेडछाड़ करके गिराने की कोशिश की है। उन्होंने फोन से बातचीत पर बताया कि शाम में पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका था रात्री मे किसी ने सेंन्ट्रिग के साथ छेडछाड की जिससे पुल ध्वस्त हो गया। आपको बता दें बिहार में इससे पहले भी कई पुल गिर चुके हैं। इस कारण बिहार की छवि को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे वहां के प्रशासन और निर्माण कार्यों में शामिल लोगों के प्रति प्रश्न चिन्ह खड़ा होता है कि आखिर क्यों इस तरह से आए दिन पुल गिर जाते हैं।

मां की डांट के डर से 13 साल के लड़के ने रची खुद के अपहरण की साजिश, पुलिस को चढ़वा दिया पहाड़

कैमूरएजेंसी। बिहार के कैमूर जिले से चौंकाने वाला सामने आया है। यहां एक 13 साल के लड़के ने खुद के अपहरण की झूठी साजिश रच दी। पुलिस उसकी तलाश में पहाड़ पर पहुंच गई। बताया जा रहा है कि चाचा के साथ नीरा पीने के बाद वह रास्ता भटक गया था और पहाड़ी पर चला गया था। फिर मां की डांट के डर से उसने फोन कर अपहरण की कहानी सुनाई। आनन-फानन में पुलिस उसे बरामद कर वापस लेकर आई। पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो सच सामने आया।

रामपुर के एसडीपीओ शिवशंकर कुमार ने शनिवार को इसकी दी। उन्होंने बताया कि डायल 112 नंबर वैन की पुलिस को सूचना मिली कि अपराधी एक किशोर का अपहरण कर पहाड़ पर ले गए हैं। पुलिस द्वारा उसे बरामद कर रामपुर सीएचसी में इलाज कराया गया। यहां पर कुछ लोगों ने उसके बयान का वीडियो क्लिप बनाया था, जिसमें किशोर द्वारा अपहरण करने एवं नशीली दवा खिलाने की बात कही जा रही है।

किशोर ने बताया था कि उसे अपराधी ले गए और नशा की गोली खिला दी। सूचना देकर बच्चे के गार्जियन को बुलाया गया। पूछताछ के दौरान बच्चे ने पुलिस को बताया कि अज्ञात अपराधी उसका हाथ-पैर बांधकर ले गए। बदमाशों ने उसे बेहोश करने वाली दवाई खिलाई। उसके मोबाइल पर चाचा का फोन आया तो चाचा को बताया कि तीन-चार लोगों द्वारा जान मारने के लिए पहाड़ पर लाया गया है। उसके बाद चाचा पुलिस के साथ आए और उसे पहाड़ से उतारकर अस्पताल लाए।

पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह अपने पापा के ननिहाल उचिनर नेवता देने के लिए चाचा सतेन्द्र कुमार के साथ गत 20 जून को गया था। रास्ते में चाचा के साथ ज्यादा नीरा पी ली। जैसे ही उचिनर पहुंचा तो चाचा के मोबाइल पर मौसेरी बहन का फोन आया। उससे बात करते हुए पहाड़ी पर चला गया। कुछ देर बाद चक्कर आने लगे और आंख के सामने अंधेरा छा गया। कुछ समय के बाद होश आया तो खुद को पहाड़ी पर पाया। वह नीचे उतरने में असमर्थ था। फिर उसने डर के मारे अपनी मां के मोबाइल पर फोन कर अपहरण की झूठी बात कही।

14 जिलों की सवा करोड़ गाड़ियों की अगले माह से खंगाली जाएगी कुंडली

पटना, एजेंसी। एक जुलाई से 14 जिलों की सवा करोड़ गाड़ियों की कुंडली खंगाली जाएगी। एक क्लिक पर ही किसी भी गाड़ी के इतिहास का पता चल जायेगा। 30 जून के बाद सभी जिले को तीन से पांच एमवीआई और तीन से आठ मोबाइल दारोगा मिल जाएंगे। प्रत्येक जिले में अतिरिक्त एमवीआई की तैनाती होने के बाद प्रदूषण में कंट्रोल, राजस्व में इजाफा, ओवरलोडिंग, फर्जीवाड़ा, शराब तस्करी समेत कई अन्य तरह के गैरकानूनी कार्यों में सीधे तौर पर तुरंत लगाम लग जाएगा।

अभी विशेष कार्य पदाधिकारी परिवहन विभाग, पटना के सौजन्य से चल रहे दूसरे चरण के दो सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए सभी एमवीआई और मोबाइल दारोगा को भेजा गया है। पूरे बिहार में प्रत्येक माह 10 लाख छोटी-बड़ी गाड़ियों की बिक्री होती है। लेकिन इनमें से 60 फीसदी की संख्या में गाड़ी की बिक्री भागलपुर, कोसी-सीमांचल और बेगूसराय जिले में होती है। पटना के बाद सीमांचल के पूर्णिया में चार चक्का गाड़ियों के शोरूम अधिक हैं। इसका कारण यह भी है कि पश्चिम बंगाल और पड़ोसी देश नेपाल के लोग भी पूर्णिया से ही गाड़ी खरीदकर जाते हैं। प्रतिदिन यातायात और स्थानीय पुलिस के द्वारा सिर्फ हेलमेट का ही फाइन काटकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। एक आंकड़े के अनुसार सिर्फ 13 जिलों में पांच लाख की संख्या में ऐसी गाड़ी हैं, जिनके कागजात दुरुस्त नहीं हैं। 90 फीसदी गाड़ी का प्रदूषण प्रमाणपत्र फेल रहता है। प्रदूषण को लेकर 10 हजार रुपये तक फाइन का प्रावधान है। हजारों की संख्या में गाड़ियों के एक भी कागज ऑनर के पास उपलब्ध नहीं है। इस तरह के तमाम मामलों को लेकर बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी में परिवहन विभाग की टीम के सदस्य लगे हुए हैं। ग्रामीण इलाकों में इसकी स्थिति और भी बदतर है। एक बार जो गाड़ी निकालकर जाते हैं। फिर दोबारा कभी नहीं आते हैं। पूर्णिया में मरंगा के एक शोरूम मालिक ने बताया कि उनके शोरूम से सैकड़ों की संख्या में गाड़ी लेकर जाने वाले लोग कभी भी दोबारा लौटकर नहीं आया। उनकी गाड़ियों में सिर्फ रजिस्ट्रेशन ही है। भागलपुर में 04, पूर्णिया में 03, कटिहार में 02, मुंगेर में 04, जमुई में 02, बांका में 05, किशनगंज में 02, लखीसराय में 02, अररिया में 03, बेगूसराय में 04, खगड़िया में 03, सहरसा में 03, सुपौल में 02 और मधेपुरा जिले में 02 एमवीआई की तैनाती की गई है।

जून की कमी जुलाई में पूरी करेगा मॉनसून, ला नीना के कारण होगी मूसलाधार बारिश

पटना एजेंसी। लाखों लोगों को चिलचिलाती गर्मी का सामना कर पड़ा रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए अपने खेतों में पानी का इंतजार है। इस बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने अपने नए पूर्वानुमान में कहा है कि मॉनसून 3 जुलाई तक पूरे देश में फिर से बढ़ना शुरू करेगा और उत्तर-पश्चिम भारत में बरसने लगेगा। इससे दिल्ली के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा जैसे कृषि प्रमुख राज्य शामिल हैं। आपको बता दें कि 11 जून के बाद से मॉनसून की रफ्तार सुस्त हो चुकी है। गुरुवार को मध्य भारत के कुछ हिस्सों में ही यह थोड़ा आगे बढ़ी है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा, हमें जुलाई के पहले सप्ताह के आसपास अच्छी रिकवरी की उम्मीद है और जून से हुई कमी उस अवधि के दौरान पूरी हो जाएगी।

अगले 3-4 दिनों में यहां होगी बारिश

अगले 3-4 दिनों के दौरान मॉनसून के गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, ओडिशा, गंगा के तटीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के शेष हिस्सों, झारखंड के कुछ हिस्सों, बिहार के कुछ और हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने की उम्मीद है। मौसम एजेंसी ने यह बी भविष्यवाणी की है कि 27 जून से यह उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में जोर पकड़ेगा।

आईएमडी के पूर्वानुमान में कहा गया है, इस दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधि सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

ला नीना कराएगा भारी बारिश

आईएमडी ने यह भी कहा है कि वर्तमान में अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) की स्थितियां बनी हुई हैं। अगस्त के आसपास ला नीना विकसित होने की उम्मीद है। अल नीनो भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र का चक्रीय वार्मिंग है, जो दुनिया भर के मौसम पर एक व्यापक प्रभाव डालता है। भारत में यह आमतौर पर कमजोर मॉनसून के मौसम का कारण बनता है। ला नीना इसके विपरीत घटना है। इसके कारण भारतीय उपमहाद्वीप में अधिक बारिश होती है। मौसम विज्ञानी एम राजीवन ने कहा, मॉनसून फिर से सक्रिय हो रहा है। जुलाई के पहले सप्ताह तक मॉनसून आ जाएगा। हमें अगले 2-3 सप्ताह तक अच्छी बारिश की उम्मीद करनी चाहिए। सामान्य से अधिक मॉनसून वाली बारिश होगी। हमें अगस्त में ला नीना के कारण सामान्य से अधिक बारिश की उम्मीद करनी चाहिए। आपको बता दें कि मॉनसून की प्रगति लगभग नौ दिनों से रुकी हुई थी। शनिवार तक मॉनसून की उत्तरी सीमा नवसारी, जलगांव, मंडला, पेंड्रा रोड, झारसुगुड़ा, बालासोर, हल्दिया, पाकुर, साहिबगंज और रक्सौल से होकर गुजरी। आईएमडी को अगले 3-4 दिनों में उत्तरी अरब सागर, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मॉनसून के आगे बढ़ने की उम्मीद है।

बिहार में सरकारी बस से शराब की तस्करी, दिल्ली से पटना आ रही गाड़ी के ड्राइवर और खलासी धराए

पटना एजेंसी। शराबबंदी वाले बिहार में अब सरकारी बस से भी दारू की तस्करी होने लगी है। दिल्ली से पटना चलने वाली बीएसआरटीसी की लग्जरी बस से शराब की तस्करी का मामला सामने आया है। इसकी खबर परिवहन विभाग के अधिकारियों को मिल गई। उनकी सूचना पर गुरुवार शाम साढ़े सात बजे पटना एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने छापेमारी कर दो ड्राइवर और एक खलासी को गिरफ्तार कर लिया। ये तीनों बिहार रोडवेज के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने रोडवेज बस की डिक्की से शराब भी बरामद की।

पकड़े गए ड्राइवरों में एक हिमाचल प्रदेश के अंबा का रहने वाला जनक राम, दूसरा यूपी के हाथरस का निवासी सुशील कुमार और भोजपुर निवासी खलासी चंदन कुमार शामिल है। एयरपोर्ट के प्रभारी थानेदार मनोज कुमार ने बताया कि बस की पिछली डिक्की से 63 बोतल विस्की और पांच केन बीयर बरामद की गई। सभी को प्लास्टिक में पैक कर रखा गया था। पुलिस ने शुक्रवार को तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया। चालक और खलासी मोतिहारी के एक माफिया के ऑर्डर पर शराब लाते थे। इसके बदले उन्हें रुपये मिलते थे। इसी बीच सूचना पर परिवहन विभाग के अफसरों ने एयरपोर्ट थाने की पुलिस को खबर दी।

इटकी में आयोजित विधिक सेवा सह शक्तिकरण शिविर में लाखों का परिसंम्पति का वितरण

इटकी प्रतिनिधि इटकी प्रखंड मुख्यालय के सभागार में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा आयोजित प्रखण्ड स्तरीय विधिक सेवा सह शक्तिकरण शिविर में लाभुकों के बीच लाखों की परिसंम्पति का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला जुडिस्यर मजिस्टेट मनोज कुमार इंदवार ने गरीब और मजबूर तबके के लोगों को निःशुल्क कानूनी सेवा की प्रक्रिया को विस्तार पूर्वक जानकारी दी और लोगों को इसका लाभ उठाने पर जोर दिया। इस दौरान जुडिस्यर मजिस्टेट इंदवार ने मनरेगा सहित विभिन्न योजनाओं के लाखों के परिसंम्पति का वितरण लाभुकों के बीच किया। इसके पूर्व महिलाओं ने मुख्य अतिथि को पारंपरिक रीति- रिवाज के साथ स्वागत गान और तिलक और फुलों का माला पहना कर स्वागत किया। इसके बाद बीडीओं शशि निलिमा डुंगडुंग ने अंगवस्त्र देकर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया। इसके बाद जुडिस्यर मजिस्टेट इंदवार ने कार्यक्रम को द्वीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मनरेगा योजना के तहत 18 लाभुकों को बिरसा सिंचाई कुप,16 लाभुकों को हरित ग्राम योजना के तहत आम वागवानी, 12 मजदूरों को जॉब कार्ड, मुख्यमंत्री पशु योजना से 15 लाभुकों बतख के चुजा, विभिन्न महिला समितियों करीब पांच लाख का चेक,सामाजिक सुरक्षा पेशन योजना के पांच लाभुकों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम में बीडीओ शशि निलिमा डुंगडुंग, थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, प्रखंड पंचायत राज अधिकारी रईस मलिक, बीएसओ हेमन्त टोप्पो, पशु पालन अधिकारी शिवानंद कांशी, वीपीओ संजय साहू, नाजीर चंदन तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, रोजगार सेवक, महिला समिति सदस्य सहित लाभुक और ग्रामीण उपस्थित थे।

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

रातू – जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची के द्वारा रविवार को रातू प्रखण्ड सभागार में विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी राज कुमार पांडेय ने विभिन्न पंचायतो से आये ग्रामीणों को उनके अधिकार के बारे बताया गया तथा विधिक सेवा आम लोगो कैसे कानूनी सहायता करता है उसके बारे में जानकारी दिया। इसके उपरांत बीडीओ सह सीओ रवि कुमार ने 524 लाभूको के परिसंपती का वितरण किया। जिसमें 254 महिला समूह को 1.85 करोड़ की ऋण, 24 लोगो को अबुआ आवास, 35 लोगो को सर्वजन पेंशन, दस किसान को केसीसी स्वीकृति प्रमाण पत्र दिया गया। कार्यक्रम का संचालन तैयब अंसारी ने किया। मौके पर समेकित बाल विकास विभाग की पर्यवेक्षिका रंजना कुमारी, बीटीएम मुनी कुजूर, किरण देवी, पीएलवी पुष्पलता देवी, सुनीता देवी, दिनबंधु बेदिया, मुखिया अनील तिर्की, सुखदेव उरांव, सविता तिर्की, लक्ष्मी नारायण भगत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुखिया संघ मांडर विधानसभा क्षेत्र के पांचो प्रखंड के मुखिया द्वारा बैठक आयोजित किया गया

बेड़ो प्रखंड के अन्तर्गत 30 जून दिन रविवार को मुखिया संघ मांडर विधानसभा की एक विशेष बैठक बेड़ो पंचायत भवन में मुखिया सुशांति भगत के अध्यक्षता में संपन्न हुआ बैठक में मांडर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पाँचो प्रखंड के मुखिया उपस्थित हुए मौके पर अबुवा आवास योजना पर मुख्य चर्चा की गई साथ ही अन्य योजनाओं पर चर्चा की गई मौके पर आक्रोशित मुखियाओं ने कहा की ग्राम सभा एवं आम सभा की अवहेलना करते हुए स्थानीय विधायक द्वारा सभी प्रखंड मुख्यालय में समीक्षा बैठक के नाम पर बैठक कर यह निर्देशित किया गया है कि जब तक उनकी अनुशंसा नहीं होती है आवास लाभुक चयन नहीं किया जाएगा उनके इस बयान को लेकर सभी मुखिया आक्रोशित है सभी मुखिया का कहना है कि हम लोग ग्राम सभा के माध्यम से अबुवा आवास लाभुक चयन करने में सक्षम है इस पर स्थानीय विधायक की दखल हमें बर्दाश्त नहीं है साथ ही सभी मुखिया ने यह भी फैसला किया कि अगर इतनी जोरदार विरोध के बाद भी प्रखंड प्रशासन नहीं चेतता है तो मजबूरन सभी मुखिया कलमबध आंदोलन के लिए चले जाएंगे इस बैठक का संचालन रांची जिला मुखिया संघ सचिव नीरज कुजूर ने किया

मांडर, फर्नीचर शो रूम में लगी आग, हजारों का सामान जलकर हुआ बर्बाद

मांडर – एनएच 75 में मेंशाल तालाब के निकट स्थित फैंसी फर्नीचर शोरूम में शुक्रवार की रात आग लग जाने से करीब 7 लाख रुपये का फर्नीचर जल कर बर्बाद हो गया. रातू के जाड़ी गांव निवासी शो रूम संचालक महबूब अंसारी ने बताया कि बंद शो रूम में रात को आग कैसे लगी कैसे लगी इसका पता नहीं चल पाया है. सुबह शो रूम से धुंआ निकलता देख सूचना मिलने पर जब उन्होंने दुकान खोलकर देखा तो अंदर रखा पलंग, सोफा, ड्रेसिंग टेबल, कबर्ड, अलमारी व अन्य सामान जल कर बर्बाद हो चुका था. साथ ही शो रूम के छप्पर का एस्बेस्टस का भी कुछ हिस्सा टूटा हुआ था. शोरूम में आग लगी की घटना की सूचना मांडर थाना को दे दी गयी है!

लोहरा समाज की बैठक आयोजित

रांची – आदिवासी लोहरा समाज की बैठक धूमकुरिया भवन रांची मोरहाबादी में किया गया। केंद्रीय अध्यक्ष बालमुकुंद लोहरा के अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष अभय भूटकूंवर और महासचिव प्रितम सांड लोहरा शामिल हुए। आदिवासी लोहरा समाज के सदस्यों को रांची जिला के अन्तर्गत अंचल कार्यालय से जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। जिसके कारण आदिवासी लोहरा समाज के विधार्थी के शिक्षा प्रभावित हो रहा है। लम्बे समय से जाति प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जाता रहा है । इसलिए आदिवासी लोहरा समाज न्यायालय जाने के लिए बाध्य हैं।

वृद्ध महिला का शव बरामद

बुढ़मू,,,रविवार को बुढ़मू थाना पुलिस ने प्रखंड के नाऊज गांव निवासी ललकु मुंडा के अर्ध निर्मित मकान से एक वृद्ध महिला का शव बरामद किया है ?जानकारी के अनुसार गांव के कुछ ग्रामीणो को उस घर के पास दुर्गंध मिला घर में जा कर देखा तो एक महिला का शव पड़ा हुआ है।इसकी सुचना तत्काल बुढ़मू थाना पुलिस को दिया गया। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार मृतका पिछले दस बारह दिनों से गांव के अगल बगल घूमती देखी जा रही थी। तथा वह विक्षिप्त थी।

संयोजक लेवल निरंकारी महिला संत समागम आयोजित

रांची– संत निरंकारी मंडल रांची जोन के अंतर्गत खूंटी के हुटार स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में संयोजक स्तरीय निरंकारी महिला संत समागम का आयोजन 11ः00 बजे से 2ः00 बजे तक किया गया जिसमें निरंकारी बहन सुधा जी ने सदुरु के संदेश को सांझा करते हुए कहा की निरंकारी सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की प्रेरणा से देशभर में महिला संत समागम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में संत निरंकारी मंडल रांची जोन के खूंटी ब्रांच में स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में संजोयक लेवल महिला संत समागम का आयोजन किया गया। इस समागम में बहन सुधा जी ने सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज का शुभ संदेश प्रदान किया।निरंकारी मिशन में महिलाओं के महान योगदान का जिक्र करते हुए बहन सुधा जी ने कहा कि मिशन के पूज्य जगत माता बुद्धवंती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी, माता सविंदर हरदेव जी व वर्तमान में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज का असाधारण योगदान महिला जगत का ही नहीं बल्कि पूरी मानव जाति का निरंतर मार्गदर्शन कर रहा है।

मिशन के विचारधारा के बारे में संयोजक बहन श चंपा भाटिया ने कहा कि कोई भी इंसान प्रभु का ज्ञान प्राप्त करके प्रभु की इच्छा के अनुरूप जीवन यापन कर सकता है। बहन चंपा भाटिया ने कार्यक्रम में आए हुए पूर्व वार्ड पार्षद फरीन शब्बा एवं ब्रह्मकुमारी बहन अंजिता जी का आभार प्रकट किया।कार्यक्रम के अंत में खूंटी के मुख महात्मा चक्रधारी सिंह बढईक ने सभी सहयोगियों, प्रतिभागियों एवं संपूर्ण साध संगत का आभार प्रकट किया। उपरोक्त जानकारी संत निरंकारी मंडल के प्रेस एवं मीडिया प्रभारी संदीप नागपाल ने दी।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक प्रदेश उपाध्यक्ष शिबू सोरेन से मुलाकात की

विधानसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा

रांची । झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के जेल से छुटने के बाद पहली मुलाकात के लिए उनके आवास पर जाना हुआ लेकिन संयोग से पूर्व मुख्यमंत्री अपने निजी दौरे के लिए निकल चुके थे फिर उनके अनुपस्थिति में उनके पिता दिशोम गुरु श्री शिबू सोरेन जी से अल्पसंख्यक कांग्रेस के उपाध्यक्ष तनवीर खान ने शिष्टाचार मुलाकात की और विधानसभा चुनाव के बारे में भी चर्चा हुई । इस मौके पर कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा की आने वाला विधानसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ना है अपने कार्यकर्ताओं को मजबूती प्रदान करना है उनके हौसले को बुलंद करना है ताकि चुनाव में हम कामयाब हो सके । इस मौके पर साथ में महासचिव गुलाम रब्बानी और शकील हाशमी भी मौजूद थे

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन

बुढ़मू---झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर का आयोजन प्रखंड मुख्यालय में रविवार को किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रांची व्यवहार न्यायालय के प्रथम श्रेणी की न्यायिक दंडाधिकारी परिधि शर्मा उपस्थित हुई। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीणों से उनके न्यायिक अधिकार व कर्तव्यों को प्राधिकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारियां दी। इस अवसर पर प्रखंड के विभिन्न विभागों द्वारा परिसंपतिओ का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। जिसमे मुख्य रूप से साईकिल, अबुवा आवास के लिए प्रथम किश्त की भुगतान की गई। साथ ही पशुपालन विभाग द्वारा 79 लोगो को बकरा विकास, 33 को सूकर विकास, 5 को बॉयलर कुकूट व 5 को लेयर कुकूट का लाभ दिया गया। स्वास्थ्य विभाग से 13 लाभार्थी को आयुष्मान भारत कार्ड दी गई व 34 लाभुकों को राज्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिया गया। जबकि कृषि विभाग द्वारा 13 लाभार्थियों को केसीसी ऋण दिया गया, खेल विभाग द्वारा प्रखंड के 14 पंचायत के क्लबों को फुटबॉल किट दिया गया। ठाकुरगांव लैम्पस के द्वारा दर्जनों किसानों को धान बीज दिया गया। वहीं 32 लाभुकों को सॉइल हेल्थ कार्ड दिया गया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यालय परिसर में फलदार पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचलाधिकारी सचिदानंद वर्मा व धन्यवाद ज्ञापन बीडीओ धीरज कुमार ने किया। जबकि सभी कार्यक्रम का संचालन प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी नील कुमार ने किया। इस मौके पर मुख्य रूप से प्रखंड कल्याण पदाधिकारी नंदकिशोर जयसवाल, कृषि पदाधिकारी कमल उरांव, पशु चिकित्सा प्रभारी डॉ राजीव कुमार, पीएलभी सीमा देवी, सिकंदर मुंडा, लैंपस के सचिव वैद्यनाथ ठाकुर, उपप्रमुख हरदेव साहू समेत अंचल व प्रखंड के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

हूल दिवस पर शहीद स्थल सह स्मारक शहीद चौक रांची मे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

रांची 30 जून – हूल दिवस के अवसर पर प्रति वर्ष की भांति आज स्थानीय शहीद स्थल सह स्मारक, शहीद चौक, रांची पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के अनुसार सर्व प्रथम शहीद सिद्धू एवं शहीद कान्हू के चित्र पर पुष्प अर्पित किये गए. आगत अतिथियों ने एक एक कर फूल चढ़ाये. इसके बाद संक्षिप्त सभा में डॉ राम प्रवेश, सचिव शहीद स्मारक समिति, रांची ने शहीद सिद्धू, कान्हू, चाँद -भैरव, एवं फूलों झानों की कुर्बानियों एवं 1855-56के आंदोलन पर प्रकाश डाला. सभा की अध्यक्षता श्री बासिल किड़ो ने किया तत्पश्चात अन्य वक्ताओ ने ऊदगार ब्यक्त किया.विशेषकर वीरेंद्र सिंह, शंकर आज़ाद, रविदत, किशन अग्रवाल, भारत ठाकुर, मनोज तिवारी, चितरंजन शहदेव,दिलीप कु. वर्मा, आदित्य मोनू, सूर्यनारायण, पशुपति सिंह, सुबोध कुमार आदि ने शहीदों के प्रति अपने ऊदगार ब्यक्त किये.

आज की सभा में आगामी स्वतंत्रता दिवस के आयोजन पर भी विचार किया गया. यहाँ की परंपरानुसार स्वतंत्रता दिवस पर राज्य के मुख्यमंत्री शहीद स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं. धन्यवाद ज्ञापन विमल किशोर ने किया.

प्रखंड के चरही 55 कमिटी भवन के प्रांगण में आजसू पार्टी ने मनाया हुल दिवस

चरही – चरही प्रखंड के चरही 55 कमिटी भवन के प्रांगण में आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य लालचंद महतो अध्यक्षता में मनाया गया। हुल दिवस जिसके बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय सचिव परमेश्वर महतो शामिल हुए। मुख्य आतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि झारखंड के आदिवासी ने अंग्रेजों के खिलाफ हथियार उठाया था , यानी विद्रोह किया था उस दिन हुल क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है इस युद्ध में करीब 20 हजार आदिवासियों ने अपनी जान दे दी थी।

आजादी का पहली लडाई : हलाके आजादी के पहली सन 1857 मनाई जाती है लेकिन झारखंड के आदिवासियों ने 1855 में ही विद्रोह का झंडा बुलंद कर दिया था 30 जून 1855 को सिद्धू और कान्हू के नेतृत्व में मौजूदा साहिबगंज जिले केभगनाडीह गांव विद्रोह शुरू हुआ था इस मौके पर सिद्धू ने नारा दिया था करो या मरो का अंग्रेज हमरा माटी छोड़ो।

अंदोलन का कारण : मौजूदा संथाल परगना का इलाका बंगाल प्रेसीडेंसी के अधीन पहाडियों और जंगलों से घिरा क्षेत्र था इस इलाके में रहने वाले पहाड़िया संस्थान व अन्य निवासी खेती बड़ी करके जीवन यापन करते थे और जमीन का राजस्व किसी को नहीं देते थे ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्व बढ़ाने के मकसद से जमींदार की फौज तैयार की जो पहाड़िया संथाल अन्य निवासियों से जबरन लगान वसूलने लगे लगन देने के लिए उन लोगों को साहूकारों से कर्ज लेना पडता और साहूकारों का भी अत्याचार सहन करना पड़ता था इससे लोगों का असंतोष की भावना मजबूत होती थी सिद्धू कान्हू चांद और भैरव चारो भाइयों ने आसंतोष को अंदोलन में बदल दिया।

आंदोलन का शुरूआत : 30 जून 1855 को 400 का करीब 50 हजार आदिवासियों भगनाडीह गांव पहुंचे और आंदोलन की शुरुआत हुई इसी सभा में यह घोषणा कर दी गई वे आप मालगुजारी नहीं देंगे इसके बाद अंग्रेजों ने सीधो कान्हू चांद और भैरव इन चारो भाइयों को गिरफ्तार करने के आदेश दिया जिस दरोगा का चारो भाइयों को गिरफ्तार करने के लिए वहां भेजा था संथालियों ने उनके गर्दन काटकर हत्या कर दी इस दरोगा सरकारी अधिकारियों में भी इस आंदोलन का भय पैदा हो गया था

आंदोलन का परिणाम : आंदोलन का दबाने के लिए अंग्रेजो ने इस इलाके में सेना भेजा दी जमकर आदिवासियों को गिरफ्तारियां की गई और विद्रोहियों पर गोली बरसाना चालू कर दिया आंदोलन कार्यों को नियंत्रित करने के लिए मार्शल लॉ लगा दिया गया आंदोलन कार्यों को गिरफ्तार करने के लिए अंग्रेज सरकार पुरस्कारों का भी घोषणा की थी बहराइच में अंग्रेजों और आंदोलनकारी के लड़ाई में चांद और भैरव शहीद हो गए।

इस क्रम ये लोग रहे शामिल केंद्रीय सदस्य सुरेंद्र महतो, प्रखंड उपाध्यक्ष विश्वनाथ महतो, प्रखंड सचिव लोकनाथ महतो, शशि महतो समेत कई अन्य कार्यकर्ताओं ने शामिल हुए।

कहानी संग्रह सांझ ढले गगन तले का किया गया लोकार्पण

रांची = रविवार 30 जून का दिन राजधानी रांची के साहित्याकाश में बारिश की सुकूनदेह फुहारों के साथ साथ बौद्धिक चर्चा की फुहारें शामिल हुई । उपलक्ष्य था रांची की हिंदी लेखिका रीता गुप्ता के नवीन कहानी संग्रह सांझ ढले गगन तले का लोकार्पण । जो कि करमटोली स्थित प्रेस क्लब में किया गया । रीता गुप्ता पिछले कई दशकों से हिन्दी लेखन में सक्रिय हैं । खासकर गद्य विधा में । यह लेखिका की दूसरी पुस्तक है ।

इस उपलक्ष्य में रांची के वरिष्ठ साहित्यकार आचार्य हरेराम त्रिपाठी चेतन सर की अध्यक्षता में विनोद कुमार, प्रोफेसर अरुण कुमार, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार श वीणा श्रीवास्तव एवं सक्रिय साहित्यकार रश्मि शर्मा ने कृति चर्चा में भाग लिया ।

सरस्वती वंदना और रचनाकार के बीज वक्तव्य के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

चर्चा की शुरुआत करते हुए रश्मि शर्मा ने रीता गुप्ता की कहानियों पर रोशनी डालते हुए कहा कि, सांझ ढले गगन तले की कहानियां प्रथम दृष्टया संस्मरणात्मक लगती हैं ।वीणा श्रीवास्तव जी ने रीता गुप्ता की कहानियों के बारे में बोलते हुए कहा कि इनकी कहानियां सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाती हुई उम्मीद की किरणें हैं ।

प्रोफेसर विनोद कुमार सर ने पुस्तक लोकार्पण को उत्सव का दिन बताया । उन्होंने कहा कि, सांझ ढले गगन तले की सारी कहानियां मनोरंजक और पठनीय है ।

वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर अरुण कुमार ने कहा कि, आज के लेखकों को तय करना होगा कि वे किधर खड़े हैं । रीता गुप्ता जी शब्दकचित्र की कुशल कलाकार हैं ।

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए आचार्य हरेराम त्रिपाठी चेतन सर ने गंभीर चर्चा को अपनी सरस वाणी से बहुत ही हल्का कर दिया । उन्होंने कहा कि कहानी वही अच्छी होती है जो मनुष्यता की बात करती हो । रांची में कथाकार के साथ साथ समीक्षक भी आ रहे हैं जो कि बहुत ही सुखद है ।

महाकुंभ में शहर के बाहर से ही चलेंगी रोडवेज बसें साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं के आवागमन का अनुमान

प्रयागराज , एजेंसी। महाकुंभ के मौके पर यूपी रोडवेज शहर के बाहर से ही बसों का संचालन करेगा। इस दौरान प्रदेश एवं दूसरे राज्यों के विभिन्न शहरों के लिए कुल 7000 बसें शहर के बाहर से चलाई जाएंगी, जबकि शटल सेवा के रूप में 550 बसें शहर के अंदर चलेंगी। रोडवेज का अनुमान है कि महाकुंभ के दौरान साढ़े तीन करोड़ श्रद्धालुओं का आवागमन बसों से हो सकता है। इस दौरान रोडवेज मुख्यालय एक हजार नई बसें भी उपलब्ध कराएगा।

यूपी रोडवेज नौ अलग-अलग स्थानों से बसों को चलाए जाने की व्यवस्था कर रही है। जबकि, नौ अस्थायी बस स्टेशनों से लोगों को

शहर में लाने के लिए 550 शटल बसें चलेंगी। शनिवार को यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने यह जानकारी महाकुंभ से संबंधित बैठक में दी। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि प्रदेश के 112 डिपो से बसों का इंतजाम होगा। अस्थायी बस स्टेशनों पर भी यात्री शेड, पानी, शौचालय एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा वहां चालक एवं परिचालकों के विश्राम की उचित व्यवस्था रहेगी। नई एवं अच्छी स्थिति वाली बसों का संचालन किया जाएगा। बैठक में यूपी रोडवेज की ओर से प्रेजेंटेशन भी दिया गया। प्रेजेंटेशन में बताया गया कि 550 शटल बसें शहर के बाहर नौ स्थानों से चलेंगी। इसमें पूरामुफ्ती से हिंदू हॉस्टल, फूलपुर-अंदावा व पंचदेवरा-लेप्रोसी के लिए पांच-पांच मिनट पर बस चलेंगी।

नेहरू पार्क से हिंदू हॉस्टल के लिए एक-एक मिनट पर, बेला कछार से भारत स्काउट गाइड के लिए दो-दो मिनट, नवाबगंज हाइवे से भारत स्काउट के लिए तीन-तीन मिनट, शिवगढ़ हाइवे से भारत स्काउट के लिए चार-चार मिनट, हबूसा मोड़-अंदावा व गौहनिया से लेप्रोसी के लिए दो-दो मिनट पर शटल बसें चलेंगी। बैठक में कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि यात्रियों के आवागमन के लिए रोडवेज एक बड़ा सहारा बनेगा।

पिता के चेहरे से बच्चे की नहीं मिली शक्ल, बीवी छोड़ने को तैयार युवक

आगरा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के परिवार परामर्श केंद्र में शनिवार को एक और रोचक मामला पहुंचा। पति 6 माह के बच्चे के कारण आए दिन पत्नी से क्लेश करता है। काउंसलर डॉ. सतीश ने बताया कि दोनों की शादी 2023 में हुई थी। पति की शक्ल बच्चे की शक्ल से मेल नहीं खा रही। इस कारण पति ने प्राइवेट क्लीनिक में टेस्ट भी करा लिया, जिस रिपोर्ट के आधार पर आए दिन पत्नी से क्लेश होता है। उधर, पत्नी का कहना है कि बच्चे का पिता वही है। दोनों को अगली तारीख दी गई है। एक अन्य मामले में महिला ने पति पर पिटाई का आरोप लगा तलाक लेने की अर्जी डाली। काउंसिलिंग में पति ने कहा कि उसने कम पढ़ी बीवी को पढ़ाया। वह नर्स बन गई तो उसे ही छोड़ दिया। काउंसलर डॉ. सतीश खिरवार ने बताया कि 2008 में दोनों की शादी हुई थी। तीन बच्चे भी हैं।

आगरा में जब्त की गई प्रतिबंधित पॉलिथीन, ले जाने के लिए मंगाए गए आठ ट्रक

आगरा , एजेंसी। आगरा नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नरायच क्षेत्र से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पॉलिथीन बरामद की है। नगर निगम की टीम ने सुबह-सुबह यहां छापामार कार्रवाई की। गोदाम से 80 80 कुंतल प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई, जिसे ले जाने के लिए आठ ट्रक मंगाने पड़े। प्रवर्तन प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह और राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में ये कार्रवाई की गई। बताया गया है कि रविवार सुबह की टीम यहां पहुंच गई। टीम ने जैसे ही गोदाम के दरवाजों को खुलवाया तो यहां इतनी बड़ी मात्रा में पॉलीथिन देखकर हैरान रह गए। गोदाम में करीब 80 कुंतल पॉलीथिन और प्लास्टिक जब्त की गई।

बच्चा होने के चार साल बाद युवक पर दर्ज कराया दुष्कर्म का मुकदमा, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रयागराज , एजेंसी। एसआरएन अस्पताल परिसर में चार साल पहले हुई दुष्कर्म की घटना के मामले में आरोपी शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। खास बात यह है कि दुष्कर्म पीड़िता युवती ने एक बच्चे को भी जन्म दिया और काफी दिनों तक आरोपी उसके साथ रहा भी। बाद में उसने शादी करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने केस दर्ज कराया। पिछले दिनों एक युवती ने छत्तीसगढ़ में गोरखपुर के कैंपियरगंज निवासी दीपक चौहान के खिलाफ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में छत्तीसगढ़ पुलिस ने पाया कि घटनास्थल प्रयागराज है, ऐसे में विवेचना प्रयागराज ट्रांसफर कर दी गई। कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और पीड़िता का बयान दर्ज किया। इसमें उसने बताया कि चार साल पहले वह आरोपी के साथ एसआरएन अस्पताल परिसर में चल रहे निर्माण कार्य में साथ मजदूरी करती थी। इसी दौरान दीपक ने उससे करीबी बढ़ाई और फिर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों साथ-साथ काम करते रहे और अलग-अलग कई शहरों से होते हुए नेपाल के काठमांडू तक गए। इसी दौरान युवती ने एक बच्चे को भी जन्म दिया जो अब चार साल का हो चुका है। युवती का आरोप है कि आरोपी शादी की बात पर बार-बार टालमटोल करता रहा और पिछले दिनों इन्कार कर दिया। इसके बाद ही उसने छत्तीसगढ़ में उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी। कोतवाली प्रभारी रोहित तिवारी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उसे तब पकड़ा गया, जब वह जीरो रोड बस अड्डे से कहीं भागने की फिराक में था।

क्यूआर कोड स्कैन करते ही फोन पर दिखेगा मंदिर तक पहुंचने का रास्ता, लगाए जाएंगे होर्डिंग

प्रयागराज , एजेंसी। महाकुंभ में देश- दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से लोकेशन क्यूआर कोड जारी करने की तैयारी की जा रही है। इसके जरिए श्रद्धालु अपने फोन पर लोकेशन स्कैनर को स्कैन करते ही बिना भूले-भटके आसानी से प्रमुख मंदिरों व पर्यटन स्थलों तक पहुंच सकेंगे।

संगम की रेती पर बसने वाले महाकुंभ को लेकर पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से भी तैयारी की जा रही है। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी न उठानी पड़े, इस पर काम शुरू कर दिया गया है। इसी क्रम में संगम क्षेत्र और उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित प्रसिद्ध देवी-देवताओं मंदिरों व पर्यटन स्थलों तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से उन जगहों के लोकेशन क्यूआर कोड जारी किए जाएंगे।

इस क्यूआर कोड के जरिए श्रद्धालु अपने मोबाइल फोन से उस लोकेशन स्कैनर को स्कैन करेंगे और बिना भूले-भटके अपने मन पसंद मंदिरों तक आसानी से पहुंच सकेंगे। पुलिस लाइंस प्रभारी एसीपी पुष्कर वर्मा बताते हैं कि

इस योजना को मूर्त रूप देने की व्यवस्था कर ली गई है।

महाकुंभ के समय इसे रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंडों, प्रमुख चौराहों व संगम क्षेत्र के सभी मार्गों पर बैनर व होर्डिंग के जरिए इसे विस्तारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संगम क्षेत्र व उसके आसपास के क्षेत्रों में स्थित प्रसिद्ध मंदिरों व पर्यटन स्थलों का बैनरों में फोटो रहेगा और उसके नीचे उस स्थान तक पहुंचने के लिए लोकेशन क्यूआर कोड दिया रहेगा, जिसे श्रद्धालु मन चाहे जगहों पर जाने के लिए नीचे दिए लोकेशन क्यूआर कोड को अपने मोबाइल फोन में स्कैन कर उन जगहों पर आसानी से जा सकेंगे।

इन जगहों पर जाने के लिए मिलेगा लोकेशन क्यूआर कोड

लेटे हुए बड़े हनुमान जी मंदिर, पातालपुरी मंदिर, अलोपी देवी मंदिर, सोमेश्वर महादेव अरैल घाट, नागवासुकि मंदिर, शंकर विमान मंडपम मंदिर, मनकामेश्वर मंदिर, वेणी माधव मंदिर, बड़ा गणेश जी का मंदिर, हनुमान मंदिर सिविल लाइंस, पंचमुखी महादेव मंदिर, ललिता देवी मंदिर, दशाश्वमेध शिव मंदिर, पुराना किला, मिंटो पार्क, भरद्वाज मुनि आश्रम, चंद्रशेखर आजाद पार्क, खुसरो बाग, सुजावन महादेव घूरपुर, अक्षय वट, झूंसी का समुद्रकूप, सरस्वती घाट, बोट क्लब, नारायणी आश्रम।

छात्र की आपबीती: कार में जबरन बैठाया... बंधक बनाकर तीन घंटे तक बेरहमी से पीटा, जानवरों वाली नांद में डुबोया

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के बिठूर में नाबालिग बेटी को एक छात्र के साथ कोल्डड्रिंक पीते देख वकील ऐसा आग बबूला हुआ कि उसने अमानवीयता की सारी हदें पार कर दीं। अपने बड़े भाई और साथियों की मदद से छात्र को कार से अगवाकर फार्म हाउस ले गया और बेरहमी से पिटाई की। रॉड और डंडे से पीट-पीटकर छात्र की पीठ लाल कर दी। प्लास से उसके पैर के नाखून उखाड़े, कान और होंठ पकड़कर खींचे।

सूचना पर परिजनों के साथ पहुंची पुलिस ने छात्र को मुक्त कराकर हैलट में भर्ती कराया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर वकील और उसके बड़े भाई को गिरफ्तार कर लिया है। तनाव की स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी तैनात की गई है। उधर, गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार सुबह वकीलों ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में हंगामा किया। बार एसोसिएशन ने कामकाज ठप कर दिया।

बिठूर के एक मोहल्ले में रहने वाले लॉयर्स एसो. के पूर्व उपाध्यक्ष ब्रज नारायण निषाद की 14 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। कल्याणपुर इलाके में कोचिंग पढ़ने जाती है। कोचिंग आने-जाने के दौरान उसकी दोस्ती दूसरे मोहल्ले में अपनी नानी के घर रहने वाले 17 साल के छात्र से हो गई। छात्र ने बैकुंठपुर के एक संस्थान में डी-फार्मा में प्रवेश के लिए हाल में काउंसिलिंग कराई थी।

कार में जबरन बैठाकर फार्म हाउस ले गया

शुक्रवार रात को छात्रा और छात्र ईश्वरीगंज बाजार में मिले और कोल्डड्रिंक पीने लगे। उसी दौरान वकील की नजर बेटी पर पड़ी। बेटी को फटकार कर घर भेज दिया और छात्र को बुरा-भला कहने लगा। छात्र के जवाब देने पर अधिवक्ता ब्रज नारायण ने अपने बड़े भाई तेज नारायण और साथियों के उसे अपनी कार में जबरन बैठाकर फार्म हाउस ले गया। फार्म हाउस वकील का ही बताया जा रहा। चार बाइकों से भी लोग कार के आगे-पीछे चल रहे थे। फार्म हाउस में ले जाकर छात्र को एक कमरे में बंधक बनाकर तीन घंटे तक पीटा। छात्र ने बताया कि उसे जानवरों वाली नांद में डुबोया गया। वकील ने छात्र के पिता को भी फोन कर धमकी दी। पिता की सूचना पर ही देर रात करीब 1:30 बजे पुलिस फार्म हाउस में पहुंची और छात्र को मुक्त कराया।

एडीसीपी वेस्ट बृजेंद्र द्विवेदी ने बताया कि छात्र के पिता की तहरीर पर अपहरण, मारपीट, गालीगलौज, धमकी देने की धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई। ब्रज नारायण व तेज नारायण को गिरफ्तार कर लिया गया है। वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद कर ली गई है। एक महिला समेत चार और लोगों के नाम सामने आए हैं। इनकी तलाश की जा रही है। अधिवक्ता और उसके भाई की गिरफ्तारी से नाराज बार एसोसिएशन ने शनिवार को काम नहीं किया। बड़ी संख्या में वकील आरोपी पक्ष की छोड़े जाने, उनकी भी रिपोर्ट दर्ज किए जाने को लेकर पुलिस कमिश्नर ऑफिस में सुबह से शाम तक हंगामा और नारेबाजी करते रहे। हंगामा बढ़ता देख अफसरों ने कई थानों की फोर्स और पीएसी को मौके पर बुला लिया।

प्रदीप मिश्रा के बाद कुमार स्वामी ने मांगी माफी: अमेरिका से वीडियो जारी किया, ब्रजवासियों से बोले- क्षमा करना

मथुरा , एजेंसी। कथा वाचक प्रदीप मिश्रा के बाद अब ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी ने अपने कथन पर ब्रजवासियों से वीडियो जारी कर माफी मांगी है। वीडियो में उन्होंने कहा कि अभी वह अमेरिका में हैं। विदेश से वापस लौटते ही ब्रज आएंगे।

भगवान श्रीकृष्ण को लेकर टिप्पणी करने के बाद ब्रजवासियों एवं कृष्ण भक्तों द्वारा चौतरफा विरोध के बाद ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी का वीडियो एक फॉलोअर्स ने साझा किया है। इसमें वह बोल रहे हैं वह कुछ नहीं जानते, वह आज कुछ भी हैं भगवन श्रीकृष्ण, ब्रजवासी, ब्राह्मण और सतों की वजह से हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो के बाद बढ़ रहे आक्रोश को देखते हुए ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी के अनुयाई सामने आए।

उनका दावा था कि भगवान कृष्ण को लेकर टिप्पणी वाला जो वीडियो वायरल किया जा रहा है, उसमें छेड़छाड़ की गई है, जिससे उनके गुरु की छवि खराब हो। मामला बढ़ता देख ब्रह्मऋषि कुमार स्वामी का एक वीडियो सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा कि सभी ऋषि, मुनि, वृंदावन की पावन धरती के वासियों को और बांकेबिहारी जी को कोटि-कोटि नमन, वंदन और प्रणाम। उन्होंने कहा कि आज पूरे विश्व में सनातन धर्म

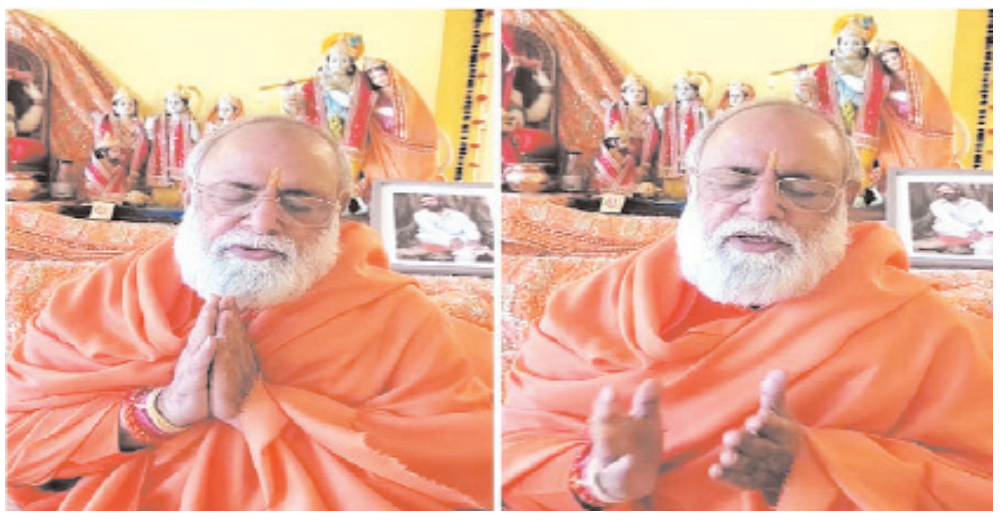

की जो जय-जयकार हो रही है। यह आपके प्रेम, सदभाव, आशीर्वाद से हुआ है। पूरे विश्व के जो डॉक्टरो का मानना है कि वह भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति है, उसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरा कोई हाथ नहीं। मुझे कुछ नहीं पता। यह सब भगवान की कृपा से है।

उन्होंने वीडियो में आगे कहा कि उनको भाषा, संस्कृति का ज्ञान नहीं है। वह अनपढ़ हैं। इस पर भी लोगों ने स्नेह, प्यार और आशीर्वाद दिया है। उसके बदले देने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है। उनसे से कोई गलती हो गई हो उसके लिए क्षमा करना। उन्होंने कहा कि अमेरिका से लौटकर वह पहले ब्रज ब्रजवासियों के पास आएंगे। उन्होंने कहा कि उनको भी क्षमा करना जिन्होंने यह कैसेट बनाई जो पूरी तरह भ्रामक है। एक प्रतिशत भी सत्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस मिशन पर वह चल रहे हैं उसके लिए आपकी, बांकेबिहारी जी की और माता राधारजी के आशीर्वाद की जरूरत है।

उन्होंने वीडियो में आगे कहा कि उनको भाषा, संस्कृति का ज्ञान नहीं है। वह अनपढ़ हैं। इस पर भी लोगों ने स्नेह, प्यार और आशीर्वाद दिया है। उसके बदले देने के लिए मेरे पास कुछ नहीं है। उनसे से कई गलती हो गई हो उसके लिए क्षमा करना। उन्होंने कहा कि अमेरिका से लौटकर वह पहले ब्रज ब्रजवासियों के पास आएंगे। उन्होंने कहा कि उनको भी क्षमा करना जिन्होंने यह कैसेट बनाई जो पूरी तरह भ्रामक है। एक प्रतिशत भी सत्य नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस मिशन पर वह चल रहे हैं उसके लिए आपकी, बांकेबिहारी जी की और माता राधारजी के आशीर्वाद की जरूरत है।

ऑनलाइन गेम के लिए रुपये नहीं देने पर ली नानी की जान

साहिबाबाद। रामनगर अर्थला में शिव मंदिर के पास आठ जून को घर के अंदर की गई हरप्यारी (60) की हत्या का खुलासा हो जाने का दावा कर पुलिस ने शनिवार को उनके नाती (धेवते) विनोद (20) को गिरफ्तार कर लिया। उससे की गई लंबी पूछताछ के आधार पर पुलिस का कहना है कि उसने आनलाइन गेम खेलने के लिए रुपये मांगे थे। नानी ने साफ इन्कार कर दिया। इसी से गुस्से में आकर उसने हत्या कर दी। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटिल ने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे हत्या करने के बाद विनोद ने नानी के कानों से कुंडल उतारे और घर के मंदिर में रखे दो हजार रुपये निकाले। इन्हें लेकर वह अपनी दुकान पर चला गया था। परिवार के लोगों को लग रहा था कि रामप्यारी की हत्या किसी बदमाश ने लूट के लिए की है। रामनगर अर्थला में रहने वाले विनोद के दोनों मामा अशोक और भगवान सिंह पोस्टमार्टम के बाद अपनी मां का शव लेकर संभल चले गए थे। ये लोग मूल रूप से संभल के ही निवासी हैं। विनोद भी संभल के काजी सिरौरा का रहने वाला है। दो महीने पहले ही वह संभल से आकर मामा अशोक के पास रह रहा था। किराए की दुकान लेकर उसने समोसे और चाऊमीन बेचने का काम किया था। तेरहवीं के बाद लौटकर भगवान सिंह ने 28 जून को केस दर्ज कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई थी। जांच पड़ताल में यह साफ हो गया था कि हत्या विनोद ने ही की है। उसके खिलाफ साक्ष्य मिल गए। उसे शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके पास से लूटे गए कुंडल भी बरामद हो गए।

आनलाइन गेम में हारने से हो गया 50 हजार का कर्ज

पूछताछ में विनोद ने बताया कि वह एक साल से आनलाइन गेम खेल रहा है। पहले कुछ रकम जीता लेकिन इसके बाद हारता रहा। उसे गेम खेलने की लत लग गई थी, इसलिए छोड़ नहीं पाया। कर्ज लेकर भी खेलता रहा। हार-हारकर 50 हजार रुपये का कर्ज हो गया था। इसे चुकाने के लिए यहां आकर काम किया। यहां भी गेम खेलता रहा और हारता रहा। इससे न कर्ज चुका पा रहा था और न ही दुकान का किराया दे पा रहा था। उसका कहना है कि उसे हमेशा लगता था कि कभी न कभी समय उसका साथ देगा और वह मोटी रकम जीत जाएगा। इसी उम्मीद में खेले जा रहा था। खेलने के लिए रुपये न होने पर उसने रामनगर अर्थला में ही दूसरे मामा भगवान सिंह के पास रहने वाली नानी से कई बार रकम मांगी। नानी को पता चल गया था कि वह आनलाइन गेम खेलता है।

सफाईकर्मी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या, सात माह की गर्भवती पत्नी भी मरणासन्न, रेफर

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के अकबरपुर बीरबल में शनिवार की शाम नाली व बारिश का पानी निकलने को लेकर पड़ोसी ने सफाईकर्मी को कुल्हाड़ी से काट डाला। बचाने आई सात माह की गर्भवती पत्नी को भी कुल्हाड़ी से हमलाकर मरणासन्न कर दिया। उसे कानपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने हत्यारोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दोनो के बीच दो साल से तालाब की जमीन में कब्जे को लेकर खुन्नस चल रही थी। अकबरपुर बीरबल निवासी अरविंद निषाद (30) सफाई कर्मी पद पर तैनात था। उसका अपने पड़ोसी मूलचंद्र निषाद से काफी समय से पानी निकासी को लेकर विवाद चल रहा था। शनिवार को आरोपी मूलचंद्र ने पानी न निकलने को लेकर छेंक लगा दिया। इसी बात को लेकर दोनो के बीच विवाद होने लगा। तभी आरोपी ने अरविंद पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिए। जिससे अरविंद ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसी ैरान अरविंद की सात माह की गर्भवती पत्नी उसे बचाने पहुंची तो आरोपी ने उस पर भी कुल्हाड़ी हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

पानी निकलने के विवाद में घटना को दिया अंजाम

ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल ममता को सीएचसी भेजा। जहां से उसे नाजुक हालत होने पर हैलट रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच पड़ताल की। थाना प्रभारी ब्रजमोहन ने बताया कि हमलावर मूलचंद्र को कुल्हाड़ी समेत हिरासत में ले लिया गया है। पानी निकलने के विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है।

ढाई साल की बच्ची को पड़ोसियों ने संभला

पिता की हत्या होने और मां के मरणासन्न होने के बाद ढाई साल की बच्ची श्रेया घर में अकेली रह गई। उसको पड़ोसियों ने सम्हाल रखा था। बच्ची पूरे घटनाक्रम को देखने व माता पिता के बिना परेशान दिखी। हालांकि पड़ोसी उसे बहलाने का प्रयास करने में जुटे हुए थे। ग्रामीणों की मानें, तो दो दिन पहले दोनो पक्षों में विवाद हुआ था। जिस पर दोनो पक्ष थाने भी गए थे। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई न कर उनको चलता कर दिया था। ग्रामीणों का कहना था कि यदि पुलिस कार्रवाई कर देती,तो शायद यह घटना न होती। हालांकि थाना प्रभारी ने दोनो पक्षों के थाने की बात से इंकार किया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनो के घर ग्राम समाज की भूमि पर बने हैं। दोनो के बीच दो साल पहले जमीन पर कब्जे को लेकर विवाद हुआ था। तब से उनके बीच खुन्नस चली आ रही थी।

बड़े भाई के आने तक पुलिस को नहीं उठाने दी लाश

परिजनों ने पुलिस को तब तक शव नहीं उठाने दिया जब तक मृतक अरविन्द का बड़ा भाई हरिश्चंद्र नहीं आ गया। घटना की खबर मिलने पर हरिश्चंद्र को इटावा से आना था। बताया जाता है कि पुलिस के समझाने के बाद भी हरिश्चंद्र ने साफ साफ कह दिया कि जब तक वह न आ जाए तब तक लाश पोस्टमॉर्टम को नहीं जाएगी। वहीं घटना के बाद हत्यारोपी का दामाद व परिजन घर में ताला डालकर फरार हो गए।

अपहरण-गोलीकांड: पुलिस कार्रवाई की खोली पोल.. पीड़ितों से कार बुक करा जयपुर में दी दबिश, दरोगा ने लिए 25 हजार

मुरादाबाद, एजेंसी। मूंढापांडे के अपहरण और गोलीकांड मामले की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, पुलिस की लापरवाही की परतें खुलती जा रही हैं। पीड़ित युवती के पिता का आरोप है कि बहजोई थाने की पुलिस उनसे ही कार बुक कराकर जयपुर में दबिश देने गई थी। दरोगा ने उससे भी 25 हजार लिए थे।

मूंढापांडे के गांव निवासी फर्म कर्मी ने बताया ने बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी 18 जुलाई 2023 को संभल के गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। फर्म कर्मी का दामाद डीजे बजाने का काम करता है। आरोपी मुस्लिम अपने साथियों के साथ चार पहिया वाहन लेकर चार मार्च 2024 को बहजोई पहुंच गया था। डीजे किराये पर बुक कराने के बहाने दामाद के मकान का दरवाजा खुलवा लिया था। इसके बाद आरोपी मुस्लिम और उसके साथी युवती को अगवा कर राजस्थान के जयपुर ले गए थे। इस मामले में बहजोई थाने में केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि विवेचक दिनेश कुमार ने 25 हजार रुपये लिए थे।इसके अलावा पुलिस ने राजस्थान जाने के लिए कार भी दामाद से ही किराये पर बुक कराई थी। पुलिस युवती को राजस्थान से बरामद कर के आई थी। वहां से लौटने के बाद युवती के कोर्ट में बयान कराए थे। पुलिस ने बयान कराने के बाद युवती को परिवार की सुपुर्दगी में दे दिया था। पीड़ित के इन आरोपों की जांच कराने के लिए ही डीआईजी ने रामपुर एएसपी को जांच के आदेश दिए हैं।

अपहरण व धर्म परिवर्तन के लिए दबाव का दर्ज किया गया था केस

संभल के बहजोई थाने में अपहरण और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव के आरोप में केस दर्ज किया गया था। इतनी गंभीर धाराओं में केस दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। अगर पुलिस शुरुआत से ही इस मामले में गंभीरता दिखाती थी तो शायद दोबारा अपहरण और गोली कांड की घटना नहीं होती और अपराधियों में भी कानून का भय बना रहता।

संपादकीय

जवाबदेही बढ़ेगी, राहुल गांधी विपक्ष के नेता

देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। खैर, इस पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है।लोकसभा चुनाव परिणामों के साथ ही कांग्रेस के भीतर से मांग उठने लगी थी कि राहुल को नेता प्रतिपक्ष का पद संभालना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं।कई प्रमुख समितियों और महत्वपूर्ण नियुक्तियों में सहभागी होता है नेता प्रतिपक्ष। इससे जाहिर है कि पिछले 10 बरसों से यह पद खाली होने के चलते संसद ने क्या खोया। लेकिन, यह पद इन समितियों और नियुक्तियों तक सीमित नहीं। नेता प्रतिपक्ष को शैडो पीएम तक कहा जाता है। वह सरकार के मुखिया पीएम की परछाई की तरह होता है, उसके हर काम पर नजर रखने वाला।राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करेंगे। इस बार भी चुनाव में अपनी-अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करने होंगे। कई मामले होते हैं जहां सरकार और विपक्ष की सहमति जरूरी होती है। बेहतर होगा कि उन स्थितियों में फैसला राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लिया जाए।राहुल गांधी को घोषित तौर पर विपक्षी गठबंधन इंडिया.. का नेता नहीं चुना गया था, लेकिन इसमें किसी को शक नहीं कि विपक्ष का असल चेहरा वही थे। चुनाव के दौरान विपक्ष के सारे दलों को एकजुट रखने के लिए उन्होंने भरपूर प्रयास किए। चुनाव परिणाम पर उसका असर दिखता है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना बनी चुनौती

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटने के लिए सरकार ने कई स्तर पर अभियान चला रखा है। सुरक्षा बलों के विशेष दस्ते से लेकर हर पल निगरानी और खुफिया तंत्र की चौकसी के दावे के साथ नक्सली समूहों और उनके हमलों को नाकाम करने और उनका सफाया करने की बातें बहुत लंबे समय से की जाती रही हैं। मगर आज भी हालत यह है कि आए दिन नक्सल प्रभावित इलाकों से जब सुरक्षा बलों का गुजरना होता है, तो उन पर कभी भी हमला होने की आशंका बनी रहती है।रविवार को राज्य के सुकमा जिले में स्थित एक शिविर से 'कोबरा वाहिनी' आगे अपने रास्ते जा रही थी। मगर वहां नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों में आइईडी यानी परिष्कृत विस्फोटक यंत्र लगा रखे थे। वहां हुए विस्फोट में 'कोबरा' के दो जवान शहीद हो गए और कई बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना के दो दिन पहले भी छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में नक्सलियों की एक टुकड़ी ने सुरक्षाबलों के शिविर पर हमला किया था, लेकिन तब जवानों ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया था।जाहिर है, नक्सल प्रभावित इलाके में हालात अब भी बेहद संवेदनशील हैं और इस जटिल समस्या पर काबू पाने के लिए किए गए तमाम उपायों के बावजूद नक्सली समूहों की ओर से पेश चुनौती से पार पाना मुश्किल बना हुआ है। यह स्थिति तब है जब अक्सर सुरक्षा बलों की ओर से चलाए गए अभियानों में नक्सली मारे जाते हैं और अन्य स्तर पर कार्रवाई की जाती है। करीब दो महीने पहले छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में उनतीस नक्सलियों को मार गिराया था।सरकार का दावा है कि अब राज्य में नक्सली समूहों पर नकेल कसा जा चुका है और उनका प्रभाव बहुत छोटे इलाके में ही सीमित रह गया है। विडंबना यह है कि व्यापक तलाशी अभियानों और संदिग्ध नक्सलियों के मारे जाने के बावजूद आज भी नक्सली हमलों में सुरक्षा बलों के जवानों की जान जा रही है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नक्सलियों के कहर से निपटने और एक ठोस और स्थायी हल निकालने के लिए जितनी अहम उनके खिलाफ सुरक्षा बलों की सख्ती और कार्रवाई है।

लोकतंत्र पर हमारी आस्था अब भी अटल

(संजय कुमार, प्रोफेसर, सीएसडीएस)

इस बार के आम चुनाव में 66.2 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह आंकड़ा तस्दीक करता है कि भारतीय मतदाता देश की लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में न सिर्फ निरंतर रुचि ले रहे हैं, बल्कि उनका इनमें गहरा जुड़ाव है और वे इनमें अपनी भागीदारी भी अनवरत सुनिश्चित कर रहे हैं। इसने चुनाव से भारतीय मतदाताओं के मोहभंग के बारे में शुरुआती दौर में आनन-फानन में लगाए गए अनुमानों को खारिज कर दिया है। वास्तव में, इस साल पिछले आम चुनाव (वर्ष 2019) से महज एक प्रतिशत कम मतदान हुआ, लेकिन यह मतदाताओं की भागीदारी के लिहाज से अब तक का तीसरा सबसे बड़ा चुनाव भी साबित हुआ है। मतदान प्रतिशत मतदाताओं की चुनाव में भागीदारी का सबसे मजबूत संकेतक होता है और साल 2024 का चुनाव विशेषकर महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी का संकेत दे रहा है। बेशक, एक लंबी चुनाव अवधि और मतदान-कार्यक्रम को लेकर कुछ मुद्दे जरूर उभर आए थे, पर मतदाताओं ने गर्मी का मजबूती से सामना किया, अपने जरूरी कामों को किनारे रखा और चुनाव में उल्लास के साथ भाग लिया। मतदाताओं का यह उत्साह चुनाव खत्म होने के बाद भी बना रहा। इसका स्पष्ट संकेत था 1 जून की शाम एग्जिट पोल को लेकर चली चर्चा। हालांकि, असल नतीजा एग्जिट पोल के बिल्कुल उलट आया, नतीजतन, जनादेश और एग्जिट पोल की विफलता पर भी खूब बहस छिड़ी। इसे भी चुनाव और चुनाव प्रक्रिया में भारतीयों की गहन भागीदारी का ही संकेत माना जाना चाहिए। ईवीएम की विश्वसनीयता, बढ़ते दलबदल, चुनाव में विचारधारा की घटती भूमिका, निर्वाचित प्रतिनिधियों की गुणवत्ता जैसी तमाम चिंताओं के बावजूद चुनाव व चुनाव-प्रक्रिया से भारतीयों के होते मोहभंग का कोई संकेत हमें नहीं दिखता, मामूली भी नहीं। लोकनीति-सीएसडीएस का सर्वेक्षण बताता है कि 17 फीसदी भारतीय ईवीएम को भरोसमंद नहीं मानते, जबकि अन्य 43 फीसदी का इस पर विश्वास बना हुआ है। करीब 30 फीसदी भारतीयों ने ईवीएम पर डिगते विश्वास का उल्लेख किया। यह सही है कि इस चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और उसने सहयोगी दलों के साथ सरकार बनाई है, पर भारतीयों में विचारों में विविधता भी खूब दिखी है, जिसका ख्याल सरकार को रखना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्य तमाम नेताओं की तुलना में खासा लोकप्रिय हैं और राहुल गांधी की 27 फीसदी की तुलना में उनकी लोकप्रियता का प्रतिशत 41 है, फिर भी लोकनीति-सीएसडीएस सर्वेक्षण में 28 प्रतिशत भारतीयों ने बताया कि प्रधानमंत्री का तेज अब मंद पड़ने लगा है और अन्य 33 फीसदी मानते हैं कि दूसरे दलों के दागी नेताओं को शामिल करने से भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचा है। यह सर्वेक्षण पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी प्रतिशोध की राजनीति पर आम लोगों में बढ़ती चिंता को भी जाहिर करता है। सर्वेक्षण में 44 फीसदी लोगों ने माना कि सियासी वजहों से विरोधी दल के नेताओं को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 23 फीसदी की राय इससे अलग थी। सर्वेक्षण में 67 फीसदी भारतीयों ने यह भी कहा कि नागरिकों को चुने हुए अपने नेताओं से सवाल पूछने का अधिकार होना चाहिए, जबकि 20 प्रतिशत इससे सहमत नहीं दिखे। यहां यह ध्यान रखना भी महत्वपूर्ण है कि 58 फीसदी भारतीय मुल्क के विकास के लिए सरकार को बदलना जरूरी मानते हैं, जबकि 32 फीसदी लोग सत्तारूढ़ पार्टी की सरकार को ही तरक्की के लिए बेहतर मानते हैं। यहां अदालतों के महत्व पर भी गौर करना चाहिए, क्योंकि इस सर्वेक्षण में 58 फीसदी लोगों ने माना कि सरकार की शक्तियों की जांच के लिए अदालतें अहम हैं, जबकि 27 फीसदी लोग इसे जरूरी नहीं मानते। सर्वेक्षण में 66 फीसदी भारतीयों ने माना कि सरकार के फैसलों का विरोध करने की जरूरी ताकत उनके पास होनी चाहिए, जबकि 19 फीसदी लोग इस सोच के खिलाफ थे। वर्ष 2024 का जनादेश यह भी संकेत कर रहा है कि राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय पहचान, राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे निस्संदेह काफी अहम हैं, लेकिन बेरोजगारी, महंगाई जैसे लोगों के रोजमर्रा से जुड़े मुद्दे भी समान रूप से अहमियत रखते हैं, जिनको राजनीतिक दल बहुत लंबे समय तक नजरंदाज नहीं कर सकते। सर्वेक्षण बताता है कि मोदी सरकार से मोहभंग के दो बड़े मुद्दे रहे, बेरोजगारी व महंगाई और ज्यादातर नाराज लोग नहीं चाहते थे कि यह सरकार फिर से चुनी जाए। फिर भी, भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन उसे उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा, जहां राम मंदिर का उद्घाटन काफी धूमधाम से किया गया था। यह संकेत है कि हिंदुत्व के मुद्दे पर बहुत अधिक निर्भरता और रोजी-रोटी के मसलों की अनदेखी पार्टी पर भारी पड़ी। 2024 का जनादेश संकेत है कि पहचान की राजनीति की एक सीमा होती है, चाहे वह जाति से जुड़ी हो अथवा धर्म से। किसी जीवंत लोकतंत्र में स्थिर सरकार के साथ-साथ एक मजबूत विपक्ष का होना भी जरूरी है। 2024 का जनादेश एक आदर्श लोकतंत्र का असल स्वाद दे रहा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के पास लोकसभा में 293 सीटें हैं और वह बहुमत में है। वहीं, विपक्षी 'इंडिया' ब्लॉक के पास 195 का आंकड़ा है, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल नहीं हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा 240 सीटों के साथ सबसे ऊपर है, जबकि विपक्ष में कांग्रेस के पास सर्वाधिक 99 सीटें हैं। जाहिर है, निचले सदन में ये आंकड़े शासन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर लोगों के विचारों को प्रतिबिंबित करते हैं। सैद्धांतिक रूप में देखें, तो लोकतंत्र के लिहाज से यह एक अच्छी सरकार हो सकती है, हालांकि सिद्धांत और व्यवहार में अंतर से भी हम बखूबी वाकिफ हैं। लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन पर सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच चल रही खींचतान में इसकी झलक देखी जा सकती है। हालांकि, ऐसे कई अन्य मुद्दे भी हैं, जो सत्तारूढ़ दल और विरोधी पार्टियों के बीच विवाद के कारण बन सकते हैं। फिर भी, कामना यही की जा सकती है कि भारत के लोगों द्वारा व्यक्त किए गए जनादेश को गंभीरता से लिया जाएगा और सत्तारूढ़ दल व विपक्ष, दोनों अगले पांच वर्षों तक मिलकर काम करेंगे और मुद्दों को उलझाने के बजाय सुलझाने का प्रयास करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अन्य तमाम नेताओं की तुलना में खासा लोकप्रिय हैं और राहुल गांधी की 27 फीसदी की तुलना में उनकी लोकप्रियता का प्रतिशत 41 है, फिर भी लोकनीति-सीएसडीएस सर्वेक्षण में 28 प्रतिशत भारतीयों ने बताया कि प्रधानमंत्री का तेज अब मंद पड़ने लगा है और अन्य 33 फीसदी मानते हैं कि दूसरे दलों के दागी नेताओं को शामिल करने से भाजपा की छवि को नुकसान पहुंचा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

(ललित गर्ग)

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है। जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है। दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं।

सुडोकू पहेली — क्रमांक-5417

	5			2	9			
						1	7	
7	9	6			3	2		
				1	5		9	
3	6						2	1
	4		6	9				
		2	8			3	1	4
	1	8						
			2	7			5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5416

5	7	3	6	9	2	1	4	8
2	1	9	3	4	8	6	5	7
8	4	6	7	1	5	2	9	3
9	2	5	4	8	6	3	7	1
7	3	4	2	5	1	8	6	9
6	8	1	9	3	7	5	2	4
1	5	7	8	6	9	4	3	2
3	9	8	5	2	4	7	1	6
4	6	2	1	7	3	9	8	5

वर्ग पहेली 5417

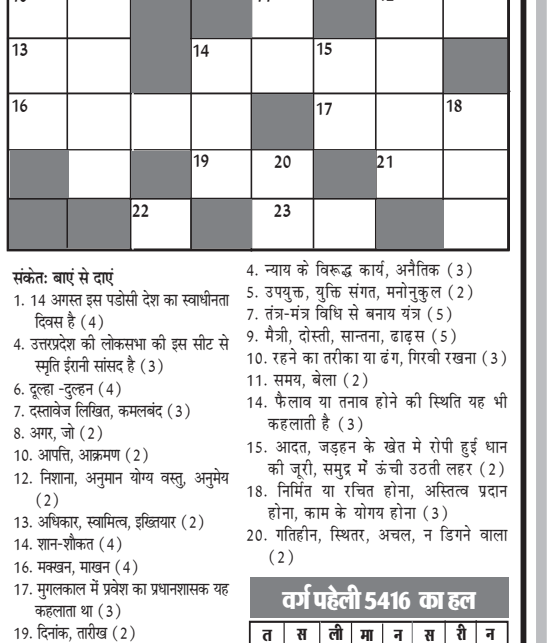

संकेत: बाएं से दाएं
1. 14 अगस्त इस पडोसी देश का स्वाधीनता दिवस है (4)
4. उत्तरप्रदेश की लोकसभा की इस सीट से स्मृति ईरानी सांसद है (3)
6. दूल्हा -दुल्हन (4)
7. दस्तावेज लिखित, कमलबंद (3)
8. अगर, जो (2)
10. आपत्ति, आक्रमण (2)
12. निशाना, अनुमान योग्य वस्तु, अनुमेय (2)
13. अधिकार, स्वामित्व, इख्तियार (2)
14. शान-शौकत (4)
16. मक्खन, माखन (4)
17. मुगलकाल में प्रवेश का प्रधानशासक यह कहलाता था (3)
19. दिनांक, तारीख (2)
21. घोड़े कीपीठ पर रखने की गद्दी (2)
22. गेंहू की तरह एक प्रसिद्ध अन्न (1)
23. लहू, रूधिर (2)

ऊपर से नीचे
1. कुंती का एकनाम पृथा भी था इनके पुत्र युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन ये तीनों को यह कहा जाता है पर अधिकतर अर्जुन के लिए यह कहा जाता है (2)
2. स्तुति वादक को यह भी कहा जाता है (3)
3. नरम होने की अवस्था, अनैतिक (3)
4. न्याय के विरूद्ध कार्य, अनैतिक (3)
5. उपयुक्त, युक्ति संगत, मनोनुकुल (2)
7. तंत्र-मंत्र विधि से बनाय यंत्र (5)
9. मैत्री, दोस्ती, सान्तना, ढाढ़स (5)
10. रहने का तरीका या ढंग, गिरवी रखना (3)
11. समय, बेला (2)
14. फैलाव या तनाव होने की स्थिति यह भी कहलाती है (3)
15. आदत, जड़हन के खेत मे रोपी हुई धान की जूरी, समुद्र में ऊंची उठती लहर (2)
18. निर्मित या रचित होना, अस्तित्व प्रदान होना, काम के योगय होना (3)
20. गतिहीन, स्थितर, अचल, न डिगने वाला (2)

वर्ग पहेली 5416 का हल

त	स	ली	मा	न	स	री	न
ब	न	ना		ज	ल	ज	
ला	म		सा	फ		न	न
	क	बी	र		मा	ल	वा
उ	द्धा	र		आ	शा		ब
मा		ब	द	न		रो	जा
प	ह	ल		बा	ग		द्धा
ति	ल		जी	न	त		

आज का राशिफल

मेष
आज करियर के मामले में दिन सफलता से भरा होगा। आपकी व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा और आपके धन में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे। सावधान रहें और अपने काम पर फोकस करें।

वृष
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके द्वारा जीविका के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और आपको हर प्रकार का राजनीतिक सहयोग मिलेगा। सेहत को लेकर सावधान रहें और अपने काम पर फोकस करें। वाणी पर संयम रखें। आज विरोधी आपका कुछ नहीं कर पाएंगे।

मिथुन
आज कारियर में लाभ होगा और आर्थिक मामलों में सफलता मिलने के योग हैं। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आपकी कमाई अच्छी होगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी और आपका भाग्य साथ देगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खानपान में संयम रखें।

कर्क
आज आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। घर के लिए कुछ नई चीजों की खरीद करें और आपके लिए गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी रिश्तेदार की वजह से आपको तनाव हो सकता है। रुपये-पैसे के लेनदेन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज रोजगार पाने के लिए चल रही आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके भाग्य में वृद्धि का दिन है और कारोबार में सफलता प्राप्त होगी। आर्थिक दिशा में किए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें और ससुराल के लोगों से किसी प्रकार के विवाद से बचें। झगड़ा न करें और अपने काम पर ध्यान दें।

कन्या
आज आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के क्षेत्र में चल रहे प्रयास फलीभूत होंगे। राजनीतिक सहयोग मिलेगा और आपको आज पैसे खर्च करने से पहले सोचविचार करने की जरूरत है। वाणी पर संयम रखें और रिश्तों में मधुरता आएगी। आपके धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी।

तुला
आज करियर के मामले में लाभ होगा और आज आपकी व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आपको उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आपके स्वभाव में वृद्धि होगी और आपका वर्चस्व बढ़ेगा। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे। आपके कार्य सफल होंगे और आनंद में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
आज आपको रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और रुके कार्य पूर्ण होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आप दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। आपको यात्रा में शुभ लाभ होगा प्रियजनों से भेंट होने से आपका मन प्रसन्न होगा। कारोबार से जुड़ी योजनाएं पूर्ण होंगी।

मकर
आज आप कुछ जरूरी कार्य पर खर्च करेंगे और आपकी कीर्ति में वृद्धि होगी। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। रोजी रोजगार में सफलता मिलेगी। आपको कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा।

कुंभ
आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपका पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आपको हर कार्य में शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने व चोरी की आशंका है। संभलकर रहें और हर कार्य को सावधानी से करें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। तनाव से दूर रहें और अपने काम पर फोकस करें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु
आज करियर में सफलता का दिन है और आपके धन में वृद्धि होने से आपके जमा कोष में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन में सुख बढ़ेगा और धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको कारोबार और करियर में किसी कारण से परेशानी और समस्या का सामना करना पड़ सकता है। परीक्षा की दिशा में किए गया श्रम सार्थक सिद्धि होगा और आपके विरोधी परास्त होंगे।

मीन
आज भाग्य साथ देगा और आपको करियर में सफलता मिलने के योग हैं। आज राजनीति के क्षेत्र में आपको लाभ होगा और सभी प्रयास सफल होंगे। आपको हर कार्य में शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आपके पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से आपकी मुलाकात होने से आपका मन प्रसन्न होगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें और फालतू खर्च से बचें।

करें रुख अंतरिक्ष की ओर

स्पेस साइंस का क्षेत्र कई तरह के कैरियर विकल्प खोलता है. ज्वॉइंट एंट्रेंस टेस्ट (जेइइ) के माध्यम से स्नातक स्तर के कोर्स में प्रवेश लिया जा सकता है. इच्छुक आवेदक इस ओर रुख कर बेहतर कैरियर की ओर अपने कदम बढ़ा सकते हैं. आइए जानें इस क्षेत्र के बारे में विस्तार से

अब वह सोच गुजरे समय की बात हो गयी है, जब छात्र सिर्फ डॉक्टर, इंजीनियर बनने का ख्वाब बुना करते थे. आधुनिक जीवनशैली और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के कारण कई कैरियर विकल्प सामने आने लगे हैं. इन्हीं विकल्पों में से एक है स्पेस साइंस. इसका जीवंत उदाहरण भारत का मंगलयान है. अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती हलचलों ने युवाओं को इस ओर आने के लिए खासा प्रेरित किया है. अगर आपके अंदर सोलर सिस्टम के नये आविष्कार करने का ख्याल जन्म लेता है या सेटेलाइट के बारे में जानने में रुचि है, पृथ्वी से उसके संबंध को जानने की जिज्ञासा है, तो अंतरिक्ष विज्ञान की ओर रुख करने का समय आ चुका है.

क्या है स्पेस साइंस

स्पेस साइंस या स्पेस टेक्नोलॉजी बहुत बड़ा क्षेत्र है. इसके तहत एस्ट्रोनॉमी और एस्ट्रोफिजिक्स, प्रामेट्री एटमॉस्फियर और एयरोनॉमी, अर्थ साइंसेस और सोलर सिस्टम की पढ़ाई आती है. आज के दौर में स्पेस साइंस की कई सब-ब्रांचेज भी बना दी गयी हैं. इनमें से कुछ हैं-कॉस्मोलॉजी, स्टेलर साइंस, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोलॉजी आदि. साइंस और इंजीनियरिंग की ये शाखाएं अंतरिक्ष के चारों तरफ घूमती हैं. भारत द्वारा श्रीहरिकोटा से लांच हुई रोहिणी-1 से अंतरक्षि में पैदा हुई खलबली युवाओं को इस ओर आकर्षित करने का काम करती है.

कैसे हैं कोर्स

स्पेस साइंस, स्पेस टेक्नोलॉजी या स्पेस अप्लीकेशंस के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए विद्यार्थियों का साइंस विषयों में अच्छी पकड़ होना जरूरी है. इसमें 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स से पढ़ाई करना जरूरी है. इन विषयों को आगे बढ़ाते हुए इनके साथ स्नातक भी किया जा सकता है. अगर संभव हो, तो स्नातक स्पेस साइंस / स्पेस टेक्नोलॉजी से भी किया जा सकता है. ये कोर्स इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (आइएसआरओ) द्वारा कराये जाते हैं. इसके तहत मुख्य कोर्स चार वर्षीय बीटेक प्रोग्राम या तीन वर्षीय बीएससी कोर्स है. इस क्षेत्र में बैचलर्स स्तर के कोर्स करने के बाद स्पेस साइंस और टेक्नोलॉजी और अन्य संबंधित क्षेत्रों में पोस्ट ग्रेजुएशन के कोर्स में दाखिला भी ले सकते हैं. इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए पीएचडी अनिवार्य है. और तो और, आज स्पेस साइंस में काम करनेवाले अधिकांश पेशेवर पीएचडी धारक हैं.

संभावनाओं के द्वार

स्पेस साइंस विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराता है. यह सिर्फ सोलर सिस्टम में नयी खोज या दूर स्थित ग्रहों का मैप तैयार करने तक ही सीमित नहीं है. अपनी योग्यताओं और स्किल्स के माध्यम से उम्मीदवार आइएसआरओ, डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीआरडीओ), हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स (एचएएल), नेशनल एरोनॉटिकल लैबोरेटरीज (एनएएल) और एयरोस्पेस इंडस्ट्री में काम कर सकते हैं. स्पेस साइंटिस्ट के रूप में विश्वविद्यालयों में फैकल्टी के रूप में काम कर सकते हैं, एकेडमिक कमेटी का हिस्सा बन सकते हैं, पेपर प्रकाशित कर सकते हैं, शोध करनेवाले छात्रों के गाइड बन सकते हैं. एस्ट्रोनॉमर्स और एस्ट्रोफिजिक्विसस्ट सरकारी या राष्ट्रीय ऑब्जरवेटरीज, स्पेस रिसर्च एजेंसियों, साइंस म्यूजियम और प्लेनेटेरियम में नौकरी प्राप्त कर सकते हैं. इस क्षेत्र के विशेषज्ञ टेलीस्कोप डिजाइन और बनाने में, सॉफ्टवेयर लिखने में, स्पेस लैबोरेटरीज में काम कर सकते हैं. इनके अलावा सिमुलेशन सेंटर्स, स्पेस टूरिज्म ऑपरेटर्स, स्पेसक्राफ्ट मैन्युफैरिंग फर्म्स, मिलिटरी ऑपरेशंस, आर एंड डी सेंटर्स, स्पेसक्राफ्ट सॉफ्टवेयर डेवलपिंग फर्म्स, रिपेयर और मेंटनेंस वर्कशॉप में भी रोजगार प्राप्त कर सकते हैं.

कमाई भी कम नहीं

स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में कमाई मुख्य रूप से शैक्षणिक योग्यता और संस्थान, जहां से डिग्री हासिल की है, जिस काम से जुड़े हैं आदि पर निर्भर करती है. शुरुआती दौर में स्पेस साइंटिस्ट हर स्थिति में दो से ढाई लाख रुपये सालाना कमा सकते हैं. अनुभव और ज्ञान के साथ असीमित वेतन हासिल किया जा सकता है.

खुल गया है प्रवेश का रास्ता

स्पेस साइंस के क्षेत्र में कैरियर बनानेवालों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी एक प्रमुख संस्थान है. ज्वॉइंट एंट्रेंस टेस्ट (जेइइ) एडवांस्ड के माध्यम से इस संस्थान में प्रवेश प्राप्त किया जा सकता है. इसके साथ ही अन्य इंजीनियरिंग कॉलेज जहां से ये कोर्स कराये जाते हैं, उनमें भी जेइइ मेन्स के माध्यम से दाखिला प्राप्त किया जा सकता है. जेइइ मेन्स के लिए आवेदन प्रक्रिया की शुरुआत हो चुकी है. इस ओर आने के इच्छुक युवा समय रहते आवेदन कर सकते हैं. ध्यान रखें कि जेइइ एडवांस्ड का प्रवेश द्वार भी जेइइ मेन्स से होकर ही खुलता है.

मुख्य संस्थान

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आइआइएसटी), तिरुवनंतपुरम
वेबसाइट - www.iist.ac.in
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची
वेबसाइट - www.bitmesra.ac.in
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु
वेबसाइट - www.iisc.ernet.in
इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी)
मुंबई, मद्रास, खड़गपुर और कानपुर
वेबसाइट - www.iitb.ac.in; www.iitm.ac.in; www.iitkgp.ac.in; www.iitk.ac.in

मध्यवर्गीय शिक्षित महिलाओं में से बहुत-सी ऐसी महिलाएं हैं जो अपनी लापरवाही की वजह से अपने कार्यस्थल में काम करते वक्त कुछ जरूरी बातों का ख्याल रखना भूल जाती हैं जिसकी वजह से कई बार उन्हें नीचा भी देखना पड़ सकता है।

कार्यालय में काम करने के दौरान...

एक निजी स्कूल में अध्यापिका का काम करने वाली फाल्गुनी अक्सर अपनी बेढंगी वेशभूषा और बातूनीपन की वजह से अपने छात्र-छात्राओं और सहकर्मियों के बीच मजाक का विषय बन जाती है। जब उसकी शुभचिंतक पड़ोसन नीता इस ओर उसका ध्यान दिलाती है तो वह उसकी बात अनसुनी कर देती है। जिसके परिणामस्वरूप स्कूल की प्राध्यापिका की नजरों में वह कभी आ ही नहीं पाती।

इसी तरह एक निजी ऑफिस में कार्यरत शारदा अपने गहरे-चटक वस्त्रों व तड़क-भड़क वाले अंदाज की वजह से सहकर्मियों के बीच उपहास का विषय बन चुकी है। उसके खुले व्यवहार का अक्सर लोग गलत अर्थ भी लगा लेते हैं लेकिन शारदा अपने मन में ही मस्त रहती है। सिर्फ फाल्गुनी या शारदा ही नहीं, आज मध्यवर्गीय शिक्षित महिलाओं में से बहुत-सी ऐसी महिलाएं हैं जो अपनी लापरवाही की वजह से अपने कार्यस्थल में काम करते वक्त कुछ जरूरी बातों का ख्याल रखना भूल जाती हैं जिसकी वजह से कई बार उन्हें नीचा भी देखना पड़ सकता है। अतः नौकरीपेशा महिलाओं को कई बातों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए -

- अपनी आयु व पद के अनुसार वस्त्रों का चयन करें। वस्त्र अच्छी तरह प्रैस किए हों और सही फिटिंग के हों, इस बात का विशेष ध्यान रखें।
- अपनी कमजोरियों और मजबूरियों का अपने बॉस या सहकर्मियों के सामने जिक्र करने से बचें क्योंकि बाद में इनमें कोई आपका नाजायज फायदा भी उठा सकता है।
- किसी सहकर्मी या बॉस की खुशामद करने की गलती न करें।
- कार्यालय में समय से आएं और समय से जाएं।
- थोड़ी-सी परेशानी पडने पर सबके सामने आंसू न बहाएं क्योंकि इससे आपकी ही छवि हल्की होगी।
- सहकर्मियों के सामने अपनी घरेलू परेशानियों व आर्थिक कमजोरी की चर्चा न करें क्योंकि इससे सब आपको बेचारी समझने लगेंगे।
- गलत समझौते या द्विअर्थी बातों को हजम न करें।
- सबसे कम और मीठा बोलें। किसी को उपदेश देने की गलती न करें।
- कार्यालय में आधा-अधूरा काम न करें। अपना पूरा कार्य समय से करें। उसका लेखा-जोखा अपने पास रखें।
- महिला होने की वजह से पुरुष सहकर्मियों से अपना कार्य करवाने की नीयत न रखें।
- अपनी ऊब, थकान, खीज व कुढ़न सहकर्मियों के सामने प्रकट न करें।

इंटरव्यू के दौरान अब तक कंपनियां आवेदक की योग्यता, कार्य अनुभव और परफॉर्मेंस पर जोर देती आयी हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक में सोशल स्किल्स और डिजिटल लिट्रेसी की खूबी का होना इन योग्यताओं से ज्यादा मायने रखने लगा है.

सोशल और डिजिटल स्किल्स का मजबूत होना जरूरी है

पुणे के विशाल पिछले पांच वर्षो से एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम कर रहे हैं. अच्छी योग्यता और पांच वर्षो का कार्याअनुभव होने के बावजूद विशाल ने अपनी सोशल और डिजिटल स्किल्स को निखारने के लिए इनसे संबंधित कोर्स में दाखिला लिया. सोशल और डिजिटल स्किल्स को मजबूत बनाने के लिए यह कदम उठानेवाले विशाल पहले व्यक्ति नहीं हैं, बल्कि इन दिनों नौकरी की तलाश करनेवाले अधिकतर उम्मीदवारों ने अपनी सोशल और डिजिटल स्किल्स को निखारने पर खासा जोर देना शुरू कर दिया है. पिछले कुछ वर्षो में रोजगार बाजार में आये नये परिवर्तनों ने उम्मीदवारों के लिए एक नयी चुनौती खड़ी कर दी, जिसके लिए उन्हें अपने सोशल स्किल्स पर खासा ध्यान देना पड़ रहा है.

हाल में एचआर सर्विस कंपनी रैंड्यटैड इंडिया ने 32 शहरों में जॉब की तलाश करनेवाले उम्मीदवारों के रुझान और रोजगार बाजार में आये परिवर्तन को समझने के लिए वर्कमॉनिटर नामक सर्वे कराया. इस सर्वे में यह बात सामने आयी है कि पिछले पांच वर्षो की अपेक्षा इस दौर में कंपनियों के लिए उम्मीदवारों की सोशल स्किल्स (91%), डिजिटल लिट्रेसी (91%), शैक्षिक योग्यता (90%) और कार्य अनुभव (94%) ज्यादा महत्वपूर्ण हो गये हैं. इतना ही नहीं सर्वेक्षण में शामिल 908 उम्मीदवारों ने इस बात पर भी पूरा विश्वास जताया है कि आनेवाले पांच वर्षो में कंपनियां आवेदकों की सोशल और डिजिटल स्किल्स पर और ज्यादा जोर देने लगेंगी. उम्मीदवारों ने यह भी स्वीकारा है कि इस परिवर्तन के चलते वक्त के साथ नौकरी पाना आवेदकों के लिए और भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण होता जायेगा.

इस परिवर्तन पर रैंड्सटैड इंडिया और श्रीलंका के सीइओ मूर्ति के उपल्करी का कहना है कि अब कॉरपोरेट जगत पहले से ज्यादा वैश्विक और विविध होता जा रहा है. इसके चलते उद्योग जगत की ज्यादातर कंपनियां अब विभिन्न सीमाओं के प्रतिभावान लोगों को नियुक्त करना पसंद कर रही हैं. अब टेक्नोलॉजी, संस्थानों के लिए अपनी विभिन्न शहरों व देशों की शाखाओं में काम करनेवाले कर्मचारियों को जोड़े रखने में अहम भूमिका निभा रही है, इसके चलते वे नौकरी पर तकनीक की समझ रखनेवाले आवेदकों को ही रखना पसंद कर रहे हैं.

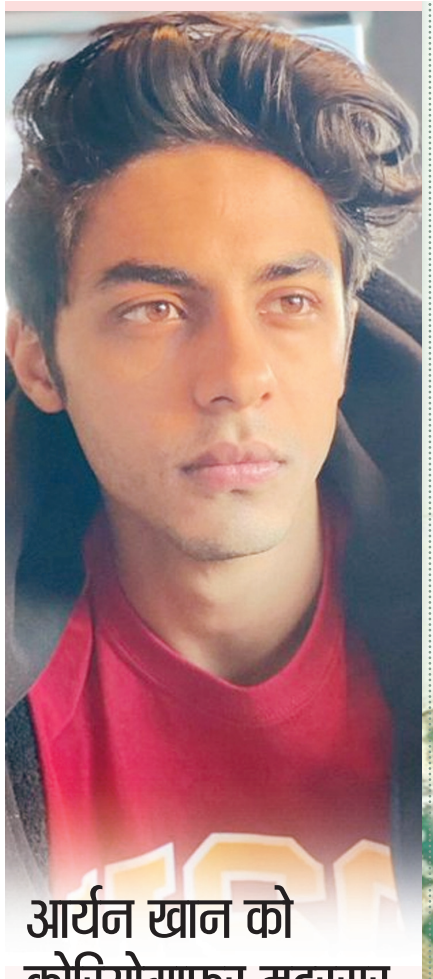

आर्यन खान को कोरियोग्राफर मुदस्सर ने बताया जीनियस, स्टारडम से करने वाले हैं करियर की शुरुआत

शाहरुख भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के सबसे बड़े चेहरों में से एक हैं। फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने 30 साल से भी लंबा सफर तय किया है। इस दौरान उन्होंने लगातार दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। तीन दशक से भी ज्यादा समय तक फिल्मी दुनिया में ना सिर्फ सक्रिय रहना, बल्कि मुख्य अभिनेता के तौर पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म देते रहना एक बड़ी उपलब्धि है। अब उनकी इस विरासत को उनके बच्चे आगे बढ़ाने वाले हैं। अभिनेता की बेटी सुहाना ने तो बतौर अभिनेत्री अपना करियर शुरू भी कर दिया है। अब उनके बेटे आर्यन पर निगाहें टिकी हुई हैं. जो बतौर निर्देशक अपना करियर शुरू करने वाले हैं।

सुहाना के बाद आर्यन देने वाले हैं दस्तक

साल 2023 में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म द आर्चीज से सुहाना खान ने डेब्यू किया था। मशहूर निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म में वह अगस्त्य नंदा, खुशी कपूर, वेदांग रैना, मिहिर आहूजा आदि के साथ नजर आई थीं। अब आर्यन खान भी फिल्मी दुनिया में अपना सफर शुरू करने के लिए तैयार हैं। वह अपने आगामी प्रोजेक्ट स्टारडम से बतौर निर्देशक फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले हैं। हाल में ही कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस शो में अभिनेता बॉबी देओल नजर आने वाले हैं और इसकी शूटिंग भी पूरी हो चुकी है। अब इस शो से जुड़े कोरियोग्राफर मुदस्सर खान ने इसे लेकर बात की है।

एक इंटरव्यू के दौरान कोरियोग्राफर मुदस्सर खान ने खुलासा किया कि वह फिलहाल शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज के साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह आर्यन खान के इस वेब सीरीज में काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें इसके बारे में ज्यादा बात ना करने को कहा गया है। हालांकि, उन्होंने इतना कहा कि वह इस वेब सीरीज के गानों पर काम कर रहे हैं और फिलहाल ये अभी प्लानिंग के स्टेज पर है। इस बीच आर्यन खान को लेकर मशहूर कोरियोग्राफर ने कहा कि वो काफी जीनियस हैं और बहुत प्रतिभाशाली भी हैं। कोरियोग्राफर ने जोर देते हुए कहा कि आर्यन के साथ काम करने के दौरान उन्हें काफी मजा आने वाला है।

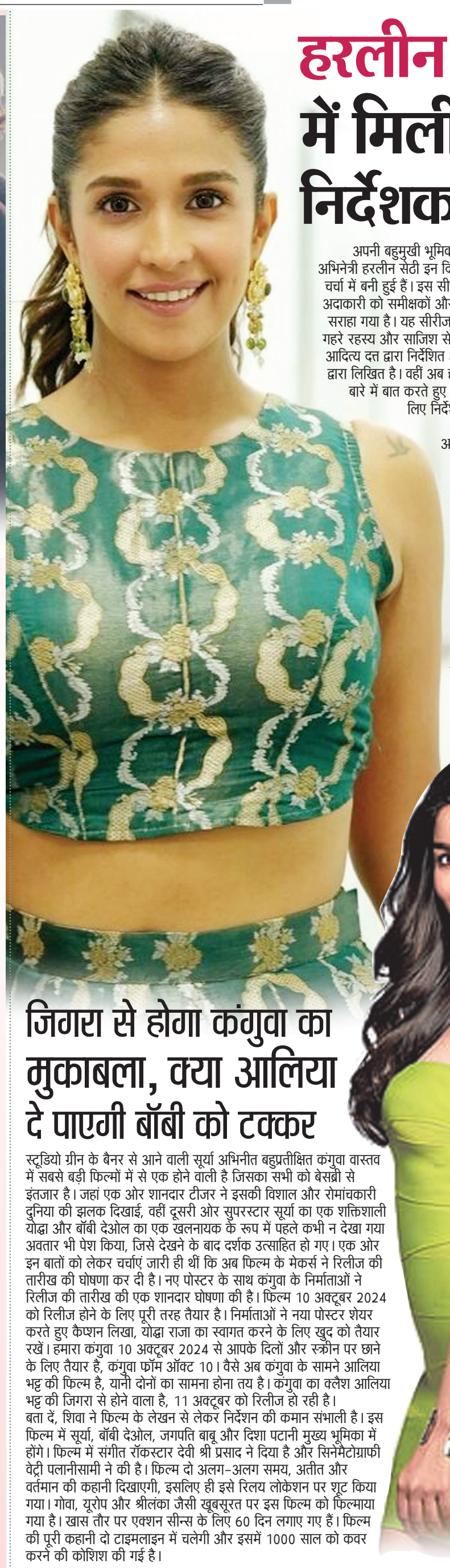

हरलीन सेठी ने बैड कॉप में मिली भूमिका के लिए निर्देशक का जताया आभार

अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के लिए मशहूर अभिनेत्री हरलीन सेठी इन दिनों बैड कॉप के लिए चर्चा में बनी हुई हैं। इस सीरीज में अभिनेत्री की अदाकारी को समीक्षकों और प्रशंसकों द्वारा खूब सराहा गया है। यह सीरीज डबल ड्रामा के साथ गहरे रहस्य और साजिश से भरपूर है। बैड कॉप आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और रेंसिल डिसिल्वा द्वारा लिखित है। वहीं अब हरलीन ने सीरीज के बारे में बात करते हुए उन्हें कास्ट करने के लिए निर्देशक आदित्य दत्त का आभार जताया।

आदित्य के विश्वास पर देविका बनीं हरलीन

हरलीन सेठी ने सीरीज के बारे में बात करते हुए निर्देशक की भी तारीफ की। उनका कहना है कि आदित्य दत्त ने उनकी क्षमता और उन पर अटूट विश्वास जताया, जिसके लिए वे निर्देशक की आभारी हैं। उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि कैसे शुरुआती झिझक के बावजूद उन्हें देविका के रूप में चुना गया। आदित्य दत्त के दृढ़ विश्वास से ही हरलीन को चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने का निर्णय लेने में मदद मिली।

देविका के रूप में हरलीन

हरलीन सेठी ने कहा, आदित्य दत्त को मुझ पर बहुत विश्वास था। उन्हें लगा कि वे इस भूमिका में सिर्फ मुझे ही देख सकते हैं। जब कोई आप पर इतना विश्वास करता है तो आप भूमिका को कैसे नकार सकते हैं? वे मुझसे कहीं ज्यादा आश्वस्त थे। शुरू में जब मैंने स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी तो वे मुझे देविका की भूमिका निभाने के लिए मनाने पर अड़े हुए थे और मुझे मनाने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और फिर हमने शो के बारे में उचित बातचीत की।

आदित्य को कहा शुक्रिया

हरलीन ने आगे कहा, मैं आदित्य सर को धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने मुझे अपने साथ जोड़ा, मुझे देविका के रूप में देखा और सेट पर मेरी जिस तरह से मदद की, वह सराहनीय है। बैड कॉप हरलीन सेठी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अपनी बहुमुखी भूमिकाओं के साथ मनोरंजन उद्योग में अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं। 21 जून को रिलीज हुई यह सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

राज-डीके की इस सीरीज में एक्शन करते दिखेंगे आदित्य रॉय कपूर!

आदित्य रॉय कपूर जल्द ही राज और डीके की अगली वेब सीरीज में सामंथा रूथ प्रभु के साथ नजर आ सकते हैं। इस सीरीज का नाम रक्तबीज रखा गया है। अगस्त तक मेकर्स इसकी शूटिंग शुरू कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन सीरीज में आदित्य के साथ सामंथा रूथ प्रभु भी मुख्य भूमिका में होंगी। द नाइट मैनेजर के बाद आदित्य रॉय कपूर का ओटीटी के लिए दूसरा प्रोजेक्ट है।

सामंथा के साथ स्क्रीन साझा करेंगे आदित्य

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरीज से जुड़े एक सूत्र ने बताया है कि आदित्य ने मई में ही इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी थी। इसके तुरंत बाद निर्माताओं ने सामंथा को भी इस सीरीज में शामिल कर लिया था। दोनों कलाकारों ने सीरीज के लिए अपनी-अपनी तैयारी भी शुरू कर दी है। जल्द ही दोनों इस एक्शन सीरीज के लिए साथ में भी ट्रेनिंग लेगें। खबर के मुताबिक, राज और डीके की जोड़ी फिलहाल फैमिली मैन के तीसरे सीजन की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद ये निर्देशक जोड़ी इस साल अगस्त तक रक्तबीज को फ्लोर पर लाने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, निर्देशक जोड़ी या दोनों कलाकारों की ओर से इस खबर की पुष्टि नहीं की गई है। राज और डीके की फैमिली मैन में भी सामंथा रूथ प्रभु नजर आई थीं। इसके बाद वह अब अभिनेता वरुण धवन के साथ सिटाडेल- हनी बनी में भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस सीरीज को एक जासूसी एक्शन थ्रिलर के दिल दहला देने वाले तत्वों को एक प्रेम कहानी के साथ दिखाया गया है। ये 90 के दशक की जीवंत टेपेस्ट्री पर आधारित है। दर्शकों को इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार है।

जिगरा से होगा कंगुवा का मुकाबला, क्या आलिया दे पाएगी बॉबी को टक्कर

स्टूडियो ग्रीन के बैनर से आने वाली सूर्या अभिनीत बहुप्रतीक्षित कंगुवा वास्तव में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है। जहां एक ओर शानदार टीजर ने इसकी विशाल और रोमांचकारी दुनिया की झलक दिखाई, वहीं दूसरी ओर सुपरस्टार सूर्या का एक शक्तिशाली योद्धा और बॉबी देओल का एक खलनायक के रूप में पहले कभी न देखा गया अवतार भी पेश किया, जिसे देखने के बाद दर्शक उत्साहित हो गए। एक ओर इन बातों को लेकर चर्चाएं जारी ही थीं कि अब फिल्म के मेकर्स ने रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है। नए पोस्टर के साथ कंगुवा के निर्माताओं ने रिलीज की तारीख की एक शानदार घोषणा की है। फिल्म 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्माताओं ने नया पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, योद्धा राजा का स्वागत करने के लिए खुद को तैयार रखें। हमारा कंगुवा 10 अक्टूबर 2024 से आपके दिलों और स्क्रीन पर छाने के लिए तैयार है, कंगुवा फॉम ऑक्ट 10। वैसे अब कंगुवा के सामने आलिया भट्ट की फिल्म है, यानी दोनों का सामना होना तय है। कंगुवा का क्लैश आलिया भट्ट की जिगरा से होने वाला है, 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है।

बता दें, शिवा ने फिल्म के लेखन से लेकर निर्देशन की कमान संभाली है। इस फिल्म में सूर्या, बॉबी देओल, जगपति बाबू और दिशा पटानी मुख्य भूमिका में होंगे। फिल्म में संगीत रॉकस्टार देवी श्री प्रसाद ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी वेट्री पलानीसामी ने की है। फिल्म दो अलग-अलग समय, अतीत और वर्तमान की कहानी दिखाएगी, इसलिए ही इसे रिलय लोकेशन पर शूट किया गया। गोवा, यूरोप और श्रीलंका जैसी खूबसूरत पर इस फिल्म को फिल्माया गया है। खास तौर पर एक्शन सीन्स के लिए 60 दिन लगाए गए हैं। फिल्म की पूरी कहानी दो टाइमलाइन में चलेगी और इसमें 1000 साल को कवर करने की कोशिश की गई है।

कल्कि 2898 एडी के लिए मैंने तुरंत हां कर दी थी

नाग अश्विन निर्देशित साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी क्रेज है। फिल्म देखने गए दर्शकों को बड़ा सरप्राइज मिला। मूवी में यूं अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी के अहम रोल हैं, लेकिन इसमें और भी कई स्टार स्पेशल अपीयरेंस में दिखे, जिनमें डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा, फिल्म मेकर एस.एस. राजामौली, एक्टर विजय देवेरकोंडा, दुलकर सलमान और एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर शामिल हैं। फिल्म में मृणाल ठाकुर ने एक प्रेग्नेंट लेडी अदिति का किरदार निभाया है। फिल्म में अदिति अच्छाई के लिए लड़ते हुए अपनी जान गंवा देती है। फिल्म में स्पेशल अपीयरेंस को लेकर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने कहा, जब मुझे कल्कि 2898 एडी के लिए ऑफर आया, तो मैंने हां कहने में एक सेकंड भी नहीं लिया। एक्ट्रेस पहले फिल्म के निर्माताओं अश्विनी दत्त, स्वप्ना दत्त और प्रियंका दत्त के साथ फिल्म सीता राममम में काम कर चुकी हैं।

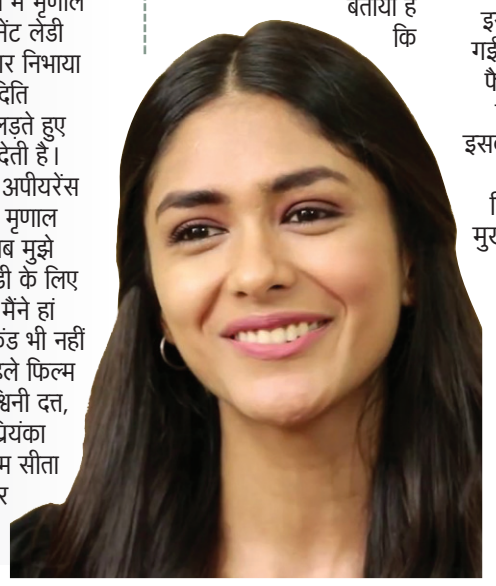

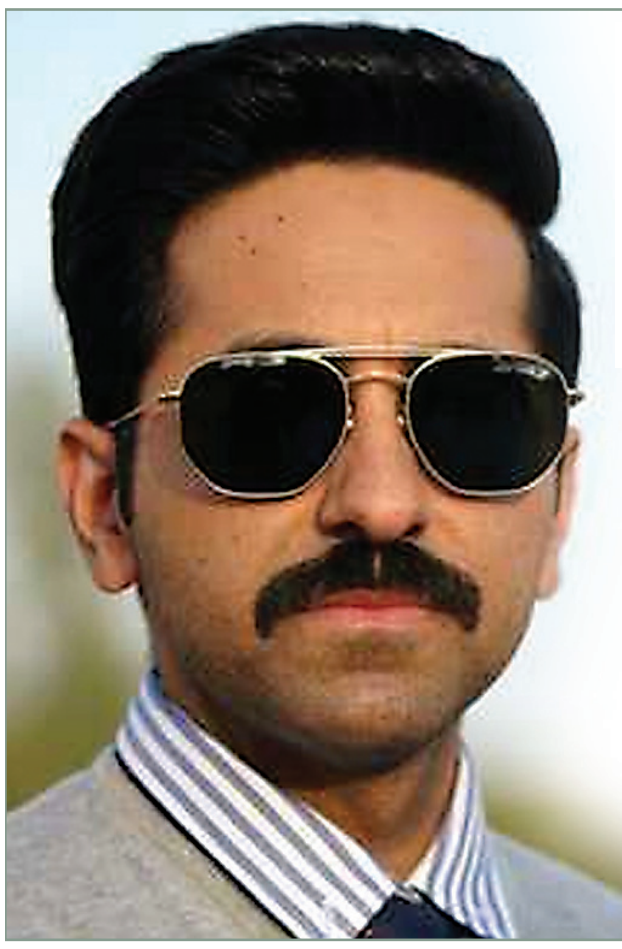

ताहिरा की फिल्म को लेकर आयुष्मान खुराना का मजेदार ट्वीट

मशहूर अभिनेता आयुष्मान खुराना की पत्नी और फिल्म निर्देशक ताहिरा कश्यप इन दिनों चर्चा में हैं। उनकी फिल्म शर्माजी की बेटी आज, यानी 28 जून को आखिरकार रिलीज हो चुकी है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है, जिसमें आज के जमाने की मध्यमवर्गीय महिलाओं के जीवन और संघर्ष को दिखाया गया है। फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अब इस फिल्म को लेकर आयुष्मान खुराना ने एक मजेदार ट्वीट किया है।

आयुष्मान एक अच्छे पति की तरह अपनी पत्नी का भरपूर साथ दे रहे हैं। उन्होंने अपनी पत्नी का समर्थन करने और अपने प्रशंसकों से सोशल मीडिया के जरिए फिल्म देखने का आग्रह किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का जिक्र करते हुए एक दिलचस्प ट्वीट भी किया। 27 जून को खेले गए भारत बनाम इंग्लैंड टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल मैच का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि रोहित शर्मा की टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है, वहीं उनकी पत्नी की फिल्म जो शर्माजी की बेटी की कहानी बताती है, वह भी आज रिलीज हो चुकी है। अपने ट्वीट में वह फिल्म की स्क्रीनिंग करने वाली बड़ी स्क्रीन के सामने भारतीय क्रिकेट टीम की शर्ट पहने खड़े नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, इधर हम मैच देख रहे हैं, जिसमें शर्मा जी का बेटा हमारी टीम का नेतृत्व कर रहा है. उधर बड़ी खबर आ रही है कि ताहिरा की पहली फिल्म रिलीज हो गई है। वो हम दोनों के थिएटर वाले दिनों से ही एक जन्मजात लेखिका और निर्देशक हैं। यह फिल्म निश्चित रूप से आपके दिलों को छू जाएगी।

ताहिरा ने भी लिखा एक भावुक संदेश

आयुष्मान के इस ट्वीट के बाद ताहिरा ने भी एक लंबी और भावुक पोस्ट के साथ ऐसी ही एक तस्वीर साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने बताया कि सात साल के लंबे अंतराल के बाद इस फिल्म को बनाने का उनका सपना पूरा हुआ है। इसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, सपने आपको जीवित रखते हैं। आप सांस लेते रहते हैं, मगर ये आपके सपने ही होते हैं, जो वास्तव में आपको आगे बढ़ने के लिए शक्ति देते हैं। इसे बनाने में सात साल लग गए, लेकिन यह वास्तव में उस काबिल था। इस पोस्ट के दौरान उन्होंने सभी लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने उनपर विश्वास किया और उनका साथ दिया।

सामंथा रुथ प्रभु को हो रहा पछतावा

सामंथा रुथ प्रभु एक बेहतरीन अदाकारा हैं। वह अपनी दमदार एक्टिंग, ग्लैमर और हॉटनेस के लिए जानी जाती है। उन्होंने अपने पॉडकास्ट टेक 20 के एक एपिसोड में हेल्दी खाने के महत्व पर जोर दिया। इस दौरान एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्होंने अपनी जिंदगी में कुछ अनहेल्दी ब्रांड्स का ऐड करके गलतियां की हैं। टेक 20 के एपिसोड में सामंथा ने लाइफस्टाइल और वेलनेस एक्सपर्ट अलकेश शारोत्री के साथ हेल्दी खाने के महत्व पर चर्चा की। इस दौरान एक यूजर के कमेंट ने उनका ध्यान खींचा। एक यूजर ने सामंथा के बारे में कमेंट किया कि वह खुद अनहेल्दी ब्रांड्स का ऐड करती हैं और अपने पॉडकास्ट पर हेल्दी खाने के बारे में बात करती हैं। एक्ट्रेस ने माना कि उन्होंने अनहेल्दी ब्रांड्स के ऐड करके गलती की है। उन्होंने कहा, मैंने अतीत में कई गलतियां की हैं, लेकिन तब मुझे इस बारे में ज्यादा नहीं पता था, लेकिन अब मैं कई सारे ऐड के ऑफर्स को ठुकरा चुकी हूं। मैं हेल्दी रहने के लिए जो बातें कहती हूं, असल जिंदगी में उसको फॉलो भी करती हूं।

संक्षिप्त समाचार

योगगुरु रामदेव के इस शेयर को खरीदने की लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की ऐतिहासिक बढ़त वाले सप्ताह के बीच शुक्रवार को मुनाफावसूली का माहौल था। हालांकि, इस माहौल में भी योगगुरु रामदेव की कंपनी पतंजलि फूड्स के शेयर की भारी डिमांड थी। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन पतंजलि फूड्स के शेयर में 6 फीसदी तक की तेजी थी। कारोबार के अंत में यह शेयर 1591.35 रुपये पर बंद हुआ। एक दिन पहले की क्लोजिंग 1515.35 रुपये के मुकाबले 5.02 प्रतिशत बढ़त के साथ कारोबार खत्म हुआ। हालांकि, इस शेयर पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं।

क्या कहना है एक्सपर्ट का- घरेलू ब्रोकरेज एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक पतंजलि फूड्स के शेयर 1790 रुपये तक जा सकते हैं। अगले तीन महीने के लिए दिए गए इस टारगेट प्राइस के साथ ही ब्रोकरेज ने 1446 रुपये पर स्टॉप लॉस की भी सलाह दी है। बता दें कि 16 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 1,741 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 वीक का हाई था। वहीं, जुलाई 2023 में इस शेयर की कीमत 1,164 रुपये के निचले स्तर पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

मार्च तिमाही में मुनाफा घटा- मार्च तिमाही में पतंजलि फूड्स के नेट प्रॉफिट में 22 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी और यह 206.32 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले की इसी तिमाही यह 263.71 करोड़ रुपये था। वहीं, परिचालन से राजस्व चार प्रतिशत बढ़कर 8,221 करोड़ रुपये हो गया।

कंपनी का प्लान- हाल ही में पतंजलि फूड्स ने शेयर बाजार को बताया था कि उसके निदेशक मंडल ने गैर-खाद्य व्यवसाय उपक्रम की बिक्री के लिए पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड से मिले शुरुआती प्रस्ताव पर चर्चा की है। कंपनी के मुताबिक निदेशक मंडल ने पतंजलि आयुर्वेद के गैर-खाद्य पोर्टफोलियो के साथ तालमेल बढ़ाने के सबसे कुशल तरीके का मूल्यांकन करने के लिए अपनी सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। बता दें कि पतंजलि फूड्स को पहले रुचि सोया इंडस्ट्रीज के नाम से जाना जाता था। वर्ष 1986 में गठित यह कंपनी दैनिक उपभोग के उत्पाद बनाने वाली अग्रणी कंपनियों में शामिल है।

चौथी बार बोनस शेयर बांट रही है सरकारी कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। बोनस देने वाली कंपनियों पर दांव लगाने वाले निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई है। सरकारी कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने फिर से बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। कंपनी शेयर बाजार में इसी हफ्ते एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड करने जा रही है। बता दें, ऑयल इंडिया लिमिटेड की तरफ से योग्य निवेशकों को 2 शेयर पर 1 शेयर फ्री मिलेगा।

परसों है रिकॉर्ड डेट- कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया है कि 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया जाएगा। इस बोनस इश्यू के लिए ऑयल इंडिया लिमिटेड ने 2 जुलाई 2024 यानी मंगलवार की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम ऑयल इंडिया लिमिटेड के रिकॉर्ड बुक में इस दिन रहेगा उन्हें ही बोनस शेयर मिलेगा।

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने पहली बार 2012 में निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा दिया था। कंपनी ने तब 2 शेयर पर 3 शेयर दिए थे। वहीं, 2017 में इस कंपनी की तरफ से 3 शेयर पर एक शेयर दिया था। 2018 में कंपनी ने 2 शेयर पर 1 शेयर बोनस के तौर पर दिया था। इस बार भी इसी हिसाब से कंपनी की तरफ से बोनस शेयर बांटा जाएगा।

24000 अंक के नीचे जाएगा निफ्टी या बनेगा नया रिकॉर्ड? बाजार के लिए ये फैक्टर अहम

नईदिल्ली, एजेंसी। बीते सप्ताह शेयर बाजार के इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी ने नया रिकॉर्ड बनाया। अब इस हफ्ते बाजार की चाल पर निवेशकों की नजर रहेगी। बीते सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को पिछले 3 दिनों से हर रोज सेंसेक्स और निफ्टी के नया रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला भी थम गया। ऐसे में अब अनुमान लगाया जा रहा है कि नए सप्ताह में बाजार में मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की चाल- पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,822.83 अंक या 2.36 प्रतिशत के लाभ में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 509.5 अंक या 2.16 प्रतिशत चढ़ गया। सेंसेक्स जून में 7.14 प्रतिशत चढ़ा है। यह इसकी सबसे अच्छी मासिक बढ़त है। बता दें कि सेंसेक्स ने ऐतिहासिक 79,000 अंक के स्तर को पार किया था।

ये फैक्टर हैं अहम- घरेलू मोर्चे

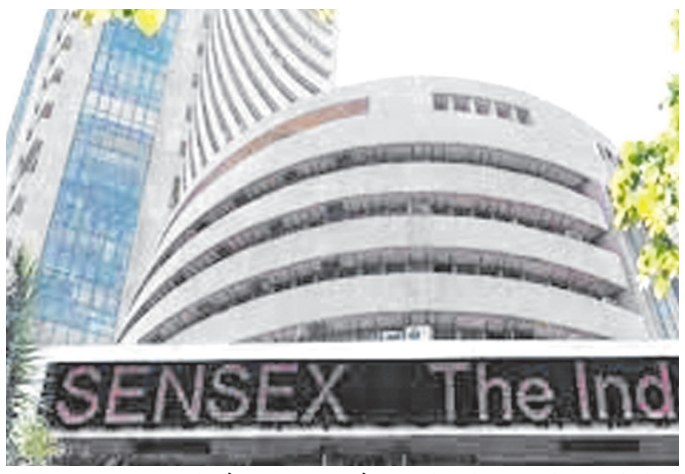

पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे।

स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा-निवेशकों की निगाह अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की निगाह है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों (एफआईआई और डीआईआई) की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे। इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के अरविंदर सिंह नंदा ने कहा- बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड को यूके स्थित एस्टर बायोटेक लिमिटेड से सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई: 539561), एपीआई इंटरमीडिएट्स और एपीआई ट्रेडिंग के लिए आवश्यक विभिन्न अन्य कच्चे माल के व्यापार में लगी कंपनी को यूनाइटेड किंगडम में स्थित फार्मास्युटिकल डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी एस्टर बायोटेक लिमिटेड, से एक मल्टी-ईयर सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट मिला है। अनुबंध में विभिन्न एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स , इंटरमीडिएट्स और स्पेशलिटी केमिकल्स की आपूर्ति शामिल है। अकेले जुलाई 2024 और जून 2025 के बीच निर्धारित आपूर्ति का मूल्य एक सौ पचहत्तर करोड़ रुपये (175,00,00,000/- रुपये) है।

इससे पहले, कंपनी ने शेयर्स के बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट 06 जुलाई 2024 निर्धारित की थी (यदि तरू में शेयरहोल्डर्स द्वारा अनुमोदित किया गया हो)। बोर्ड ने हाल ही में इस उद्देश्य के लिए तय की गई रिकॉर्ड डेट पर रखे गए प्रत्येक 1 इक्विटी शेयर के लिए 3 इक्विटी शेयर्स के बोनस इश्यू को मंजूरी देकर सिफारिश की है, जो सदस्यों और उपयुक्त अधिकारियों से अनुमोदन के अधीन है।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने 4042 करोड़ रुपये का रेवेन्यू दर्ज किया, जो सालाना 692 प्रतिशत की वृद्धि थी। एबिटा सालाना 312 प्रतिशत पर उछल गया और 8 करोड़ रुपये से 33 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हुआ। पीबीटी 614 प्रतिशत बढ़ गया और 7 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 50 करोड़ (फाइनेंशियल ईयर 24) पहुंचा। शुद्ध लाभ (सालाना आधार पर 560 प्रतिशत उछला और 5 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23), से 33 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हुआ। ईपीएस 90.92 प्रति शेयर रुपये पर रिपोर्ट किया गया था।

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड, एपीआई इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई ट्रेडिंग के लिए आवश्यक विभिन्न अन्य कच्चे माल के व्यापार में लगी है, कंपनी ने एमिनो आइसोफ्थेलिक एसिड, टेल्यूरियम ऑक्साइड, ग्रिग्नार्ड रीजन्ट (अभिकर्मक), आयोडीन, सेलेनियम मेटल पाउडर, ट्राइमिथाइल सल्फॉक्सोनियम आयोडाइड का व्यापार करके फार्मास्युटिकल और हेल्थकेयर डोमेन के भीतर अपने प्रदर्शन और उपस्थिति को बढ़ाया है। एक लीडिंग कॉन्ट्रैक्ट ट्रेडर और एडवांस्ड इंटरमीडिएट्स और एपीआई के ब्रांड मालिक के रूप में, रेमेडियम ने मध्यवर्ती और एपीआई के व्यापार में अपने प्रतिमान को स्थानांतरित कर दिया है।

1 शेयर पर 130 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी, रिकॉर्ड डेट इसी हफ्ते

नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते कई दिग्गज कंपनियां शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड स्टॉक के तौर पर ट्रेड करेगी। एसकेएफ इंडिया लिमिटेड की तरफ से 100 रुपये से अधिक का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी इससे पहले भी कई बार डिविडेंड दे चुकी है। कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि एक शेयर पर 130 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 4 जुलाई 2004 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम कंपनी के रिकॉर्ड डेट पर इस दिन रहेगा उन्हें ही डिविडेंड का लाभ मिलेगा।

एसकेएफ इंडिया पहली बार 2001 में डिविडेंड दिया था। कंपनी एक शेयर पर 15 रुपये का डिविडेंड दिया था। 2023 में कंपनी ने हर शेयर 40 रुपये का लाभांश दिया था।

टाटा की कंपनी ने बांग्लादेश में की एंट्री, शेयर पर फोकस, 3600 तक जाएगा भाव!

नईदिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार की योजना बनाई है। इसी के तहत कंपनी बांग्लादेश में अपना आभूषण ब्रांड तनिष्क पेश कर रही है। तनिष्क ने रिदम ग्रुप के साथ इस संबंध में एक ज्वाइंट वेंचर समझौता किया है। इस समझौते के जरिए तनिष्क को बांग्लादेश के बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। दोनों कंपनियों के संयुक्त बयान के अनुसार, ज्वाइंट वेंचर की शुरुआत बांग्लादेश के नारायणगंज में मैन्युफैक्चरिंग इकाई के

उद्घाटन के साथ होगी। बता दें कि रिदम ग्रुप बांग्लादेश की एक प्रमुख कंपनी है जिसकी स्थापना 1972 में देसी वस्त्र निर्माण के लिए की गई थी और तब से इसने कई क्षेत्रों में विस्तार किया है।

विदेश में विस्तार पर फोकस- घरेलू बाजार के अलावा टाइटन अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तनिष्क की उपस्थिति का विस्तार कर रही है और संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, कतर, सिंगापुर और ओमान में 17 स्टोर संचालित करती है। इसका घड़ी कारोबार दक्षेस, एमईएनए (पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका), दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्रों में मौजूद है। पिछले कुछ साल में, इसने अपने प्रमुख आभूषण ब्रांड तनिष्क को विदेशों में बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

शेयर का टारगेट प्राइस

कोटक इंस्टीट्यूशन इक्विटीज ने अपनी 27 जून की रिपोर्ट में टाइटन के शेयरों को करंट मार्केट प्राइस पर खरीदने की सलाह दी है। शेयर के लिए टारगेट प्राइस 3,600 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। बता दें कि टाइटन के शेयर की वर्तमान कीमत 3406.10 रुपये है। शेयर के 52 हफ्ते का हाई 3,885 रुपये है। यह भाव 30 जनवरी 2024 को था। 7 अगस्त 2023 को शेयर की कीमत 2,882.60 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

टाइटन के शेयरहोल्डिंग पैटर्न की बात करें तो 52.90 फीसदी हिस्सेदारी प्रमोटर्स के पास है। इसके प्रमोटर्स में टाटा संस, टाटा इन्वेस्टमेंट और टाटा केमिकल्स भी शामिल हैं। इस कंपनी में दिग्गज निवेशक रेखा झुनझुनवाला का भी दांव है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड बोर्ड फंड जुटाने के प्रस्ताव पर 2 जुलाई को विचार करेगा

स्टैंडर्ड कैपिटल जल्द ही बीमा ब्रोकिंग लाइसेंस के लिए आवेदन करेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर की लीडिंग कंपनी स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि फंड जुटाने के प्रस्ताव पर विचार करने और मंजूरी देने के लिए उसका बोर्ड 02 जुलाई, 2024 को मीटिंग करेगा। हाल ही में कंपनी ने घोषणा की कि उसने इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (इंश्योरेंस ब्रोकर) विनियम, 2018 के तहत प्रत्यक्ष ब्रोकर के रूप में कार्य करने के लिए स्टैंडर्ड इंश्योरेंस ब्रोकिंग लिमिटेड के नाम से एक सहायक कंपनी शुरू की है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की एनओसी पहले ही ली जा चुकी है और अब कंपनी इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के इंश्योरेंस ब्रोकिंग लाइसेंस लेने के लिए भी आवेदन करेगी।

इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने उच्च शिक्षा चाहने वाले व्यक्तियों को शैक्षिक ऋण प्रदान करने के लिए एक अग्रणी फिनटेक कंपनी के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य छात्रों के लिए शिक्षा को अधिक सुलभ और किफायती बनाना है, जिससे उन्हें अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। इस स्ट्रेटिजिक पार्टनरशिप के द्वारा, स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड छात्रों की आवश्यकता के अनुसार कॉम्पिटेटिव लोन ऑप्शन देने के लिए फिनटेक कंपनी के इनोवेटिव प्लेटफॉर्म और स्टूडेंट फाइनेंसिंग में विशेषज्ञता का लाभ उठाएगा। लोन में ट्यूशन फीस, रहने का खर्च और अन्य शैक्षिक लागतें शामिल होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वित्तीय बाधाएं छात्रों को क्वॉलिटी एजुकेशन प्राप्त करने में रुकावट न बनें।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर में एक लीडिंग प्लेयर है। यह कंपनी प्रत्येक ग्राहक की विलक्षणता को अपनाते हुए, कंपनी लगातार पर्सनलाइज्ड, प्रोफेशनल सर्विसेज़ देने का प्रयास करती है। यह सर्वोत्तम प्रोफेशनल नॉर्म्स और प्रैक्टिसेस का मज़बूती से पालन करते हुए, हर इंटरैक्शन में गतिशीलता दिखाते हुए, प्रत्येक ग्राहक के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को बरकरार रखता है। कंपनी पर्सनल लोन की एक डाइवर्स रेंज देती है, जो न केवल प्रतिस्पर्धात्मकता तय करती है बल्कि फ्लेक्सिबल रीपेमेंट टर्म भी सुनिश्चित करती है। उनके सपोर्ट से, ग्राहक बिना किसी कन्फ्यूजन या वरी के आत्मविश्वास से अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फाइनेंशियल सपोर्ट चाहने वाले व्यवसायों के लिए, कंपनी फ्लेक्सिबल ओवरड्राफ्ट ऑप्शंस के साथ बिज़नेस लोन प्रदान करती है। कंपनी ग्राहकों को तेज़ वित्तीय सहायता प्रदान करके, आसानी से बिज़नेस ग्रोथ को बढ़ावा देकर प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए ताकत देती है।

टाटा मैजिक बाइ-फ्यूल ने भोपाल में अंतिम मील तक की कनेक्टिविटी को बढ़ाया

भोपाल। टाटा मैजिक ने शहर की व्यस्त गलियों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक, देश में लाखों यात्रियों को उनके ठिकानों तक पहुँचाने में कामयाबी हासिल की है। अब हाल ही में लॉन्च हुई टाटा मैजिक बाइ-फ्यूल लोगों की यात्रा को और बेहतर बनाने के लिए तैयार है। इस वाहन में 60 लीटर का सीएनजी टैंक और 5 लीटर का पेट्रोल टैंक दिया गया है। यह एक बार ईंधन भरने पर लगभग 300 किलोमीटर की कुल रेंज देता है। ऐसे में यह लंबी दूरियों और तरह-तरह के क्षेत्रों के लिये आदर्श है। यह अभिनव वैरिएंट सीएनजी और पेट्रोल के बीच आसानी से अदला-बदली कर सकता है, ताकि समय की बचत हो और ईंधन की खपत कम हो।

टाटा मैजिक बाइ-फ्यूल यात्रियों के साथ-साथ ड्राइवरों की भी बदलती जरूरतें पूरी करता है। अपने सेगमेंट में इसके पास 9 लोगों+ ड्राइवर के बैठने की सर्वोच्च क्षमता है। इसकी खूबियों में रेडियल टायर, गियरशिफ्ट एडवाइजर और ड्राइवर केलिये बेहतर एर्गोनॉमिक्स शामिल हैं। यह वाहन ईंधन की खपत को सटीक रखता है और इसलिये इसके स्वामित्व में कम खर्च आता है।

दो साल या 72,000 किलोमीटर की बेजोड़ वारंटी के साथ, टाटा मैजिक बाइ-फ्यूल भरोसेमंद एवं टिकाऊ वाहनों की पेशकश के लिये कंपनी के वादे को दोहराता है। यह फ्लीट के मालिकों और निजी ऑपरेटरों को समान रूप से मानसिक शांति देता है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने लॉंच किया अपना मानसून सर्विस कैम्पेन

मानसून के लिए तत्पर रहने के लिए पूरे भारत में विशेष सर्विस कैंम्प का अयोजन

मुंबई, एजेंसी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने अपने पूरे डीलर नेटवर्क में मानसून सर्विस कैम्पेन शुरू करने की घोषणा की है। यह विशेष अभियान पूरे भारत में चलाया जाएगा। इसके माध्यम से आगामी मानसून सीजन के लिए कार को पूरी तरह तैयार किया जाएगा।

विक्रम पावाह, प्रेसीडेंट, बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि, बीएमडब्ल्यू ग्रुप मौसम की विशिष्ट चुनौतियों से निपटने के लिए अपने ग्राहकों के वाहनों को सबसे बढ़िया स्थिति में रखने के लिए वचनबद्ध है। हमारे मानसून सर्विस कैम्पेन की रूपरेखा बीएमडब्ल्यू और मिनी कारों की सुरक्षा तथा परफॉर्मेन्स बढ़ाने के लिए पूरी इन्स्पेक्शन, मेंटेनेन्स और आवश्यक अपग्रेड्स प्रदान करने के लिए बनाई गई है। हम ग्राहकों के लिए विश्वसनीयता और मन की शांति का महत्व समझते हैं तथा यह कैम्पेन शानदार सर्विस और सपोर्ट देने के प्रति हमारे समर्पण का प्रतीक है। प्रशिक्षित टेक्नीशियंस की समर्पित

टीम, विशेषज्ञ वर्कशॉप टेक्नोलॉजीज और ओरीजनल बीएमडब्ल्यू पार्ट्स के द्वारा हम आपके लिए आरामदेह सफर का आनंद सुनिश्चित करते हैं।

मानसून सर्विस कैम्प की कल्पना वाहन के प्रभावकारी प्रबंधन, समय पर मेंटेनेन्स और बीएमडब्ल्यू एवं मिनी कारों की सामान्य समझ पर उपयोगी जानकारी एवं सुभाव देने के लिए की गई है। यह प्रोग्राम वाहन की व्यापक जाँच और जरूरी लगा तो एक बुनियादी कंडीशन-बेस्ड सर्विस भी प्रदान करता है, जिससे कार सबसे बढ़िया कंडीशन में रहती है। इस सर्विस का संचालन बीएमडब्ल्यू और मिनी के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है। ग्राहक कार की सर्विसिंग के लिए वर्कशॉप में पहले से अपॉइंटमेण्ट बुक करा कर अपने डीलर से विशेष प्रमोशन एवं ऑफर्स पाने के लिए अपने निजी विवरण को चेक और अपडेट कर सकते हैं।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया अपने ग्राहकों से भारी वर्षा के दौरान और पानी भरे इलाकों में वाहन चलाते समय सावधानी बरतने का आग्रह करता है। ग्राहकों को हमारी सलाह है कि वे इंजन को नुकसान से बचाने के लिए बंद पड़े वाहन की इंजन को रिस्टार्ट करने की कोशिश नहीं करें। प्रभावित ग्राहक मदद के लिए 18001032211 पर बीएमडब्ल्यू मिनी रोडसाइड असिस्टेन्स को या 18001022269 पर कस्टमर इंटरैक्शन सेण्टर में कॉल कर सकते हैं।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया भारत में लग्जुरियस डीलरशिप की पेशकश करने में अग्रणी है और इसने देश भर में इंटरनैशनल स्टैण्डर्ड्स के बीएमडब्ल्यू डीलरशिप खोले हैं। वर्तमान में भारत में 36 शहरों में बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के 44 सर्विस सेंटर हैं।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को पश्चिम रेलवे से कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड के रिप्लेसमेंट, एनएमएच पीएफ 02 एमईए के अंतर्गत 33 स्टेशंस पर ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड और जीपीएस क्लॉक, एनालॉग/जीपीएस क्लॉक के रिप्लेसमेंट में नए सीजीएस बोर्ड के प्रोविजन हेतु वेस्टर्न (पश्चिम रेलवे) जोन के रतलाम डिवीज़न से कंप्लीशन/इंस्टालेशन सर्टिफिकेट मिला है।

कंपनी ने यह भी घोषणा की कि उसने अपना क्यूआईपी इश्यू बंद कर दिया है और बोर्ड ने क्वालिफाइड एलिजिबल संस्थागत खरीदारों को 46 रुपये प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 1,95,65,217 इक्विटी शेयर्स के इश्यू और अलॉटमेंट को मंजूरी दे दी है।

क्यूआईबी के बीच, कंपनी ने अंतरा/अंतारा इंडिया एवरग्रीन फंड लिमिटेड, कोयस ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज़ फंड और मिनर्वा वेंचर्स फंड को शेयर आवंटित किए।

हाल ही में कंपनी ने घोषणा की थी कि उसे फिरोजपुर डिवीज़न के प्रमुख और महत्वपूर्ण स्टेशंस पर कोच गाइडेंस डिस्प्ले बोर्ड के प्रावधान के लिए नॉर्दन (उत्तरी) रेलवे जोन के फिरोजपुर डिवीज़न से स्वीकृति पत्र प्राप्त हुआ है। उक्त कार्य आदेश का कुल मूल्य 3,04,95,149.54/- रुपये है। इसके अलावा, कंपनी को हापा स्टेशन पर डीडब्ल्यूके पीएफ-1 सीजीडीबी और आईपीआईएस सिस्टम के काम को पूरा करने के लिए वेस्टर्न (पश्चिम) रेलवे क्षेत्र के राजकोट डिवीज़न से लेटर ऑफ कंप्लीशन/इंस्टालेशन सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि उसने एक सहायक कंपनी यानी मेसर्स एसओए इलेक्ट्रॉनिक्स ट्रेडिंग एलआईसी, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात, जो एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है को शामिल किया है। एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 1988 से एलईडी वीडियो डिस्प्ले, हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक और टेलीकम्युनिकेशन इक्विपमेंट और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में एक ग्लोबल लीडर है। यह एक आईएसओ 9001:2008 और आईएसओ 14001:2004 प्रमाणित कंपनी है।

इसने एलईडी वीडियो, ग्राफिक्स और टेक्स्ट डिस्प्ले, एलईडी लाइटिंग सॉल्यूशंस, एंबेडेड, सिस्टम और टेलीकॉम सॉफ्टवेयर और कम्युनिकेशंस और इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स की डायनामिक फील्ड्स में एक मज़बूत उपस्थिति स्थापित की है।

एमआईसी के प्रमुख प्रोडक्ट्स, एलईडी वीडियो डिस्प्ले (इनडोर, आउटडोर और मोबाइल), स्पोर्ट्स स्टेडियम्स, ट्रांसपोर्टेशन हब, डिजिटल थिएटर्स, थीम पार्क्स, एडवर्टाइजमेंट और पब्लिक इन्फॉर्मेशन डिस्प्ले का अभिन्न अंग बन गए हैं।

भारत के सबसे तेजी से बढ़ते आईटी शहरों में से एक, हैदराबाद में इसका मुख्यालय है, एमआईसी की भारत के सभी प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों में मार्केटिंग, सेल्स और सर्विस सपोर्ट सेंटर्स के विशाल नेटवर्क के माध्यम से देशव्यापी उपस्थिति है। कंपनी अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में भी अपने ऑपरेशंस का विस्तार कर रही है।

बारबाडोस में रोहित ने जीत का झंडा गाड़ा

पिच की मिट्टी चखी, विराट के गले लगकर रोए; हार्दिक को जादू की झप्पी दी

वेस्टइंडीज से भारत तक का जश्न ही जश्न

बारबाडोस/नईदिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का जश्न बारबाडोस से भारत तक मनाया जा रहा है। मैच जीतने के बाद कप्तान रोहित अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए। जमीन पर हाथ पटकने लगे। विराट के गले लगकर रोए। हार्दिक पंड्या का गाल चूमा और गले लगा लिया।

रोहित ने झंडा गाड़ा

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में हम रोहित की कप्तानी में बारबडोस में भारत का झंडा गाड़ेंगे। भारतीय कप्तान ने मैच जीतने के बाद ऐसा ही किया और जय शाह की बात को सच साबित कर दिया। इस मोमेंट पर जय शाह भी मौजूद थे।

हार्दिक को रोहित ने दी जादू की झप्पी

अहम मौके पर 3 विकेट लेकर मैच इंडिया के पाले में करने वाले हार्दिक पंड्या भी कप्तान रोहित से गले मिले। रोहित ने उन्हें सीने से लगा लिया और किस भी किया। हार्दिक की आंखों में आंसू आ गए।

अर्शदीप और विराट कोहली का भांगड़ा

मैच के बाद पूरी टीम जमकर नाची। सेंटर ऑफ अट्रैक्शन रहा विराट कोहली और अर्शदीप का भांगड़ा।

रोहित-विराट गले मिलकर रोए

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट और रोहित ने इस फॉर्मेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। फाइनल जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा 1 मिनट तक गले मिले। दोनों की आंखों में आंसू थे। टी-20 इंटरनेशनल में लंबे समय तक खेलने के बाद दोनों ने इसे अलविदा कह दिया है।

रोहित शर्मा के हैप्पी स्टेप्स

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के दौरान जय शाह भी मौजूद थे। मंच पर टीम इंडिया खुश थी और कैप्टन रोहित शर्मा का इंतजार कर रही थी। रोहित छोटे-छोटे कदम बढ़ाते हुए खुशी से भरे हुए मंच पर आए और ट्रॉफी लेकर जश्न मनाया।

रोहित शर्मा ने पिच की मिट्टी चखी

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने मैच जीतने के बाद पिच पर गए और वर्ल्ड कप जीत को यादगार बनाने के लिए बारबाडोस के पिच की मिट्टी चखी। रोहित शर्मा का टी-20 इंटरनेशनल में यह आखिरी मैच था।

विराट ने अनुष्का को वीडियो कॉल किया

मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने टी-20 से संन्यास ले लिया। इसके बाद विराट कोहली ने अनुष्का शर्मा को वीडियो कॉल की और काफी देर तक बातचीत करते रहे।

कोच राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया

भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ 19वें ओवर में काफी एक्साइटेड दिखाई दिए। अपने शांत स्वभाव के लिए मशहूर द्रविड़ ने जमकर सेलीब्रेशन किया। टीम इंडिया के प्लेयर्स ने राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया। जैसे ही 20वां ओवर खत्म हुआ, टीम इंडिया जश्न मनाने लगी। चंद पलों में कोच, टीम का स्टाफ मैदान में चले आए। हर किसी ने एक-दूसरे को बधाई दी।

रो पड़े मो. सिराज

मो. सिराज फाइनल मैच नहीं खेले। उन्होंने सिर्फ अमेरिका में हुए मैचों में परफॉर्म किया। जीत के बाद उन्हें इंटरव्यू के लिए बुलाया गया। इस दौरान सिराज रो पड़े।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ का कार्यकाल खत्म, कहा- इस प्लेयर को मिस करूंगा

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)। भारत के दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद राहुल द्रविड़ ने मेन इन ब्लू के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की और कहा कि यह एक शानदार यात्रा थी। भारत ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच में दक्षिण

अफ्रीका को सात रनों से हराया। इस शानदार इवेंट का फाइनल मैच द्रविड़ का मेन इन ब्लू के लिए मुख्य कोच के रूप में आखिरी मैच था।
मैच खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए मेन इन ब्लू को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, %एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं था, लेकिन जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैं भाग्यशाली था कि मुझे टीम का कोच बनने का मौका मिला, मैं भाग्यशाली था कि लड़कों के इस समूह ने मुझे यह ट्रॉफी जीतने में सक्षम बनाया। यह एक शानदार अहसास है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि मैंने कुछ सुधार किया है, यह सिर्फ वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

टी20 विश्वकप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि

दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी-20 विश्वकप चैंपियन बनी भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार स्वरूप 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरु होने से पहले अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजट 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। वहीं फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

बुमराह तो ठीक, पर अर्शदीप को न भूलें...

गौतम गंभीर की तरह अनसंग हीरो

हर मुश्किल में संकटमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी 2011 के वनडे वर्ल्ड कप की बात होती है। तो हम सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह, जहीर खान के बारे में बात करते हैं। हालांकि भारत को वर्ल्ड कप जिताने में गौतम गंभीर का भी बहुत हड़ा हाथ रहा था। लेकिन वह इतनी सुर्खिया नहीं बटोर पाए थे। गंभीर ने 9 मैचों में 393 रन बनाए थे। वह वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज थे। ठीक कुछ इसी तरह से अर्शदीप सिंह का भी रोल भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2024 में रहा है। उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जिताने में अहम रोल निभाया है। लेकिन उन्हें इतनी लाइमलाइट नहीं मिली।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 10 गेंदबाज

गेंदबाज	विकेट
फजलहक फारूकी	17 विकेट
अर्शदीप सिंह	17 विकेट
जसप्रीत बुमराह	15 विकेट
एनरिक नॉर्खिया	15 विकेट
राशिद खान1	4 विकेट
रिशाद हुसैन	14 विकेट
नवीन उल हक	13 विकेट
कगिसो रबाडा	13 विकेट
एडम जाम्पा1	3 विकेट
अल्जारी जोसेफ	13 विकेट

फाइनल में साउथ अफ्रीका का निकाला तेल

अर्शदीप सिंह ने अपने 4 ओवर के स्पेल में सिर्फ 5 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 20 रन देकर 2 विकेट लिए थे। उन्होंने क्विंटन डि कॉर्क और एडन मार्करम जैसे सूरमा बल्लेबाजों का शिकार किया था। इसके अलावा सिंह ने इस पूरे टूर्नामेंट में 17 विकेट लिए हैं। वह फजलहक फारूकी के साथ इस टूर्नामेंट में जॉइंट हाइएस्ट विकेट टेकर हैं। सिंह ने इस टूर्नामेंट में अपनी गेंदबाजी से सबका दिल जीत लिया।

अर्शदीप सिंह का इंटरनेशनल करियर

25 साल के तेज तर्रार गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए अब तक 52 टी20 मुकाबले खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 8.39 की इकॉनमी से 79 विकेट लिए हैं। वहीं 6 वनडे मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने भारत के लिए 10 विकेट झटके हैं। सिंह को आईपीएल का भी अच्छा अनुभव है। उन्होंने 65 आईपीएल मैचों में 76 विकेट लिए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम बोले

यह दिल को झकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद कहा, 'यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।

इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है।

हार के गम के बावजूद मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है।% मारक्रम ने कहा, 'यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी।

मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, 'हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।% भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है। टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन आखिरी बाधा को पार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, 'यह हार लंबे समय तक चुभेगी। हर खिलाड़ी ने टीम को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दिया। आप जानते है कि आप एक टीम हैं और इस समूह के साथ आप अच्छी चीजें चाहते हैं क्योकि सभी शानदार खिलाड़ी हैं।% हार की निराशा और दिल टूटने के बावजूद मारक्रम फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की सराहना करना नहीं भूले।

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, 'यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को सलाम करना होगा। इसमें बहुत मेहनत लगती है।% उन्होंने कहा, 'हां, हम यह सोचना चाहेंगे कि हम एक कदम करीब हैं और उम्मीद है कि आगे बढ़ते हुए हम पहली जीत हासिल कर सकते हैं और यह आने वाले कुछ वर्षों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिख सकता है।

सूर्यकुमार को जय शाह से मिला 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार'

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने सूर्यकुमार यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का पुरस्कार प्रदान किया जिन्होंने खतरनाक डेविड मिलर का शानदार कैच लपका जो भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ। भारतीय क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण की प्रशंसा 'भेड़ियों के झुंड' से की जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिलीप ने कहा, 'हम बड़े मुकाबलों में मौके के अनुसार प्रदर्शन करने की बात करते हैं लेकिन आज हमने सिर्फ प्रदर्शन नहीं किया बल्कि जीत हासिल की। उन्होंने कहा, 'हमने पूरे टूर्नामेंट में और आज जो जज्बा, जो एकजुटता और जो लचीलापन दिखाया, वह असाधारण से कम नहीं है। दिलीप ने कहा, 'हमने 'भेड़ियों के झुंड' की तरह क्षेत्ररक्षण किया। जैसा कि राहुल भाई और रोहित कहते रहते हैं। हर कोई अपनी भूमिका जानता था लेकिन हमने साथ मिलकर हर मौके का फायदा उठाया और कोई कसर नहीं छोड़ी।

भारत ने शानदार वापसी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहला विश्व कप खिताब जीतने से महरूम कर दिया जिसमें अंतिम ओवर में सूर्यकुमार यादव का कैच निर्णायक रहा। सूर्यकुमार ने जिस संयम और सही समय पर लिये कैच से बेहतरीन मिसाल पेश की। जब उन्होंने डेविड मिलर का कैच लपका तब दक्षिण अफ्रीका को अंतिम ओवर में महज 16 रन की दरकार थी। सूर्यकुमार ने यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा, 'दिलीप सर, मुझे यह मौका देने और जय (शाह) सर से यह पदक लेने के लिए आपका धन्यवाद।

मन की बात में पीएम मोदी ने की सूर्य कुमार यादव के कैच की तारीफ

विराट कोहली-राहुल द्रविड़ का किया आभार

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' - मासिक रेडियो प्रसारण - रविवार, 30 जून को फिर से शुरू हुई। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा, आज, आखिरकार वह दिन आ गया है जिसका हम सभी इंतजार कर रहे थे फरवरी से मैं 'मन की बात' के माध्यम से एक बार फिर आपके बीच में हूं, अपने परिवार के सदस्यों के बीच में हूं, मैंने फरवरी में कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद मैं फिर आपसे मिलूंगा और आज फिर मन की बात के साथ आपके बीच उपस्थित हूं। मानसून के आगमन ने आपका भी दिल खुश कर दिया है...।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को टी 20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है और कहा कि क्रिकेटरों ने विश्व कप के साथ-साथ करोड़ों लोगों का दिल भी जीत लिया है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री ने रविवार को कॉल कर टीम इंडिया के खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से बात की और उन्हें बधाई दी।

भारत के जीतते ही पाक में शैम्पेन व डांस के साथ मना जश्न, पाकिस्तानी बोले- 'आई लव यू इंडिया'

इस्लमाबाद (एजेंसी)। टी-0 वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में टीम इंडिया के जीतने पर पाकिस्तान में भी जश्न का माहौल है। पाकिस्तान के कुछ लोग जहां भारत के नाम से चिढ़ते हैं, वहीं कुछ पाकिस्तानियों ने 'आई लव यू इंडिया' का नारा लगाया है। पाकिस्तान के युवाओं ने कहा कि भारत ने जहा सेमीफाइनल में गोरों को नानी याद दिला दी और 2014 व 2022 का बदला ले लिया वहीं फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर इतिहास रच दिया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह वीडियो आते ही वायरल हो गया है, भारत के लोग भी इस वीडियो की जमकर तारीफ कर रहे हैं। दरअसल, भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में इंग्लैड को हराकर फाइनल में पहुंचा। इस जीत के बाद पाकिस्तान से जश्न मनाने का वीडियो सामने आया जिसमें पाकिस्तान की प्रसिद्ध यूट्यूबर शैला खान भी नजर आ रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि शैम्पेन बोतलों के साथ पाकिस्तानी जश्न मना रहे हैं। पाकिस्तान के युवाओं ने वीडियो में नारा लगाते सुनाई दे रहे हैं कि %हमारा कप्तान कैसा हो रोहित शर्मा जैसा हो।

भारत की जीत पर झूम उठी दुनिया, इजरायल-यूएस ने दी बधाई, आनंद महिंद्रा व गूगल सीईओ बोले...

भारत की टी-20 वर्ल्ड कप में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर जीत पर पूरी दुनिया झूम रही है। भारत ने दूसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। भारतीय टीम ने डेथ ओवर में साउथ अफ्रीका के मुंह से जीत छीन कर अपनी मेहनत और काबलियत को साबित कर दिया है। इस जीत के बाद देश दुनिया से भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई दी जा रही है। इजरायल से लेकर अमेरिका तक ने भारत को जीत की बधाई दी है।भारत में इजरायल के वर्तमान राजदूत ने भी इंडियन क्रिकेट टीम को बधाई देते हुए ङ्ग पर लिखा ' चक दे ?इंडिया ?टी20वर्ल्डकप2024 में शानदार जीत के लिए ?टीमइंडिया को बधाई! वाकई एक ऐतिहासिक उपलब्धि!' बता दें कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारती टीम को बधाई दी है। इसके अलावा श्रीलंका के विदेश मंत्री ने भारत को बधाई देते हुए लिखा- दबाव में शानदार प्रदर्शन। अमेरिका की ओर से भी जीत की बधाई आई है। भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्ग पर अपने पोस्ट में लिखा 'वाह, शानदार जीत! बधाई आनंद महिंद्रा बोले ...

वहीं देश के जानेमाने बिजनेसमैन आनंद महिंद्रा ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। उन्होंने ङ्ग पर पोस्ट करते हुए लिखा 'नमस्ते चैट'कृपया मुझे भारतीय क्रिकेट टीम को सुपरहीरो के रूप में दिखाने वाली एक तस्वीर बनाकर दें क्योंकि वे अंत तक सुपरकूल थे। भारत के लिए इस फाइनल का सबसे बड़ा उपहार यह था कि यह आसान नहीं था। यह लगभग उनकी पकड़ से फिसल गया था लेकिन उन्होंने अपने मन में कभी मैच नहीं हारा। हम सभी को याद दिलाते हुए कि सुपरहीरो बनना कभी भी जीतने के दृढ़ संकल्प और कभी हार न मानने वाले रवैये के बिना नहीं आता है...जय हो!'इसके साथ ही गूगल सीईओ सुंदर पिचाई ने भारतीय टीम को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में पटाखा गोदाम में विस्फोट, पांच की मौत, 20 घायल

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में शनिवार को एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, और 20 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है। उन्होंने बताया कि अग्निशमन कर्मी और पुलिस विस्फोट के कारणों की जांच कर रहे हैं।

धर्म मेरा मार्गदर्शन करता है, नारायण मंदिर में ऋषि सुनक ने टेका मत्था, चुनावी जीत के लिए मांगा आशीर्वाद

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आगामी कुछ दिनों के भीतर संसदीय चुनाव होने हैं और ऋषि सुनक की अगुवाई में कंजर्वेटिव पार्टी एक बार पिर जीत का पताका लहराने को बेताब है। हालांकि चुनावी रणनीतिकार चुनाव में विपक्षी दल लेबर पार्टी का पलड़ा भारी बता रहे हैं। इस बीच शनिवार को ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक ने अपनी पत्नी अक्षता मूर्ति के साथ लंदन के एक हिन्दू मंदिर का दौरा किया। श्री स्वामीनारायण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुनक ने अपनी हिन्दू आस्था के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि धर्म हमेशा से मेरा मार्गदर्शन करता है। ब्रिटेन में होने वाले चुनाव के मद्देनजर लंदन में श्री स्वामी नारायण मंदिर पहुंचे ऋषि सुनक ने हिंदू आस्था के बारे में कहा कि यह मेरे लिए प्रेरणा और आराम का स्रोत है। सुनक ने लोगों को संबोधित किया और कहा कि धर्म हमेशा से उनका मार्गदर्शन करता है। चाहे वह निजी जीवन हो या सार्वजनिक। जिंदगी के हर छोर पर धर्म मेरे लिए प्रेरणा का स्रोत है। सुनक ने कहा, मैं एक हिंदू हूं और आप सभी की तरह, मैं भी अपने धर्म के प्रति विश्वास से प्रेरणा और सांत्वना लेता हूं। मुझे श्रीमद भगवद गीता की शपथ लेकर सांसद बनने पर गर्व है। सुनक ने आगे कहा कि उन्हें हिन्दू होने पर गर्व है। उन्होंने आगे कहा, हमारा विश्वास हमें अपना कर्तव्य करना सिखाता है और जब तक कोई इसे ईमानदारी से करता है तब तक परिणाम के बारे में चिंता नहीं करता। यही वह है जो मुझे हमेशा प्रेरणा देता है। अपने माता-पिता की तरह मैं भी अपना जीवन सादगी से जीने की कोशिश करता हूं और यही वह चीज है जो मैं अपनी बेटियों को बड़े होने पर देना चाहता हूं। यह धर्म ही है जो सार्वजनिक सेवा के प्रति मेरे दृष्टिकोण में मेरा मार्गदर्शन करता है।

दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच फ्रांस में चुनाव, सत्ता में बदलाव के संकेत, मैक्रों की साख दांव पर

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में आज संसदीय चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान हो रहा है, जिसे बहुमत की आस लगाए बैठे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। मैक्रों के गठबंधन को वामपंथी गठबंधन से मजबूत चुनौती मिल रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देश में पहली दक्षिणपंथी सरकार बन सकती है, जो यूरोपीय संघ में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। इस महीने की शुरुआत में छह जून को यूरोपीय संसद के लिए चुनाव हुए थे। इस दौरान फ्रांस में सबसे चौंकाने वाली राजनीतिक परिस्थितियां थीं। यहां फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ला पेन की नेशनल रैली ने मैक्रों की पार्टी को जबरदस्त झटका दिया था। इसके बाद ही राष्ट्रपति ने अंतिम नतीजे आने से पहले ही अचानक राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा था, मैंने फैसला किया है कि आप वोट के जरिए अपना संसदीय भविष्य चुने। इसलिए मैं नेशनल असेंबली भंग कर रहा हूं। धुर दक्षिणपंथी पार्टियां हर तरफ आगे बढ़ रही हैं। यह ऐसे हालात हैं, जिन्हे मैं स्वीकार नहीं कर सकता। फ्रांस में भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े 11 बजे से रात में साढ़े नौ बजे तक मतदान होगा। एग्जिट पोल देर रात सामने आ सकता है।

बेटी की मौत की आरोप में मां गिरफ्तार

कैरोलिना, एजेंसी। उत्तर कैरोलिना में एक महिला को उसकी आठ वर्षीय बेटी की कार के अंदर लावारिस हालत में मौत हो गई। इसके बाद महिला को जानबूझकर गंभीर चोट पहुंचाने, हत्या और बाल उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 36 वर्षीय महिला एशली स्टालिंग्स 26 जून को गर्म मौसम के कारण अपनी बेटी को कार में छोड़कर अपने कार्यालय चली गई। उनका कहना है कि उसने कार का एसी चालू छोड़ा था, लेकिन उसे लगा कि उसकी बेटी ने कार बंद कर दी होगी क्योंकि उसे ठंड लग रही थी। उनके कहा कि वह मैसेज में अपनी बेटी से बात कर रही थी। आखिरी मैसेज के लगभग डेढ़ घंटे बाद जब वह कार में पहुंची तो उसने देखा कि उसकी बेटी कार की पीछे की सीट पर बेहोशी की हालत में थी।

न खामनेई समर्थक जलीली न ही हिजाब विरोधी पजशिकयान, ईरान में किसी को बहुमत नहीं, जुम्मे के दिन फिर चुनाव

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रहीसी की मौत के बाद ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव जारी है। शुक्रवार को हुई वोटिंग में किसी भी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। किसी भी पक्ष को 50 फीसदी वोट नहीं मिलने के कारण अब अगले शुक्रवार फिर से चुनाव होंगे। इस चुनाव में सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले सईद जलीली और मसूद पाजशकियान के बीच सीधा मुकाबला होगा। ईरान के आंतरिक मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि 61 मिलियन से अधिक पात्र ईरानियों में से केवल 40 फीसदी लोगों ने मतदान किया, जो देश की क्रांति के बाद से राष्ट्रपति चुनावों में एक नया निचला स्तर है।

हिजाब विरोधी नेता को ईरानी जनता ने किया सबसे ज्यादा पसंद : ईरानी चुनाव आयोग से जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रपति चुनाव में करीब 2 करोड़ 45 लाख से ज्यादा वोट पड़े। इन वोटों में से 1 करोड़ 4 लाख वोट मसूद पजशकियान को मिले तो वहीं दुसरे नंबर पर खामनेई का समर्थन प्राप्त कट्टरपंथी नेता सईद जलीली रहे जिन्हें 94 लाख वोट मिले। संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकर 33 लाख वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। किसी भी नेता ने 50 फीसदी मत नहीं हासिल किए इसलिए अब 5 जुलाई को एक बार फिर से चुनाव होंगे। 1979 की क्रांति के बाद यह केवल दूसरी बार हुआ है कि राष्ट्रपति का चुनाव दूसरे दौर में गया है। हालांकि इस चुनाव से ईरान की नीतियों में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं है, लेकिन इसके नतीजे 1989 से सत्ता में बैठे ईरान के 85 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के उत्तराधिकार को प्रभावित कर सकते हैं। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी सर्वोच्च नेता के लिए पहली पसंद माना जा रहा था। अब उनकी मौत के बाद यह चुनाव और भी ज्यादा दिलचस्प हो गया है।

हिजाब का मुद्दा रहा सबसे ऊपर : ईरानी मीडिया की रिपोर्टों के मुताबिक इस चुनाव में इस बार नए मुद्दे निकलकर सामने आए हैं। भ्रष्टाटार का मुद्दा, देश की आर्थिक स्थिती, प्रेस की आजादी जैसे मुद्दे छाए रहे, सबसे चौंकाने वाला मुद्दा हिजाब कानून का रहा। 2022 में महीसा अमीनी से शुरू हुआ यह हिजाब विरोधी संघर्ष और उसके बाद सरकार द्वारा किया गया उसका दमन वोटर्स के दिमाग में सबसे बड़ा मुद्दा रहा। हिजाब ईरान में लंबे समय से ईरान में धार्मिक पहचान का प्रतीक रहा है, ईरान में इस्लामिक क्रांति के बाद से हिजाब को एक राजनीतिक हथियार के रूप इस्तेमाल किया जाता रहा है।1979 में क्रांति के बाद से ईरान में जब से हिजाब का कानून लागू हुआ था, तब से महिलाएं अलग-अलग तरह से इशका विरोध करती रही है। ईरान में 6 करोड़ से ज्यादा वोटर्स में आधे से ज्यादा महिलाएं हैं। महिला वोटर्स पर प्रभाव छोड़ने के लिए कट्टरपंथी छवि के नेता मोहम्मद बाकर कालिबाफ ने कुछ दिन पहले कहा था कि हिजाब कानून पर शुरुआत से सोचने की जरूरत है।

उदारवादी पजशिकयान के आगे बढ़ते ही एकजुट हुए कट्टरपंथी रिवॉल्यूशनरी फोर्स के नेता : ईरानी उपराष्ट्रपति आमिर हुसैन काजीजादेह हाशमी ने बुधवार को ही अपना नाम वापस ले लिया था। अपने बयान में हाशमी ने कहा कि रिवॉल्यूशनरी फोर्स की एकता को बनाए रखने के लिए उन्होंने यह कदम उठाया है। इसके साथ ही हाशमी ने राष्ट्रपति रेस में शामिल बाकी फोर्स से संबंधित नेताओं से भी आम सहमति बनाने की अपील की थी। उनकी इस अपील के बाद तेहरान के मेयर अली रजा जकानी ने भी राष्ट्रपति चुनाव से अपनी दावेदारी वापस ले ली।

80 लोगों ने किया था राष्ट्रपति पद के लिए आवेदन लड़े केवल 6 : ईरानी राष्ट्रपति चुनावों के नियमों के मुताबिक जितने भी प्रत्याशी होते हैं उन सभी के आवेदन को ईरान की गार्जियन काउंसिल के पास भेजा जाता है। काउंसिल की मंजूरी मिलने के बाद ही कोई भी प्रत्याशी चुनाव में खड़ा हो सकता है। इस चुनाव में राष्ट्रपति बनने के लिए 80 लोगों ने आवेदन दिया था इनमें से केवल 6 लोगों को चुनाव लड़ने लायक पाया। इस चुनाव में 7 महिलाओं ने भी राष्ट्रपति बनने के लिए आवेदन दिया था ईरानी चुनाव नियमों के मुताबिक किसी भी उम्मीदवार को 50 फीसदी मत नहीं मिले हैं। ऐसे में सबसे अधिक वोट हासिल करने वाले दो प्रमुख उम्मीदवारों के बीच दोबारा चुनाव होता है। तो ऐसे में अब जलीली और पजशकियान के बीच अगले जुम्मे यानि की 5 जुलाई को फिर से मुकाबला होगा।

आईसीसी टी20 विश्वकप - कई वैश्विक नेताओं ने भारत को दी जीत की बधाई, श्रीलंका और इस्राइल ने कहा- यह ऐतिहासिक उपलब्धि

कोलंबो, एजेंसी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हराकर आईसीसी टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम कर लिया। विश्व कप में शानदार जीत पर कई वैश्विक नेताओं ने भारत को जीत की बधाई दी। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा भारत ने दबाव में भी शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, इस्राइली राजदूत नाओर गिलोन भी भारत की जीत को ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। श्रीलंका के विदेश मंत्री साबरी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, बधाई हो भारत! दबाव में शानदार प्रदर्शन!। साबरी ने आगे लिखा, भारत ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद पहला आईसीसी खिताब जीता है। इस जीत के साथ भारत ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर दिया है।

उ. कोरिया में लोगों को हर माह जमा करना होगा 10 किलो मल, आदेश ना मानने पर देना होगा 5,000 वॉन

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की तानाशाही का एक बेहद ही अजीब मामला सामने आया है। हाल ही में जारी एक आदेश में उत्तर कोरिया के लोगों को कहा गया है कि वे हर महीने कम से कम 10 किलो सूखा मानव मल जमा करेंगे और इसे सरकार को देंगे। इस आदेश को नहीं मानने वालों पर 5,000 वॉन (500 रुपये) का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आदेश उस घटना के करीब एक महीने बाद आया है, जब किम जोंग ने सीमा पार दक्षिण कोरिया में मल से भरे गुब्बारे भेजे थे। माना जा रहा है कि तानाशाह का यह नया आदेश ऐसी ही शरारत की घटनाओं को फिर से अंजाम देने के लिए है। इस बीच उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी केसीएनए के मुताबिक उत्तर कोरिया के लोगों को आदेश दिया गया है कि प्रत्येक घर से 10 किलोग्राम (22 पाउंड) मानव मल एकत्र किया जाएगा, ताकि इसका इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जा सके। आदेश के मुताबिक लोगों को यह मल सुखाकर जमा करना होगा। इसके बाद इसे नजदीकी उर्वरक केंद्र पर जमा कराना होगा।

नशे की हालत में चालक ने नेल सैलून में घुसा दी कार, अमेरिकी पुलिसकर्मी समेत चार की मौके पर ही मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। मौत कब कहां कैसे आ जाए पता ही नहीं चलता। एक न्यूयॉर्क की पुलिसकर्मी जो कि एक शादी की पार्टी के लिए सैलून में नाखून बनवा रही थी। उस सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे पुलिसकर्मी समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में स्थित एक नेल सैलून में एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। 64 वर्षीय श्वाली 2020 चेली ट्रैवर्स चला रहा था, तभी अचानक उसकी कार नेल सैलून के स्टोरफ्रंट से टकरा गई। टकराव से सैलून का पूरा कांच टूट गया और छत भी गिर गई। इस घटना के दौरान नेल सैलून में न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग की एक अधिकारी 30 वर्षीय एमिलिया रेनहैक भी समेत कई लोग मौजूद थे।

पुलिसकर्मी समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस का कहना है कार चालक नशे की हालत में था। कार चालक को हिरासत में ले लिया गया है, उस पर नशे में गाड़ी चलाने का आरोप लगाया गया है। उसे वेस्ट इस्लिप के गुड समैरिटन यूनिवर्सिटी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने बताया उसकी चोटें गंभीर नहीं थीं। पुलिस का कहना है कि उसके खिलाफ अतिरिक्त आरोप लंबित हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिसकर्मी एमिलिया किसी शादी के डिनर के लिए तैयार होने सैलून गई थीं।

सर्बिया में इस्राइली दूतावास पर हमला, ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी को बनाया निशाना, हमलावर ढेर

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया के एक पुलिस अधिकारी ने शनिवार को एक व्यक्ति को मार गिराया। व्यक्ति ने बेलग्रेड में इजरायली दूतावास के सामने क्रॉसबो से उसकी गर्दन पर गोली चलाई थी। वहीं सर्बिया की प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हरकत बताया है।

सर्बिया की राजधानी में सुबह लगभग 11 बजे एक हमलावार ने इजरायली दूतावास के बाहर ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को गोली मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मी ने भी हमलावर पर गोली चलाई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंतरिक मंत्री इंविका डेसिक ने कहा कि पुलिसकर्मी ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। 34 वर्षीय अधिकारी हमले के समय अपने गार्ड बूथ में थे। उनकी अस्पताल में सर्जरी हुई। पुलिस पर हमला करने वाला व्यक्ति बेलग्रेड से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित म्लादेनोवैक शहर का है। उसने इस्लाम धर्म में खुद को परिवर्तित किया है। अधिकारियों के अनुसार हमलावर नोवी पज़ार में रहने के लिए चला गया था, जो सर्बिया में बोस्नियाक मुस्लिम अल्पसंख्यक का ऐतिहासिक और राजनीतिक केंद्र है। यह देश में इस्लाम का केंद्र है। पुलिस का कहना है कि सुरक्षा सेवाओं को कुछ लोगों पर हमले से जुड़े होने का संदेह था, इसलिए कुछ गिरफ्तारी की गई थी। उसमें बेलग्रेड का एक व्यक्ति भी शामिल है। जिसे दो वर्ष पहले भी कई आतंकवादी इंटरनेट साइट जो कि जिहाद का आह्वान करती थी, वह उन्हें ऑपरेट करता था। इस कारण उसे गिरफ्तार किया गया था। हालांकि बाद में उसे गिरफ्तार कर दिया गया था। पुलिस का कहना है कि वे कई स्थानों पर तलाशी ले रहे हैं।

घायल पुलिस अधिकारी ने मिलने पहुंचे राष्ट्रपति : राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने घायल अधिकारी से मिलने पहुंचे। उन्होंने कहा कि कई ऐसे लोग हैं, जिनकी हम तलाश कर रहे हैं, उनमें से एक सर्बिया में है। उन्होंने कहा कि हमलावर और उसके साथियों को शनिवार के पहले ही अधिकारियों ने ढूंढ लिया था। लेकिन पर्याप्त सबूत न होने के कारण उसे रिहा करना पड़ा।

प्रधानमंत्री ने की घटना की घोर निंदा, बोला आतंकवादी कृत्य है सर्बिया की प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक ने इस हमले की निंदा करते हुए उसे जघन्य आतंकवादी कृत्य करार दिया। पीएम ने कहा कि उनका देश आतंकवादी घटना का करारा जवाब देगा। ताकि सर्बिया के नागरिक सुरक्षित महसूस कर सके।

घटना के बाद दूतावास को किया बंद : इजराइली विदेश मंत्रालय ने बताया कि घटना के बाद दूतावास को बंद किया गया है। हालांकि दूतावास का कोई कर्मचारी घायल नहीं हुआ है। परिस्थितियों की जांच चल रही है।

आईएसआई जैसी एजेंसियां न्यायिक मामलों में न दें दखल, पीएमओ रोके: इस्लामाबाद हाई कोर्ट

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने शनिवार को प्रधानमंत्री कार्यालय को कुछ खाश निर्देश जारी किए। इसमें कहा गया कि आईएसआई जैसी खुफिया एजेंसियों को आदेश दिया जाए कि वे फैसले को लेकर किसी भी न्यायाधीश या उनके स्टाफ से संपर्क न करें। कई न्यायाधीशों ने खुफिया एजेंसियों आईएसआई, सैन्य खुफिया और खुफिया ब्यूरो पर वांछित फैसले प्राप्त करने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया है। विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री व पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान, उनकी पार्टी के नेताओं और समर्थकों के मामलों में।

इस्लामाबाद हाई कोर्ट के 8 में से 6 जजों और पंजाब की आतंकवाद रोधी अदालतों के कुछ न्यायाधीशों ने इसे लेकर पत्र लिखा था। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश और लाहौर एचसी के चीफ जस्टिस को चिट्ठी लिखकर उनका ध्यान न्यायिक मामलों में खुफिया एजेंसियों के खुले हस्तक्षेप की ओर दिलाया गया। उनमें से कुछ ने शिकायत की थी कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों को खुफिया एजेंसियों की ओर से हिरासत में लिया गया।

आईएसआई कर्मियों की ओर से उत्पीड़न के आरोप लाहौर एचसी के जस्टिस शाहिद करीम ने आईएसआई के कर्मियों की ओर से उत्पीड़न के आरोप लगाए। इस संबंध में शनिवार को पंजाब के सरगोधा जिले में एटीसी न्यायाधीश की शिकायत पर प्रधानमंत्री कार्यालय को लिखित निर्देश जारी किए। न्यायाधीश ने अपने लिखित आदेश में कहा, प्रधानमंत्री खुफिया एजेंसियों की कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह हैं, क्योंकि वे उनके अधीन आती हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आईएसआई और आईबी सहित सभी असैन्य या सैन्य एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए जाएं कि वे भविष्य में किसी भी उद्देश्य के लिए किसी भी न्यायाधीश या उनके किसी स्टाफ से संपर्क न करें।

पंजाब पुलिस के लिए भी इसी तरह के निर्देश जारी किए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि उसके आदेश का क्रियान्वयन न होने की स्थिति में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस प्रमुख को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। साथ ही, अवमानना ?? कार्यवाही शुरू की जाएगी। पीटीआई के प्रवक्ता रऊफ हसन ने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत यह हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनादेश के चोर सरकार और उसके गुर्गे अपनी मर्जी के फैसले कराने के लिए न्यायपालिका को मजबूर कर रहे हैं।

मोसुल में ऐतिहासिक मस्जिद अल-नूरी की दीवार में मिले पांच जिंदा बम, पूरे इलाके में दहशत

बगदाद, एजेंसी। उत्तरी इराक के मोसुल में ऐतिहासिक मस्जिद अल-नूरी की दीवारों में पांच बड़े बम पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक ये बम उस समय के हैं जब इस इलाके में आईएसआईएस का कब्जा था। 12वीं शताब्दी की ऊंची मीनारों के लिए फेमस इस मस्जिद को आईएसआईएल ने 2017 में ध्वस्त कर दिया था। हालांकि यूनेस्को ने 2020 से इसे एक बार फिर से ठीक कराने का काम शुरू किया।

यूनेस्को ने कहा कि मस्जिद में नमाज वाले हॉल की दक्षिणी दीवार में पांच बड़े साइज के बम पाए गए हैं। जाहिर सी बात है कि बड़े स्तर पर तबाही करने के लिए इन बमों को लगाया गया था। ये पांचों बम जिंदा बताए गए हैं। इराक के प्रशासन का कहना है कि एक बम को तत्काल निष्क्रिय कर दिया गया था। वहीं बाकी के चार बम आपस में जुड़े हुए हैं और कुछ दिन में उन्हें भी निष्क्रिय किया जाएगा। फिलहाल पूरे इलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

इराक के प्रशासन ने फिलहाल यूनेस्को से अपना काम रोकने को कहा है। इराक की सरकार का कहना है कि जब तक पांचों बम निष्क्रिय ना हो जाएं तब तक मस्जिद परिसर में कोई भी कदम ना रखे। ढ्ढस्ढ्ढरु आतंकी अबू बकर अल बगदादी ने 29 जून 2014 को इस मस्जिद को खलीफा का अधिकार क्षेत्र घोषित कर दिया था। 2017 में मोसुल में आईएस के लड़ाकों ने इस मस्जिद को ढहाने की कोशिश की। बता दें कि मोसुल के शहरी इलाकों में आज भी कई जगहों पर आईएस के छिपाए गए बम मिल जाते हैं। यूएन भी मोसुल में बारूदी सुरंगों को साफ करने में मदद करता है। मोसुल के पुराने शहर में अब भी कई इलाके रहने लायक नहीं हैं। वहीं यूनेस्को ने अल नूरी मस्जिद को पूरी तरह रीस्टोर करना का लक्ष्य दिसंबर 2024 तक का रखा है। फिलहाल आईएसआईएस के कब्जे में इराक और सीरिया का कोई इलाका नहीं है। फिर भी अंदर-अंदर आतंकी संगठन में भर्ती और आए दिन हमलों की खबरें आती रहती हैं।

अपने बेटे बैरन को लेकर मेलानिया ने पति ट्रंप से किया बड़ा समझौता, अगर वह राष्ट्रपति बने तो....

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप जमकर प्रचार प्रसार कर रहे हैं। वहीं, उन्हें डेमोक्रेट के उम्मीदवार और मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन से कड़ी टक्कर मिल रही है। इस बीच एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर 78 साल के ट्रंप राष्ट्रपति बन जाते हैं, तो वह अपनी पत्नी मेलानिया को कुछ खास सक्रिय नहीं देख पाएंगे।

दरअसल, मेलानिया ने पूर्व राष्ट्रपति से एक समझौता किया है। उन्होंने अपने पति से कहा, अगर आप चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बनते हैं, तो मुझे 24 घंटे प्रथम महिला के तौर पर सक्रिय नहीं रहना पड़ेगा।

अधिक से अधिक समय बिताना चाहती हैं... रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पूर्व प्रथम लेडी ने यह समझौता इसलिए किया है क्योंकि वह अधिक से अधिक समय अपने बेटे बैरन के साथ बिताना चाहती हैं। 18 साल के बैरन जल्द ही न्यूयॉर्क शहर के एक विश्वविद्यालय में पढ़ने के लिए चले जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि वह एक मां हैं और अपने बेटे के साथ हर महीने कुछ समय बिताने की योजना बना रही हैं। यहां तक कि वह न्यूयॉर्क में हर हफ्ते अपने बेटे से मिल सकती हैं।

सुर्खियों से दूर रहते हैं बैरन ट्रंप : बैरन को ट्रंप परिवार ने अब तक सुर्खियों से दूर रखा है। बैरन का जन्म मार्च 2006 में हुआ था और वह डोनाल्ड ट्रंप की पांचवीं और मेलानिया ट्रंप की पहली संतान हैं। बैरन का बचपन न्यूयॉर्क में बीता है और उनकी शुरुआती पढ़ाई भी वहीं से हुई है। जब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए थो तो उन्होंने बताया था कि बैरन न्यूयॉर्क छोड़कर व्हाइट हाउस जाने में झिझक रहे थे। बैरन अभी 18 साल के हैं।

कभी अकेले नहीं रहे : सूत्रों ने आगे कहा, बैरन पहले कभी पूरी तरह से अकेले नहीं रहे हैं। अब कॉलेज में वह प्रवेश लेने वाले हैं। ऐसे में कुछ चिंताओं से बचाने के लिए मेलानिया अपने बेटे के करीब रहना चाहती हैं। अगर ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो बैरन को मिलने वाला समय बंट जाएगा, जिससे वह परेशान हो सकता है। मेलानिया अपने बच्चों को लेकर बहुत भावुक हैं। वह उनकी सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क रहती हैं। वह पहले ही इस बात से भी इनकार कर चुकी हैं कि बैरन फ्लोरिडा से रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में रिपब्लिकन प्रतिनिधि के रूप में काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हम 100 में से 75 नंबर लाए, वो 25 में खुद को पास बता रहे– केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर लोकसभा चुनाव के परिणामों को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि हमें 100 में 85 नंबरों की उम्मीद थी, हालांकि 75 आए और वो 25 में फेल होकर भी खुश ऐसे हैं मानो जीत गए। शाह ने कहा कि अकेले भाजपा को चुनाव में पूरे इंडिया ब्लॉक के बराबर सीटें मिली हैं। शाह ने कहा कि आगामी हरियाणा चुनाव में भाजपा अकेले चुनाव लड़ने जा रही है और दावा किया कि वे लगातार तीसरी बार सरकार बनाएंगे। अमित शाह हरियाणा के पंचकूला में भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव मौजूद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अकेले चुनाव लड़ेगी। शाह ने दावा किया कि भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। शाह ने कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा इस साल अक्टूबर से पहले होने वाले राज्य चुनावों के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेगी। पार्टी सूत्रों ने शाह के हवाले से बताया कि बैठक में उन्होंने कहा कि पार्टी को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। अमित शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस लोगों में भ्रम फैलाकर लोकसभा चुनाव में अपनी हार को छिपाने की कोशिश कर रही है। शाह ने कहा, हमें 100 में से 85 अंकों की उम्मीद थी, लेकिन 75 अंक ही मिल पाए और कांग्रेसी हमें फेल कह रहे हैं। उन्हें सिर्फ 25 अंक मिले और वे खुद को पास कह रहे हैं। वे (कांग्रेस) फेल होने के बाद भी खुद को पास कह रहे हैं। अकेले भाजपा को पूरे इंडिया ब्लॉक जितनी सीटें मिली हैं। अमित शाह ने कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और दीपेंद्र सिंह हुड्डा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हरियाणा में अब 'तारा, सितारा' नहीं चलेगा। सोनिया का आंखों का तारा (राहुल गांधी) और भूपेंद्र हुड्डा साहब का सितारा (दीपेंद्र हुड्डा)। पार्टी सूत्रों ने बताया कि बैठक में अमित शाह ने राज्य की 10 लोकसभा सीटों में से पांच पर बीजेपी की हार का जिक्र नहीं किया। हालांकि,ऐसी जानकारी है कि शाह ने बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बैठक में कहा कि पार्टी तीन लोकसभा सीटों– अंबाला, सोनीपत और हिसार में बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी, जहां पार्टी कांग्रेस से हार गई।

मनोज कुमार सिंह यूपी के नए मुख्य सचिव बने, दुर्गा शंकर मिश्रा को नहीं मिला चौथा सेवा विस्तार

लखनउ, एजेंसी। 1988 बैच के आईएएस अफसर मनोज कुमार सिंह यूपी के नए मुख्य सचिव बनाया गया। दुर्गा शंकर मिश्रा को चौथी बार सेवा विस्तार नहीं मिला। सीएम योगी ने दुर्गा शंकर मिश्रा का कार्यकाल खत्म होने पर निर्णय लिया है। मनोज कुमार सिंह मुख्य सचिव और आईआईडीसी दोनों होंगे। इसके लेकर आदेश जारी हो गया है। मनोज सिंह आज दोपहर बाद मुख्य सचिव पद का कार्यभार ग्रहण करेंगे। दरअसल, 1984 बैच के आईएएस अधिकारी दुर्गा शंकर मिश्र का कार्यकाल रविवार को समाप्त हो रहा है। दुर्गा शंकर मिश्र को दिसंबर 2021 में सेवानिवृत्त से ठीक पहले उन्हें सेवा विस्तार देते हुए उत्तर प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया। इसके बाद दिसंबर 2022 में उन्हें दोबारा एक साल का सेवा विस्तार मिला। दिसंबर 2023 में जब उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा था। तब भी उन्हें लोकसभा चुनावों के मद्देनजर छह माह का सेवा विस्तार दिया गया। अब उन्हें चौथा सेवा विस्तार नहीं पाया और शासन ने आईएएस मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव की जिम्मेदारी सौंप दी। मूल रूप से झारखंड की राजधानी रांची शहर के रहने वाले आईएएस मनोज कुमार सिंह की गिनती राज्य के असरदार नौकरशाहों में होती रही है। आईएएस मनोज कुमार सिंह के पास मौजूदा समय में कई अहम विभागों की जिम्मेदारी है। अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज और उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण की भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। शासन की कई योजनाओं को जमीन पर उतारने में उनकी अहम भूमिका रही है। ऐसे में मनोज कुमार सिंह को मुख्य सचिव को बनाया गया है।

कांग्रेस केवल अराजकता और भ्रम फैलाना चाहती है : शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान

नईदिल्ली, एजेंसी। नीट के मुद्दे को लेकर विपक्ष के निशाने पर बने शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष पर निशाना साधा है। प्रधान ने नीट समेत प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस पर निशाना साधा है। प्रधान ने कहा कि कांग्रेस चर्चा नहीं चाहती है। वह केवल अराजकता और भ्रम फैलाना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने स्वंय उस मुद्दे को संबोधित किया है जिस पर कांग्रेस बहस करना चाहती है। इस क्षेत्र में हुई कमियों और चुनौतियों की जांच चल रही है। लेकिन इस पर विरोध प्रदर्शन करने से कुछ हासिल नहीं होगा। प्रधान ने कहा कि सरकार की ओर से मैंने स्पष्ट रूप से कहा कि हम किसी भी तरह की चर्चा के लिए तैयार हैं, लेकिन कांग्रेस इस मुद्दे पर बात नहीं करना चाहती, छात्र इस मुद्दे पर क्या चाहते हैं इस पर बात नहीं करना चाहती वह बस इस मुद्दे का राजनीतिकरण करना चाहते हैं। ऐसे मुद्दे 2014 के पहले भी हुए हैं, लेकिन मैं इसको उचित नहीं ठहरा सकता। प्रधान ने जोर देकर अपनी बात रखते हुए कहा कि एनटीए को इसरो के पूर्व अध्यक्ष के राधाकृष्णन के रूप में नया नेतृत्व मिला है। एनटीए में सुधार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। हमने इस मुद्दे के समाधान के लिए एक नया कानून बनाया है, और पूरा मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है।

जनता के संदेश को समझ नहीं रहे मोदी, उपाध्यक्ष पद भी नहीं दिया- सोनिया गांधी

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव में जनादेश के संदेश की अनदेखी कर रहे हैं और टकराव को महत्व देना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ऐसे पेश आ रहे हैं कि मानो कुछ बदला ही नहीं है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक 'द हिंदू' में लिखे लेख में यह आरोप भी लगाया कि लोकसभा में 1975 के आपातकाल की निंदा की गई ताकि संविधान और संवैधानिक संस्थाओं पर मोदी सरकार के हमले से ध्यान हटाया जा सके। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, ''4 जून, 2024 को हमारे देश के मतदाताओं ने अपना फैसला स्पष्ट और जोरदार तरीके से सुनाया। यह उस प्रधानमंत्री के लिए व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार का संकेत है, जिन्होंने चुनाव अभियान के दौरान खुद को दैवीय दर्जा दिया था।''

उन्होंने दावा किया कि इस जनादेश ने न केवल इस तरह के दिखावों को नकार दिया, बल्कि यह विभाजन, कलह और नफरत की राजनीति की स्पष्ट अस्वीकृति थी तथा नरेन्द्र मोदी के शासन के कामकाज और शैली दोनों को खारिज किया जाना था।'' सोनिया गांधी ने कहा, ''फिर भी, प्रधानमंत्री ऐसे पेश आ रहे हैं जैसे कि कुछ भी नहीं बदला है। वह आम सहमति के मूल्यों के बारे में उपदेश देते हैं लेकिन टकराव को महत्व देना जारी रखते हैं। इस बात का जरा भी प्रमाण नहीं मिलता है कि उन्होंने चुनावी नतीजे को समझ लिया है या करोड़ों मतदाताओं द्वारा उन्हें भेजे गए संदेश पर कोई विचार किया है।

उन्होंने कहा, ''पाठकों को याद दिलाना चाहूंगी कि जब उनके दूतों ने अध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति की मांग की थी तो 'इंडिया' गठबंधन की पार्टियों ने प्रधानमंत्री से क्या कहा था...हमने कहा कि हम सरकार का समर्थन करेंगे, लेकिन परंपरा को ध्यान में रखते हुए यह उचित था और उम्मीद की जा सकती थी कि उपाध्यक्ष का पद विपक्ष के किसी सदस्य को दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''और फिर, प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी द्वारा आपातकाल की निंदा की गई - आश्चर्यजनक रूप से लोकसभा अध्यक्ष द्वारा भी निंदा की गई..संविधान इसके मूलभूत सिद्धांतों और मूल्यों पर, इसके द्वारा बनाई और सशक्त की गई संस्थाओं पर हमले से ध्यान हटाने का यह प्रयास संसद के सुचारू कामकाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है।'' सोनिया गांधी ने कहा कि यह इतिहास में दर्ज सत्य है कि मार्च 1977 में देश की जनता ने आपातकाल पर स्पष्ट निर्णय दिया, जिसे निःसंकोच और स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया तथा तीन साल से भी कम समय के बाद वह कांग्रेस, जो मार्च 1977 में हार गई थी, सत्ता में लौट आई। उन्होंने 'नीट' मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री, जो परीक्षा पे चर्चा करते हैं, उस पेपर लीक पर चुप हैं, जिसने देश भर में कई परिवारों को तबाह कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन में टकराव नहीं चाहता है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख ने कहा, ''लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सहयोग की पेशकश की है। 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे संसद में सार्थक कामकाज और इसकी कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता चाहते हैं। हमें उम्मीद है कि प्रधानमंत्री और उनकी सरकार सकारात्मक प्रतिक्रिया देगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी ने टीम इंडिया को दी बधाई

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने के लिए भारतीय टीम को बधाई दी है। राहुल के अलावा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी भारतीय टीम को बधाई दी है। राहुल गांधी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि सूर्य कुमार यादव ने मैच के आखिरी समय में सीमा रेखा पर दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर का शानदार कैच पकड़ा। राहुल गांधी ने ट्वीट करते हुए लिखा, विश्व कप की शानदार जीत और पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए टीम इंडिया को बधाई। सूर्या, क्या शानदार कैच पकड़ा। रोहित, यह जीत आपकी लीडरशिप का प्रमाण है। राहुल, मैं जानता हूं कि टीम इंडिया को आपके मार्गदर्शन की कमी खलेगी। नीले रंग की जर्सी वाले शानदार युवाओं ने हमारे देश को गौरवान्वित किया है। वहीं खरगे ने लिखा, रोमांचक फाइनल में टीम इंडिया ने 17 साल बाद जीता टी-20 विश्व कप। नीले रंग की जर्सी पहने टीम के सदस्यों को प्रतिभा और समर्पण के प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए बहुत-बहुत बधाई। पूरे मैच में विराट कोहली, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह की चमक बनी रही। इस अविश्वसनीय जीत पर हर भारतीय को गर्व है। आपकी उपलब्धियों का हमेशा जश्न मनाया जाएगा और उन्हें संजोया जाएगा। हम भविष्य के मैचों में आपका समर्थन और उत्साहवर्धन जारी रखने के लिए तत्पर हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, हुर्रे ! शानदार टीम इंडिया। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रच दिया है।

बीकानेर में सड़कें बनीं दरिया, तिनकों की तरह बहने लगी गाड़ियां

बीकानेर, एजेंसी। राजस्थान में अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश देखी जा रही है। मौसम विभाग ने अगले 36 घंटे के दौरान राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके नजारे एक दिन पहले से ही सूबे में दिखने लगे हैं। राजस्थान के बीकानेर जिले में भारी बारिश दर्ज की गई। इससे सड़कें दरिया बन गईं। ऐसा लग रहा था जैसे सड़कों पर तेज रफ्तार से बह रहा पानी अपने साथ सबकुछ बहा ले जाएगा। कुछ वाहन चालक अपनी गाड़ियों के साथ इस बहाव में फंस गए। इस वाकए का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। इस तेज बहाव में कारें और दो पहिया वाहन तिनकों की तरह बहते नजर आए। बीकानेर में भारी बारिश के बाद कई स्थानों पर जलभराव देखा गया। मौसम विभाग ने राजस्थान के विभिन्न हिस्सों में अगले 36 घंटे के दौरान भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी का कहना है कि अगले चार से पांच दिन तक भारी से बहुत भारी बारिश देखी जा सकती है। राजस्थान में मानसून के प्रभाव से अगले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश का पूर्वानुमान जारी किया गया है। बीते 24 घंटे के दौरान राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश देखी गई। कहीं-कहीं भारी बारिश भी देखी गई। पूर्वी राजस्थान के कामां में 68 मिमी जबकि पश्चिमी राजस्थान के रायसिंहनगर में 72.3 मिमी बारिश दर्ज की गई है। ढ्ढरू ने पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों के दौरान भारी बारिश का अनुमान जताया है।

इस बार बजट में रोजगार के वास्ते सरकार खोलेगी खजाना, मिडिल क्लास पर रहेगा फोकस

नईदिल्ली, एजेंसी। आगामी आम बजट के जरिए केंद्र की भाजपा सरकार अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा करने की तैयारी में है। इसको लेकर वित्त मंत्रालय के स्तर पर लगातार बैठकें चल रही हैं। माना जा रहा है कि इस बार का बजट युवा, रोजगार, महिला, बुजुर्ग और मध्यम वर्ग पर केंद्रित होगा। इसके लिए सरकार जहां आयुष्मान भारत से पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज को जारी रखेगी वहीं 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मुहैया कराने का रास्ता भी साफ करेगी। भाजपा ने चुनाव से पहले घोषणा की थी कि आयुष्मान भारत के तहत 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त में इलाज मुहैया कराया जाएगा। अब बजट के माध्यम से पैसे का आवंटन करने की तैयारी है। इस तरह सरकार अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी बजट बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस बार युवाओं के लिए रोजगार पर भी विशेष ध्यान रहेगा। आम चुनाव के नतीजे उम्मीद के मुताबिक न आने के बाद से भाजपा सरकार युवाओं को साधने की कोशिश कर रही है। इस वर्ष के अंत में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं, जिसमें भाजपा को लगता है कि अगर युवा वर्ग नाराज हुआ तो नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसलिए युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए केंद्र सरकार अपने खजाने का मुंह खोलने को तैयार है।

इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, उत्पादन, उच्च मूल्य वाली सर्विस, स्टार्टअप, पर्यटन और खेल के क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार पैदा करने की

संभावना तलाशी जा रही है। रोजगार पैदा करने वाले इन क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं में निवेश को बढ़ाने और नई परियोजनाओं को बजट के माध्यम से स्वीकृति मिलने की संभावना है। भाजपा सरकार भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पैरवी कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का बजट आधारभूत ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का होगा। इसके लिए सरकार सड़क, रेल, बंदरगाह, बिजली, ग्रीन एनर्जी, एयरपोर्ट, मेट्रो समेत अन्य क्षेत्रों से जुड़ी परियोजनाओं को लेकर बड़ी घोषणा हो सकती हैं। इन परियोजनाओं के जरिए रोजगार के बड़े अवसर भी पैदा होंगे। इस तरह से उत्पादन और सर्विस क्षेत्र को लेकर भी बड़ी घोषणाएं संभव है, जिसमें सबसे ज्यादा कुशल व प्रशिक्षित युवाओं की जरूरत पड़ेगी। युवा अपने दम पर कारोबार के क्षेत्र में आगे बढ़ें, इसके लिए स्टार्टअप पर दी जा रही छूट को आगे भी जारी रखा जा सकता है। कुछ अतिरिक्त ऐलान भी स्टार्टअप को लेकर किए जा सकते हैं। खेल और पर्यटन से जुड़ी मदों का बजट भी बढ़ाया जा सकता है। चुनाव से पहले भाजपा ने घोषणा पत्र में युवाओं के लिए इन सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा करने का वादा भी किया था।

एक्स-रे करते ही सामने होगा फेफड़े का पूरा हाल, एआई से फौरन चल जाएगा इन बीमारियों का पता

गोरखपुर , एजेंसी। फेफड़ों की बीमारी में एक्सरे प्राथमिक जांच मानी जाती है। लेकिन अब एक्सरे जांच के जरिए फेफड़ों में होने वाली 16 पैटर्न से जुड़ी बीमारियों का पता फौरन लग जाएगा। इसकी सटीकता कम से कम 70 फीसदी रहेगी। उससे कम सटीक होने पर मशीन खुद-ब-खुद रिपोर्ट को चिकित्सक से परामर्श की सलाह देगी। ऐसा संभव होगा एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल से, जो डिजिटल एक्स-रे मशीन में इंस्टॉल हो जाएगा।

इस एआई टूल को विकसित किया है गोरखपुर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर व देहरादून के ग्राफिक एरा हिल विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सात्विक वत्स और उनके साथी असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विक्रांत शर्मा ने। इस रिसर्च में जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. करन सिंह और एम्स गोरखपुर के चिकित्सक भी शामिल रहे। इस टूल को विकसित करने के लिए पांच देशों के डेढ़ लाख से अधिक मरीजों का ब्योरा जुटाया गया। उनको एकीकृत किया गया। बीमारी होने पर मरीजों के फेफड़ों में बदलाव के फीचर एआई में डाले

गए। इसमें भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, इटली व स्पेन के मरीजों का आंकड़ें शामिल हैं। इस रिसर्च में मरीज के आंकड़ों को संदर्भित करने के लिए तीन रेडियोलॉजिस्टों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा चेस्ट फिजिशियन व मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट भी इसमें शामिल रहे।

मशीन करेगी पैटर्न की पहचान डॉ. सात्विक बताते हैं कि एआई टूल को इस तरह विकसित किया गया है कि वह किसी भी बीमारी में फेफड़ों में हो रहे बदलाव के पैटर्न को पहचान सके। इस टूल की मदद से 16 प्रकार के पैटर्न को पहचानने में सफलता मिल गई है। यह पैटर्न अलग-अलग बीमारियों के होते हैं। जिसमें फेफड़े में होने वाली निमोनिया, एडिमा, फाइब्रोसिस, डायाफ्राम की हार्निया, कोविड, कैंसर, फेफड़ों की झिल्ली में सूजन, पानी भरना व गांठ शामिल हैं।

छोटी मछलियों को पकड़कर, बड़े मगरमच्छों को छोड़ा जा रहा, नीट पेपर लीक मामले में कांग्रेस का नया हमला

अहमदाबाद, एजेंसी। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा (ह्रश्वश्वञ्ज) पेपर लीक मामले की जानकारी थी और सारे सबूत होने के बावजूद झूठ बोलकर सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया गया। साथ ही पार्टी ने आरोप लगाया कि इस घोटाले से जुड़े मामले के आरोपियों को बचाने की लगातार कोशिश भी केंद्र सरकार द्वारा की जा रही है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गोधरा के पुलिस उपाधीक्षक ने सत्र न्यायालय में जो हलफनामा दाखिल किया है उसमें कहा गया है कि पेपरलीक हुआ है और इसके लिए पहले से सेटिंग की गई और उसके तहत छात्रों को गोधरा का एक खास परीक्षा केंद्र चुनने को कहा गया। परीक्षा होने के बाद स्कूल में उत्तर पुस्तिकाओं पर सही उत्तर लिखवाया गया लेकिन अब तक स्कूल के चेयरमैन को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा,मेरे हाथ में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस का हलफनामा है जो सेशन कोर्ट गोधरा में फाइल किया गया है। इसमें बताया गया है कि महाराष्ट्र ओडिशा और बिहार समेत कई राज्यों से छात्र गोधरा परीक्षा देने आए क्योंकि वहां उनकी पहले से ही सेटिंग हो गई थी। उन छात्रों से एडवांस में पैसे और ब्लैंक चेक लिए गए। साथ ही, उन्हें कहा गया था कि परीक्षा का फार्म भरते समय सेंटर जय जलाराम स्कूल गुजराती

मीडियम का नाम लिखें। कांग्रेस नेता ने कहा,सेंटिंग ये थी कि जब छात्रों को एडमिशन मिल जाएगा तो ब्लैंक चेक में पैसे भरे जाएंगे। नीट पेपर लीक मामले का पहला आरोपी तुषार भट्ट जय जलाराम स्कूल में पढ़ाता है और नीट का डिप्टी सेंटर सुपरिटेंडेंट है। दूसरा आरोपी पुरुषोत्तम महावीर प्रसाद नीट परीक्षा के लिए सिटी कोऑर्डिनेटर है और जय जलाराम स्कूल का प्रिंसिपल है। इनका काम परीक्षा खत्म होते ही पेपर को बक्से में सील करके तुरंत कोरियर करना था लेकिन इन्होंने परीक्षा खत्म होने के बाद बक्से खोलकर पेपर में सही उत्तर टिक किए और फिर बक्सों को भेजा। इस मामले में तीन लोग और पकड़े गए हैं जिनमें परशुराम, विनोद आनंद, आरिफ वाहोरा थे।

चंद्रयान-3 के बाद चांद पर कमाल करेगा चंद्रयान-4

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर से अपने विज्ञान और तकनीक के अद्वितीय कारनामों से दुनिया को चौंकाने की तैयारी में है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि भारत 2040 तक इंसान को चांद पर भेजने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह मिशन चंद्रयान मिशनों की एक अहम कड़ी होगी, जो भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। चंद्रयान-4 लाएगा चंद्रमा से नमूने पिछले साल, इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर इतिहास रच दिया था। यह उपलब्धि न केवल भारत के अंतरिक्ष मिशनों में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि दुनिया भर में इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और तकनीकी कौशल की सराहना भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति रखा, जो अब इसरो के आगामी चंद्र मिशनों का एक महत्वपूर्ण बिंदु बनेगा। एनडीटीवी को दिए एक इंटरव्यू में एस. सोमनाथ ने बताया कि इसरो का लक्ष्य शिव शक्ति प्वाइंट से अगले कुछ वर्षों में चंद्र नमूने को पृथ्वी पर लाना है। इसरो के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की संरचना और उसके रहस्यों को और गहराई से समझना है। उल्लेखनीय है कि इससे

पहले चीन ने भी सफलतापूर्वक चंद्रमा से नमूने वापस लाने में सफलता प्राप्त की थी, और अब भारत भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। 2040 तक चांद पर पहुंचेंगे भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2040 तक चांद पर इंसान को भेजने के आह्वान पर एस. सोमनाथ ने कहा, हमें चांद पर उतरने के लिए कई चीजों में निरंतरता बनाए रखनी होगी, जिसमें मानव अंतरिक्ष उड़ान और ट्रांस-लूनर मानव अंतरिक्ष उड़ान शामिल हैं। हमें चंद्रयान मिशनों को जारी रखना होगा क्योंकि चांद पर जाना और वापस आना भी हमारी पहुंच में हो। हमें एक ऐसे स्तर तक पहुंचना होगा जहां शायद हमारे लोग चांद पर जा सकें और वापस आ सकें। इसरो के अध्यक्ष के अनुसार, चंद्रमा पर भारतीयों को भेजने के लिए कई तकनीकी और वैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। इसके लिए अत्याधुनिक अंतरिक्ष यान, जीवन रक्षक प्रणाली, और चंद्रमा पर सुरक्षित लैंडिंग की तकनीक विकसित करनी होगी। इसके अलावा, अंतरिक्ष यात्री के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परीक्षण और अनुसंधान भी आवश्यक होंगे। इसरो ने लहराया था परचम

इसरो की इस महत्वाकांक्षी योजना ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई उमंग और उत्साह भर दिया है। यह मिशन न केवल भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनेगा। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की यह नई दिशा न केवल चांद की सतह पर भारतीयों की उपस्थिति सुनिश्चित करेगी, बल्कि अंतरिक्ष अन्वेषण में भारत को विश्व गुरु बनने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

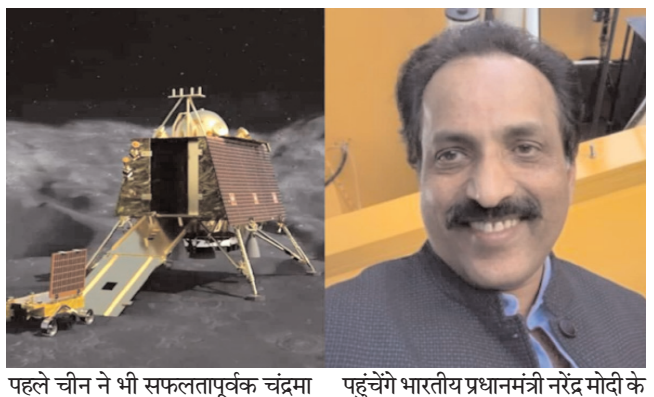

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकाता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।